

jftLV^{ah} laö Mhö ,yö&33004@99
33004/99

REGD. NO. D. L.-

vlk/kj.k

Hkxx III—[k.M 4

PART III—Section 4

izkf/dkj ls izdkf'kr

la- 91]

ubZ fnYyh] lkseokj] ekpZ 6] 2017@iQkYxqu 15]1938

No. 91]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 6, 2017/PHALGUNA 15, 1938

िसिकम िविव ालय

अयादेश

िसिकम, 31 जनवरी, 2017

िसिकम िविव ालय के थम अयादेश 2016

िवभाग एवं िव ापीठ पर अयादेश-ए शृंखला

सं. एसयु/2007/आए ई जी-03/जीएन-025/923/1728.- िन निलिखत को सवसाधारण क जानकारी हेतु कािशत िकिया जाता है:— ओए-1

िवभाग पर

[िसिकम िविव ालय संिविध, 2006 क धारा 15(5) (बी) के अंतगत]

गठन1. 1येक िवभाग का गठन िवभाग के संकाय सदस्य तथा ऐसे ारा होगा िजह= संबिधत िवभाग क िसफ़ारश के आधार पर िव ापीठ बोड ारा सदस्य के ाप म= नामित िकिया जाए।

िवभाग का कत34य2. िवभाग के कत9य हगे :

i. िवभाग ारा संचालित िविभन पाठ्यम म= केकीय वेश सिमित ारा चुने गए छात्र को वेश देना तथा क= कीय वेश सिमित के समन पयवेण के अधीन ऐसे दाखिले के िलए िया िनधात करना।

ii. िवभाग ारा संचालित 1येक पाठ्यम के िलए कों और तथा िनरंतर मूरयांकन क समय-सूची अनुमोदित करना।

iii. िशण पद के सृजन तथा पद क समाि पर शैणिक पशषद के समो ितुत करने हेतु िताव बनाना; iv. एमिफ़ल एवं पीएचडी िडनी के िलए शोध िताव पर िवचार करना तथा अययन बोड को िसफ़ारश करना;

v. िविभन पाठ्यम के िलए पाठ्यम िववरणिका बनाना तथा उस पर समय-समय पर सुझाव देना; vi. िवभाग के सुचा संचालन हेतु इसके सदस्य म= से सिमित का गठन करना तथा इन सिमितय को िवशेष भूमिका दान करना;

vii. इसके िशक म= से छात्र के सलाहकार/मटर िनयु: करना;

viii. संबिधत िवषय म= िशण एवं शोध काय के ितर म= सुधार लाने हेतु योजना ितावित करना; और ix. संबिधत अययन बोड, डीन अथवा कुलपित ारा सबे जाने वाले ऐसे अय काय का िनदपादन

1267GI/17

(1)

समस काय3भार3. 1येक संकाय के िलए शैणिक कायभार एक सेमेस्टर म= 90 िशण िदन से कम नह होगा। एक िशक िशण, परामश अथवा

अध्यापक ; द्वारा उनको सब पें गए किसी अन्य कार्य के लिए विभाग/विशालय/महाविशालय
म= कम से कम 5 घंटे उपस्थित होंगे।

कार्य इकाई 4. 1. एक प्रयास एक घंटे के लिए होगा। 90 मिनट का प्रयास करके कोएं
एक घंटे का छुट्टी के रूप में गिने जाएंगे।

एमफ़ल और 5. एक निधारित समय में किसी भी पर्यवेक्षक के पास 5 एमफ़ल 5 कॉलर से
अधिक नहीं होंगे। प्रोफ़ेसर, सह पीएचडी प्राध्यापक और सहायक प्राध्यापक को
उनका प्रवर्ती द्वारा अविध पूरा होने के बाद अधिकतम 8, 6, और छ= क संख्या
4 पीएचडी 5 कॉलर आवंटित किए जा सकते हैं अथवा जैसा कि समय
समय पर यूजीसी ; द्वारा निधारित किया जाएगा।

गणपूति 6. बैठक के लिए गणपूति कुल सदस्य 6 में से एक तिहाई होगी, विभाग में
बहुत कम संकाय सदस्य होने का स्थिति में न्यूनतम दो सदस्य 6 से गणपूति
होगी जिनमें से एक संबंधित विभागीय के डीन होंगे।

अध्यादेश ए-2

विभाग के

अध्यापक पर

[सिक्किम विभाग विधायन अधिनियम, 2006 के धारा 30 (1) के अधीन]

1.1 एक विभाग में एक अध्यापक होंगे, जिन्हें विभागीय के डीन के परामर्श से तथा वर्यता से
रोटेशन के आधार पर तीन वर्ष का अवधि के लिए कुलपित ; द्वारा नियुक्त किया जाएगा। अध्यापक कम
से कम सह प्राध्यापक के स्तर के होंगे। जहां किसी विभाग में प्राध्यापक अथवा सह प्राध्यापक
नहीं हैं, वहाँ सहायक
प्राध्यापक को वर्यता के आधार पर विभाग के भारी के रूप में नियुक्त किया जाएगा।

2. विभाग के अध्यापक/भारी संबंधित डीन के सामान्य मागदर्शन में निम्नलिखित कार्य करेंगे :

- i. विभाग का बैठक बुलाना तथा उसका अध्यापक करना, कार्य तैयार करना, विभाग के नियमों
को कार्यान्वित करना तथा अगली बैठक में ली गई कार्रवाई का रिपोर्ट स्तुत करना;
- ii. विभाग के शिर्षक एवं शोध कार्य को प्रवर्धित करना;
- iii. विभाग के शिर्षक के बीच शिर्षक कार्य आवंटित करना तथा उन्हें विभाग के सुचारु
संचालन हेतु आवश्यक होने पर कुछ ऐसे अन्य कार्य भी संपन्न; iv. विभाग का ओर से सभी अन्य
विभाग और विभाग विधायन अधिकार के साथ संपर्क करना ;
- v. विशिष्ट योजना हेतु उनके ; द्वारा नियुक्त विभागीय समितियों के काम काज का संयोजन करना; और
- vi. डीन और कुलपित ; द्वारा दान किए गए कुछ अन्य कर्तव्यों का पालन करना।

3. अध्यापक/भारी अपने आकिर्षक अवकाश और विशेष आकिर्षक अवकाश के लिए आवेदन उनके
संबंधित डीन को स्तुत करेंगे। अन्य सभी अवकाश के लिए वे उनके आवेदन डीन के माध्यम
से कुलपित को देंगे।

4. अध्यापक/भारी मुख्यालय से बाहर जाने और कर्तव्य निभाने में असमर्थ या अनुपस्थित होने पर
कार्यभार उनके तत्काल किन्तु सहयोगी को संपन्न होगा। अध्यादेश ए-3
अध्ययन बोर्ड पर

[सिक्किम विभाग विधायन संविधान, 2006 के धारा 16 के

अधीन]

- गठन 1. 1. एक विभाग के अध्ययन बोर्ड में शामिल होंगे :
- i. विभाग के अध्यापक;

- ii. विभाग के सभी आयुपाक;
- iii. वर्षता जम के अनुसार रोटेशन के आधार पर एक सह आयुपाक और दो सहायक आयुपाक;
- iv. विवापीठ के अंतगत अत्यधिक विभाग से संबंधित विभाग के सिफारिश पर एक-एक शिओक; और
- v. निदेशक, महाविद्यालय विकास पद के सिफारिश के आधार पर सब महाविद्यालय के संबंधित विषय पढ़ाने वाले शिओक म= से कुलपित ;ारा नामित अधिक से अधिक तीन शिओक
- vi. सिक्किम के बाहर के महाविद्यालय/विवापीठ से कुलपित ;ारा नामित ज्यादा से ज्यादा तीन शिओक, परंतु, ऐसे शिओक म= से कम से कम एक शिओक इसी ओम से हगे और अत्यधिक देश के बाक हिंस से हगे।

कायकाल 2. विभाग के आयुओ और आयुपाक को छोड़कर सदस्य का कायकाल तीन वर्ष के अवधि के लिए होगा। जबकि, यदि विभाग के शिओक के संख्या रोटेशन के लिए पर्याप्त नहीं है, तो विभाग के सदस्य को पुनः नामित किया जा सकता है।

¹Hkkx IIIµ[k.M 4^o

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

3

अथवा 3. विभाग के आयुओ बोर्ड के संयोजक तथा पदेन आयुओ हगे। कुलपित उन विषय के लिए निम्न पढ़ाई विवापीठ स्तर पर नहीं होती, किसी शिओक को बोर्ड के संयोजक और आयुओ के रूप में नियुक्त कर सकते हैं तथा किसी भी विवापीठ को, जिसे वे उपयुक्त समझे, बोर्ड का कार्य संपन्न कर सकते हैं।

कायकाल 4. बोर्ड के कार्य हगे :

- i. विवापीठ म= संबंधित विषय म= संचालित स्नातक एवं स्नातकोत्तर अध्ययन पाठ्यक्रम से संबंधित सभी मामलों पर विवापीठ बोर्ड को सिफारिश करना;
- ii. विवापीठ बोर्ड को स्नातक, एककृत, स्नातकोत्तर, एमिफ़ल और पीएचडी पाठ्यक्रम के लिए परीक्षा क पैनल के सिफारिश करना;
- iii. विवापीठ बोर्ड को एमिफ़ल और पीएचडी उपाधि के लिए शोध स्तर के सिफारिश करना;
- iv. विवापीठ बोर्ड को स्नातक और स्नातकोत्तर शिओक म= सुधार लाने हेतु उपाय के सिफारिश करना; और
- v. विवापीठ बोर्ड, शैक्षणिक पद, कार्यकारी पद और कुलपित ;ारा संपन्न गए अत्यधिक कार्य का निष्पादन

गणपूर्ति 5. बोर्ड के बैठक के गणपूर्ति कुल सदस्य के एक तिहाई सदस्य से बनेगी।

बैठक 6. बोर्ड के बैठक के म= से कम से कम एक बैठक आयोजित करेगा। बोर्ड के बैठक के सूचना बैठक के तिथि निश्चित होने से 14 दिन पहले जारी की जाएगी।

काय3वृF 7. बोड के अYयO बोड क बैठक का कायवृr रख=गे और बैठक के िनणयो को कायाि<वत कर=गे और अगली बैठक म= कारवाई ?रपोट 5तुत कर=गे।

अयादेश

ए-4

िव

ापीठ

बोड3

पर

[िसिकम िव%िव&ालय संिविध, 2006 के धारा 15(3) के अधीन]

िव ापीठ बोड3 का गठन 1. िव&ापीठ बोड म= शािमल ह6गे :
i. िव&ापीठ के डीन;
ii. िवYयापीठ के अंतगत िवभाग6 के अYयO/भारी;
iii. िव&ापीठ के सभी ाYयापक;
iv. व?रपता JM के अनुसार रोटेशन के आधार पर 1येक िवभाग से एक सह ाYयापक और एक सहायक ाYयापक;
v. संबि<धत डीन के िसफ़ा?रश6 के आधार पर इस िव&ापीठ के साथ िनकटता से संबि<धत दो िव&ापीठ6 म= कुलपित ;ारा नामित एक-एक ितिनिध; और

vi. कुलपित ;ारा नामित सेवािनवृr िशOक6 सिहत अधिक से अधिक तीन िशOक जो उन िवषय6 के िवशेषz हm, िजन िवषय6 को संबि<धत िव&ापीठ के िवभाग6 म= पढ़ाये जाते हm, और जो िव%िव&ालय अथवा इसके सबv िकसी महािव&ालय6/सं5थान6 का कमचारी नहf है। परंतु, सामा<यत: कम से कम एक 9यि: इस OेM से ह6गे और शेष देश के शेष भाग6 से ह6गे।

काय3काल2. डीन, िवभाग6 के अYयO एवं ाYयापक6 को छोड़कर सद5य6 का कायकाल तीन वष क अविध के िलए होगा।

अयB 3. िव&ापीठ के डीन बोड के अYयO ह6गे।

शिG एवं काय3 4. बोड क शि: एवं काय इस कार ह6गे :

i. शैOणिक प?रषद को िवभाग6 ;ारा उनके अYययन बोड के माYयम से िविभ<न िडNी के िलए िविभ<न अYययन पाठ्यम संचालित िकए जाने के िवषय पर िसफ़ा?रश करना,

ii. शैOणिक प?रषद को िशOण पद6 के सृजन अथवा समाU करने पर िसफ़ा?रश करना तथा िव&ापीठ के अधीन अYययन बोड से पीएचडी पंजीकरण हेतु ाU शोध 5ताव6 पर िवचार करना;

iii. िशOण एवं शोध के मानदंड क उ<नित के िलए योजनाओं पर िवचार करना तथा उसे शैOणिक प?रषद के समकषा उसके िवचाराथ 5तुत करना।

iv. िवभाग ;ारा संचालित शोध िडNी सिहत सभी पाठ्यम6 के िलए संबि<धत िवभाग के अYययन बोड क िसफ़ा?रश के आधार पर परीOक6 क िनयुि: करने हेतु िसफ़ा?रश करना;

- v. परीक्षा विधियों को, जिन्हें योद्धा पाया गया है और जो ऐसे विद्वानों को करने हेतु योद्धा है, शोध विद्वानों को दान करने हेतु शैक्षणिक पत्रपत्रिका को संपादन करना;
- vi. विभागीय के छात्रों के कल्याण के संबंध में किसी कार के स्तर पर विचार करना तथा उस पर अमल करना;
- vii. अधिनियम, संविधान और अध्यादेश द्वारा निम्नलिखित किए जाने वाले अन्य सभी कार्य का निष्पादन करना तथा शैक्षणिक पत्रपत्रिका, कार्यकारी पत्रपत्रिका तथा कुलपति द्वारा सभी विषयों पर विचार करना, और
- viii. समय समय पर बोर्ड द्वारा निम्नलिखित किए अनुसार डीन अथवा बोर्ड के अन्य सदस्य अथवा किसी समिति को ऐसी शिक्षा, सामान्य अथवा विशेष शिक्षा देना।
- बैठक 5. i. बोर्ड एक सेमिस्टर में कम से कम एक बैठक आयोजित करेगा।
ii. डीन अपनी पहल से अथवा कुलपति के सुझाव से अथवा बोर्ड के एक-तिहाई सदस्यों के लिखित अनुरोध पर विशेष बैठक बुला सकते हैं।
- गणपति 6. बोर्ड की बैठक के लिए गणपति बोर्ड के कुल सदस्यों के एक-तिहाई सदस्यों से बनेगी।
- सूचना 7. बोर्ड की किसी भी बैठक की सूचना बैठक के निम्नलिखित तिथि से कम से कम 14 दिनों पहले भेजी जाएगी। जबकि, किसी तत्काल महत्वपूर्ण विषय पर विचार करने के लिए कुलपति के अनुमोदन से 3 दिनों की सूचना पर आपातकालीन बैठक बुलाई जा सकती है।

ओए-5

विभागीय के डीन पर

[सिक्किम विभागीय संविधान, 2006 के उपबंध 5 के तहत]

विभाग के एक अधिकारी के तौर पर संबंधित विभागीय के डीन के अपने सामान्य कर्तव्यों के अलावा निम्नलिखित कर्तव्यों होंगे :

- i. संबंधित विभाग के अध्यक्ष और भारी के माध्यम से सामान्य तौर पर विभागीय के शिक्षण और शोध कार्य का संयोजन और प्रवर्धन करना; ii. विभाग के अध्यक्ष के माध्यम से कक्षाओं में अनुशासन बनाए रखना;
- iii. समय समय पर शैक्षणिक पत्रपत्रिका द्वारा दिये जाने वाले इस तरह के दिशा-निर्देशों के अनुसार विभागीय के अंतर्गत विभाग में परीक्षाओं के भारी बनना। iv. विभागीय बोर्ड की बैठक बुलाना और उसका अध्यक्षता करना, बैठक के कार्यवाही रखना और बोर्ड के नियमों को कार्यान्वित करना। वे ली गई कारवाई की रिपोर्ट भी तैयार करेंगे और बोर्ड की अगली बैठक में प्रस्तुत करेंगे।
- v. शैक्षणिक पत्रपत्रिका, कार्यकारी पत्रपत्रिका और कुलपति द्वारा समय-समय पर उद्देश्य से अन्य शैक्षणिक और शासकीय कार्य का निष्पादन करना।

ओए-6

विभागीय के विभाग पर

[सिक्किम विभागीय संविधान, 2006 के धारा 15 के अधीन]

विभागीय के अंतर्गत निम्नलिखित विभाग खोले जाएंगे। भविष्य में किसी विभागीय के अंतर्गत

किसी नया विभाग यूजीसी के पूर्वानुमोदन से ारभ किया जाएगा। 1.सामाजिक विज्ञान
विभागीय

अथवा विभाग
इतिहास विभाग
विधि विभाग
सामाजिक कार्य विभाग
समाजशास्त्र विभाग
अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग
राजनीति विज्ञान विभाग
शांति एवं ;०; अध्ययन एवं बंधन विभाग

2.जीवन विज्ञान

विभाग

वनस्पति विज्ञान
(बॉटनी) विभाग
जैव भौतिक

विभाग

उद्योगिक

विभाग

सूक्ष्म जीव
विज्ञान विभाग
अणुविज्ञान
विभाग

¹Hkx IIIμ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

5

3.भौतिक

विज्ञान
विभागीय
रसायन
विज्ञान
विभाग
कंप्यूटर
अनुयोग
विभाग
भूविज्ञान
विभाग
गणित
विभाग
भौतिक
विज्ञान
विभाग

4.भाषा एवं

साहित्य
विभागीय

भूटिया
 विभाग
 चीनी विभाग
 अंग्रेजी
 विभाग
 हिंदी
 विभाग
 लेपचा विभाग
 लिबू विभाग
 भाषा विज्ञान
 विभाग
 नेपाली
 विभाग

5. मानव

विज्ञान
 विज्ञापि
 ठ
 मानवशास्त्र
 विभाग
 भूगोल
 विभाग
 मनोविज्ञान
 न विभाग

6.9 यावसायिक अध्ययन विज्ञापिठ

वास्तुशास्त्र विभाग
 बंधन विभाग
 वाणिज्य विभाग
 संगीत विभाग
 शिल्प विभाग
 पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग
 जनसंचार विभाग
 पयटन विभाग

ओए-

7

डीन क संसित पर

[सिंसकड वलवलवलवल संवलवल, 2006 के धारा 22 के अधीन]

वलवलवलवल के डीन को लेकर वलवलवलवल एक संसित का गठन करेगा िजसे डीन संसित के नाम से जाना जाएगा।

संसित का गठन 1. डीन संसित का गठन िननकार से होगा :

i. कुलपित

-

अथवा, पदेन

अथवा

उप कुलपित, यदि कोई हो

पदेन	ii. सभी विभागीय के डीन	-	सदस्य,
सिचव	iii. कुलसिचव	-	सदस्य-
आमंत्रित	iv. विर अधिकारी	-	स्थायी

काय

2. समित का काय निम्नानुसार हगे :

i. राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने हेतु विर्रीय सहायता दान करने के लिए विभाग के शिक्षकों के आवेदन के संबंध में नीति पर विचार करना।

ii. स्नातक, एककृत, स्नातकोत्तर, एमिफ़ल और पीएचडी छात्रों के लिए परीक्षा का आयोजन, परणाम आदि से उपर्युक्त मामलों में नीति पर विचार करना;

iii. विभागीय एवं विभाग में पुस्तक एवं शोध प्रकाशों, योगशालाओं, विभाग को दिये गए

अनुदान का रखरखाव और विशेष आवंटन, यदि कोई हो, के लिए निधियों के वितरण पर विचार करना तथा उसके लिए विर समित को सिफ़ारिश करना;

iv. यूजीसी ; द्वारा स्वीकृत शिक्षण/गैर-शिक्षण पदों के आवंटन पर विचार करना तथा उसके लिए

शैक्षणिक परषद/कायकारणी परषद को सिफ़ारिश करना;

v. विभागीय एवं विभाग के सुचारु संचालन से संबंधित सामान्य शासनिक एवं विर्रीय मामलों पर विचार करना; और

vi. कायकारणी परषद अथवा कुलपित ; द्वारा दान किए जाने वाले ऐसे अन्य मामले।

बैठक

3. समित क बैठक सदस्य-सिचव ; द्वारा बुलाई जाएगी।

गणपूर्ति

4. समित क बैठक के लिए गणपूर्ति कुल सदस्यों के एक तिहाई सदस्यों से

बनेगा।

शिक्षक, अधिकार्य और कमचार्य पर ओबी शृंखला

ओबी-1

आवेदन पत्र का जांच

एवं चयन पर

[सिक्किम विभागालय संविधि, 2006 के धारा 18 के अधीन]

आवेदन का जांच :

i. विभागालय ; द्वारा सभी आवेदन-पत्र ऑनलाइन ापु किए जाएंगे और पारदर्शक तरीके से उस पर कारवाई क जाएगी।

ii. थम विज्ञापन में साक्षात्कार हेतु यदि योग्य अधिकार क संख्या कुल मिलाकर तीन से कम होती है, तो उः पदों के लिए निम्न लोग ने पहले आवेदन किया था, फिर से आवेदन करने क आवश्यकता नहीं है, इस शत के साथ उः पदों के लिए पुनः विज्ञापन

दिवा जाणा। ँसे माडल 6 ड= कुलडलत अ<ड वल%वल&ालड के कुलडलत सलहत अ<ड वल;ान 6 के साथ डी वैडल:क संपक के आधलर डर डोडड ाथलड 6 के ललए डलल कर सकते हड तालक साOालकार का आयोजन कलडल जा सके। ड&डड, उ: डद 6 को डुन: वलवडालडलत करने के डलद डी डलद डलड ाथलड 6 क कुल संडलड तीन से कड होती है तो तीन से कड डलड आवेदक 6 के साथ डी साOालकार आयोजत कलडल जा सकतल है।

iii. ाथलड 6 क ारलडक जांच कलसी अधकलरी ;लरल जो सहाडक कुलसलचव के डद से कड न हो, ;लरल क जाएगी, जो इस सबंध ड= संबलधत वलडलड के कड-से-कड दो संकाड सदडड 6 से सहाडतल ल=गे।

iv. सभी डलड ाथलड 6 को उस सेडेडटर के ललए उनके डलठडड वलवरलणकल से संबलधत कलसी वलषड डर 10 से 20 डलडलनट तक संबलधत वलडलड के छलड 6 को डदलने तथल सलडूहक चचल ड= डलड लेने के ललए आडलडत कलडल जाएगा। उह= छलड 6, संकाड सदडड 6 ;लरल रडक दलदल जाएगा और उनड= से शीष छ: ाथलड 6 कल साOालकार ललए जाएंगे और उह= डलडल डलरल कल डुगतलन कलडल जाएगा। अनुसूकलत जलतल, अनुसूकलत जनजलतल अथल अ<ड डचडे वग के डद 6 के डलडले ड= वल%वल&ालड डेक डद के ललए 10 डलड ाथलड 6 को डुलल सकतल है।

v. साOालकार के ललए चडलनत सभी डलड ाथलड 6 को ईडेल और ँसँडँस ;लरल साOालकार क लतलथ तथल डथलन के डलरे ड= साOालकार क लतलथ से कड से कड दो सOलह डलले सूकलत कलडल जाएगा। सूकी वल%वल&ालड के वैडसलड्ट डर डी अडलुड क जाएगी।

vi. कलसी वलशेष डजडूडरड 6 के दक होने क िडथलत ड= कुलडलत साOालकार के ललए कलसी ँक अथल अधक नहड चुने गँ डरंतु डलड ाथलड 6 को डुलल सकते हड, अ<डथल नहड।

चडन सलडलत :

i. चडन सलडलत कल गठन डूजीसी/ँडँचआरडी ;लरल सडड-सडड डर अधसूकलत कलए जाने के अनुसलर होगल;

ii. चडन सलडलत के अडडO डैठक क लतलथ ँवं डथलन िनधलरत कर=गे।

iii. सलडल<डत: सदडड 6 को ँक सOलह क सूचना दी जाएगी।

iv.

डरंतु, केवल वलवकटर ;लरल नलडत डडल: क सुवलधलनलसलर से डी चडन सलडलत क डैठक िनधलरत क जाएगी।

v. डरंतु आगे डह डी है कल वल%वल&ालड के संवलधडड 6 के अनुसलर डैठक क गणडूतल जब तक नहड डनेगी तडतक चडन सलडलत क कलडलवी डल<ड नहड होगी।

vi. चडन सलडलत ाथलड 6 क उडडुतल के ललए कलडकलरणी डररषद के वलचलरलथ लसडलरश डतुत करेगी। ।

vii. चडन सलडलत कल िनणड डहडडत से नहण कलडल जाएगा। डरलडरी क िडथलत ड= अडडO अडनल िनणलडक डत कल डोग कर=गे।

viii. अडडO को इन अडडलदेश 6 ड= िनलदल नहड कलए गँ वलषड 6 ड= िडडल िनधलरत करने कल अधकलर होगल।

ix. चडन सलडलत अ<ड ाथलड 6 के साOालकार लेने से डलले अनुसूकलत जलतल, अनुसूकलत जनजलतल और अ<ड डडछडी जलतल के ाथलड 6 कल साOालकार लेगी। चडन सलडलत ड= डलद डलले से आरलOत वग से कोई सदडड नहड है तो आरलOत वग से डी ँक

सदस्य होगा।

x. चयन समित दज िकए जाने वाले कारण6 के साथ िकसी ाथ क अनुपि5थित म= उनके कायवृ िवचार कर सकती है और कायका?रणी प?रषद के िवचाराथ िसफ़ा?रश= भेज सकती है।

xi. 1येक चयन समित इसके समO 5तुत ाथिय6 क आकलन िविध से संबिंधत अपनी िया अपनाने के िलए सOम होगी।

xii. यदि ?र: पद6 क संख्या से अधिक ाथ चुने जाते हm तब चयन समित वरीयता Jम के अनुसार ाथिय6 के नाम से यु: एक पैनल बनाएगी। उपयु:

पाये गए अित?र: ाथिय6 क एक आरिOत सूची बनेगी। आरिOत सूची इसके योग के िलए कोई अवसर आने तक अथवा साOाकार क ितिथ से

एक वर्ष तक गोपनीय रखी जाएगी और इसे उन िवzािपित पद6 के िसवा अ<य पद6 क िनयुि:य6 के िलए िलए यु: नहf िकिया जाएगा। xiii. चयन समित क कायवाही को कायका?रणी प?रषद ;ारा उस पर िनणय लेने तक गोपनीय माना जाएगा।

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

7

ओबी -2

िशBक क> सेवा शतJ, वेतनमान,

वगKकरण एवं योLयता पर

[िसिकम िव%िव&ालय सिविध, 2006 के धारा 23 के अधीन]

िशBण कम3चारय 1.िशOण कमचा?रय6 को िननानुसार पदनामित िकिया जाएगा : के सदMय

i. ाYयापक

ii.सह ाYयापक

iii.सहायक ाYयापक

वेतनमान 2.िशOण कमचा?रय6 के वेतनमा यूजीसी/एमएचआरडी,भारत सरकार ;ारा समय-समय पर िनधा?रत िकए अनुसार तथा िव%िव&ालय ;ारा अपनाए गए के अनुसार होगा। वेतन के अलावा यूजीसी/एमएचआरडी ;ारा समय-समय पर अधिसूचित के अनुसार कुछ अ<य भ्े, वेतन वृि, सुविधाएं और भ्े िशOक6 के िलए 5वीकाय ह6गे।

योLयता 3.ाYयापक, सह ाYयापक और सहायक ाYयापक के पद क यो{यता समय-समय पर यूजीसी ;ारा िनधा?रत िकए अनुसार होगी।

िशBक पूण3कालिक 4. i. इस अYयादेश के उेस के िलए “िशOक” अथात िव%िव&ालय का एकपूणकालिक वेतनभोगी कम3चारी हगे

िशOक और उनका पूरा समय िव%िव&ालय के िलए समिपत ह6गे।

ii.िव%िव&ालय के िकसी भी पूणकालिक वेतनभोगी िशOक

कायका?रणी प?रषद क अनुमित के िबना िकसी कार के 9यापार अथवा 9यवसाय, जो भी हो, अथवा िकसी िनजी ट्यूशन अथवा अ<य काय

जिसम= िकसी कार के वेतन अथवा मानदेय िदये जाते हm, के साथ तय अथवा परोO Cप से नहf जुड़=गे।

परंतु, िव%िव&ालय अथवा िशOण िनकाय6 अथवा लोकसेवा आयोग क परीOाओं से संबिंधत काय अथवा िकसी साहि1यक कायc अथवा काशन अथवा रेडियो वाता अथवा 9याहयान दान करना

अथवा कुलपित क अनुमित से किसी भी अय काय करने पर यह अय्यादेश लागू नह।

कतय क कृति 5. i. 1येक शिक विविधालय के ऐसी गतिविधय म= भाग लगे और विविधालय म= ऐसे कतयय का निवहन करगे जैसा कि इस अधिनयम के अधीन अपेित हो और समय समय पर विविधालय के ाधिकायय ;ारा निदशित हो।

ii. शिक और परीक्षा म, गृह काय का मूल्यांकन करना, म तैयार करना, और यावहायक परीक्षाओं के आयोजन करने के साथ-साथ छात्र के पेपर/छात्र ;ारा तुत शोध म का मूल्यांकन करना शिक के कतयय हगे। इसके अलावा, उनसे शोध काय करना, सेमिनार और कायशाला म= भाग लेना और ितिपत पिमाओं और पुतक म= अपने निवकष को कािशत करने क उमीद क जाती है।

iii. एक शिक से यह भी अपेक्षा क जाती है कि वे बिना किसी अितर: पारमिक से विभन समितय म= तथा अयय अथवा डीन और कुलपित ;ारा निदशित गतिविधय म= भाग ल=।

पारवी 6. सभी शिक के लिए पर्वी अविध पदभार नहण करने क ितिथ से एक वष क अविध के लिए होगी। परंतु, कायकायणी पर्वद किसी अभिलेखित कारण से पर्वी क शत से मु: कर सकती है अथवा किसी शिक को एक वष से अधिक अविध के लिए पर्वी पर रख सकती है।

पुीकरण 7. i. पर्वी म= रहे शिक के पुिकरण के मामले को कायकायणी पर्वद के सम तुत करना कुलसिचव का कतयय होगा।

ii. कायकायणी पर्वद किसी शिक क पुित कर सकती है अथवा उसे पुित नह करणे का निणय ले सकती है। जब कायकायणी पर्वद किसी शिक को पुित नह करणे का निणय लेती है, तब पर्वी अविध समा होने से कम से कम 30 दिन पहले उह= िलिखत तौर पर सूचित किया जाएगा। परंतु, किसी शिक को पुित नह किए जाने के निणय पर कायकायणी पर्वद के उपित और मतदान करने वाले दो-तिहाई सदय के बहुमत क आवस्यकता होगी।

iii. कायकायणी पर्वद ;ारा संविध 19 के अधीन नियु: किसी शिक क पुित उनके कायनहण क ितिथ से भावी समझा जाएगा।

वेतनवृि 8. 1येक शिक अपने वेतनमान के अनुसार तबतक वेतनवृि आहरण करगे जबतक कुलपित ;ारा तुत संदभ के आधार पर और शिक को अपने िलिखत अयावेदन तुत करने के लिए पया अवसर दान करने के बाद कायकायणी पर्वद के तुत ;ारा तुथगत नह कर दिया जाता है।

परंतु, यूजीसी ;ारा समय- समय पर जारी दिशा-निदश ;ारा निधातर पैमाने और मानदंड म= और उसके लिए निधातर ऐसी ितिथ से अिम वेतनवृि उनके लिए वीकाय होगी जो विविधालय णाली म= विशेष यावसायिक िडनी, एमिफ़ल और पीएचडी िडनी के साथ वेश किया है अथवा बाद म= हासिल किया है। सेवानिवृि क आयु 9. शिक के लिए सेवानिवृि क आयु 65 वष होगी अथवा समय-समय पर जारी यूजीसी/एमएचआरडी के आदेश के अनुसार होगी।

पदQयाग 10. कोई िशOक कुलपित को तीन महीने पहले िलिखत सूचना देकर अपना कायभार समाU कर सकते हm। परंतु, यदि सूचना अविध िकसी सेमे5टर के मYय पड़ती है तो संबि<धत िशOक को सेमे5टर के अंत म= कायमु: िकिया जा सकता है।

अनुबंध 11. i. िशOक और िव%िव&ालय के बीच एक िलिखत अनुबंध पर ह5ताOR िकिया जाने क आवश्यकता होगी। यदि िकसी कारण से िकसी िशOक ;ारा अनुबंध का िनदपादन नहf िकिया जाता है तो <याय संगतता, उचित 9यवहार, छाM6 के समN शैOणिनक िहत6, सं5थान के सामंज5य पूण कामकाज और िव%िव&ालय के 5व5थ िवकास जैसे सामा<य िस<ांत6 ;ारा उ<ह= िनयंिमत िकिया जाएगा।

ii. िवशेष अनुबंध : इस अYयादेश म= िनिहत होने के बावजूद, िकसी िवशेष मामले म= कायका?रणी प?रषद उचित समझे जाने पर ऐसे िनयम और शतc पर अनुबंध पर िशOक6 क िनयुि: कर सकती है। परंतु, इस उपबंध के अधीन िकसी भी िनयुि: एक साथ पाँच वषc से अधिक समय के िलए नहf क जाएगी।

सेवािनवृिF लाभ 12. िव%िव&ालय के िशOक यूजीसी/एमएचआरडी ;ारा समय-समय पर िनधा?रत सेवािनवृिF लाभ और अवकाश नकदीकरण के हकदार ह6गे।

ओबी-3

िविव ालय के िशBक के िलए
शासक>य अवकाश

[िसिकम िव%िव&ालय संिविध, 2006 के धारा 21 के अधीन]

क. Mथायी

िशBकअवकाश के कार 1. i. 5थायी िशOक6 के िलए िननिलिखत अवकाश 5वीकाय ह6गे : क.कत9य के Cप म= माना जाने वाले अवकाश

- (i) आकि5मक अवकाश
- (ii) िवशेष आकि5मक

अवकाश, और

- (iii) काय अवकाश
- ख.कत9य के ;ारा अिजत अवकाश
 - (i) अिजत अवकाश
 - (ii) अ<वेतन अवकाश, और
 - (iii) प?रणत अवकाश
- ग.कत9य के ;ारा अनािजत

अवकाश

- (i) असाधारण अवकाश, और
- (ii) अजन शोYय अवकाश
- घ.अवकाश खाते म= अवकाश क

िवित नहf होती है :

िलए अवकाश

अवकाश, और

- (i) शैOणिनक गितिविधय6 के
- (क) अYययन
- (ख) अYययन

ो।साहन अवकाश
आधाःरत अवकाश

(ii) 5वा5□य

(क)

मातृव अवकाश

(ख) िपतृव अवकाश, और

(ग) िशशु देखभाल

अवकाश

ii. असाधारण मामल6 म= शैOणिंक पःरषद, जैसा िक उचित समझे, ऐसे कुछ िनयम एवं शतc के आधार पर अ<य कार के अवकाश दान कर सकती है।

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

9

आकिMमक 2. i. एक िशOक को िदये गए आकि5मक अवकाश एक सेमे5टर म= 4 िदन और एक शैOणिंक वष म= 8 िदन अवकाश से अधिक नहf होगा।

ii. आकि5मक अवकाश को िवशेष आकि5मक अवकाश को छोड़कर िकसी तरह के अ<य अवकाश के साथ संयु: नहf िकिया जा सकता। हालांकि, ऐसे अवकाश शिनवार और रिववार के सहित अवकाश के िदन के साथ संयु: िकिया जा सकता है। आकि5मक अवकाश के दौरान अवकाश अथवा रिववार पड़ने से उसे आकि5मक अवकाश के Cप म= िगना नहf जाएगा।

िवशेष आकिMमक 3. i. िवशेष आकि5मक अवकाश एक सेमे5टर म= 5 िदन और एक वष म= 10 से अधिक अविध के िलए अवकाश नहf होगा जो (क) अ<य िव%िव&ालय, लोक सेवा आयोग, परीOा बोड अथवा अ<य स□श

मिकाय6/सं5थान6 क परीOा के आयोजन करने तथा (ख)

सांिविधक िनकाय6 से संल{न शैOणिंक सं5थान6 के िनरीOण करने के िलए दान िकिया जा सकता है। अवकाश क गणना म= वा5तिवक यामा क ितिथय6 को िनकाल िदिया जाएगा।

ii. इसके अितःर: आकि5मक अवकाश (क) पःरवार कRयाण कायJM के अंतगत नसबंदी ऑपरेशन (पुष नसबंदी अथवा सेRपंगेटोमी) करने के िलए िदिया जाता है, इस मामले म= अवकाश 6 कायिदवस तक सीमित होगा; और (ख) यह अवकाश एक मिहला िशOक को िदिया जाता है जो गैर- जcचा नसबंदी कराती है। इस मामले म= अवकाश 14 िदन तक सीमित होगा।

iii. िवशेष आकि5मक अवकाश संचित नहf िकिया जा सकता और न ही उसे आकि5मक अवकाश को छोड़कर िकसी अ<य अवकाश के साथ जोड़ा जा सकता है। इसे अवकाश अथवा अवकाश के जोड़ा जा सकता है।

काय3 अवकाश 4. i. काय िदवस क अविध एक सेमे5टर म= सामा<यत: 7 िदन (अवकाश और यामा के िदन6 को छोड़कर) से अधिक नहf होगी और सभी अवसर6 पर मंजूरी ाधिकारी ारा आवsयक समझा जाना चाहिए।

ii. काय अवकाश िननिलिखत उ□ेस से िदिया जाता है :

क. विविध विभागों के अथवा विविध विभागों के
अनुमित के साथ समेलन, कॉन्फ्रेंस, संगोष्ठी,
सेमिनार में भाग लेना;

ख. संस्थान अथवा विविध विभागों के आमंत्रण पर प्रयास
देना;

ग. भारत सरकार, राज्य सरकार, विविध विभागों अनुदान
आयोग अथवा अन्य किसी शैक्षणिक संस्थान द्वारा नियुक्त
तिनिधिमंडल में भाग लेना अथवा किसी समित में कार्य करना और
यूजीसी, एमएचआरडी आदि के बैठक में भाग लेना;
घ. कुलपति द्वारा सौंपे गए विविध विभागों के अन्य कार्य
निष्पादन करना ।

iii. कार्य दिवस अवकाश कुलपति द्वारा स्वीकृत किया जाएगा।

iv. कार्य अवकाश का आवेदन विभाग के शैक्षणिक आवश्यकता को
प्रधान रखते हुए विभाग के अध्यक्ष द्वारा संतुष्ट किया जाएगा और उसे
कुलपति के सेवा में विभागीय के डीन द्वारा अनुरोधित किया जाएगा।

आवेदन को संतुष्ट करते समय विभाग के अध्यक्ष यह निर्दिष्ट करेंगे कि
विवर्णन/अतिरिक्त शैक्षणिक स्थान के मांग किए बिना संबंधित संकाय सदस्य
के शैक्षणिक कार्य के लिए वैकल्पिक व्यवस्था किया गया है।

v. कार्य अवकाश अजित अवकाश, अवैतन अवकाश अथवा
असाधारण अवकाश के साथ जोड़ा जा सकता है।

अजित अवकाश 5. i. अजित अवकाश एक शिक्षक के लिए स्वीकार्य होगा जो,
अवकाश के अविध, यदि कोई हो, जिसके दौरान उसे आकाश के
दौरान कार्य करने की आवश्यकता होगी, के एक तिहाई के सहित वास्तविक
सेवा के 1/30 दिन होगा।

वास्तविक सेवा के गणना करने के लिए आकिस्मक, विशेष
आकिस्मक और कार्य दिवस को छोड़कर

सभी अवकाश अविध को निकाल दिया जाएगा।

ii. एक शिक्षक के अजित अवकाश 300 दिन से अधिक जमा नहीं
होगा। सामान्यतः एक समय में अजित अवकाश 60 दिन से

अधिक संतुष्ट नहीं दी जा सकती। यद्यपि, उच्च शिक्षा अथवा शिक्षण अथवा
वैश्वीय माण्ड पर अवकाश के स्थिति में अथवा जब पूरे
अवकाश अथवा उसके कुछ अंश भारत के बाहर बिताए जाने
पर 60 दिन से अधिक अजित अवकाश के मंजूरी दी जा सकती है। अप्र-वैतन अवकाश 6.

अवैतन अवकाश एक स्थायी शिक्षक के लिए स्वीकार्य होगा जो सेवा के
प्रत्येक वर्ष के लिए 20 दिन के होंगे। ऐसे अवकाश वैश्वीय माण्ड पर,
निजी मामले अथवा शैक्षणिक उद्देश्य के लिए दान किया जाता है।

टिप्पणी: एक “सेवा का पूरा वर्ष” अर्थात् विविध विभागों के अधीन निर्दिष्ट
अविध के दौरान निरंतर सेवा

जिसमें ड्यूटी में बिताई गई अविध के साथ-साथ
असाधारण अवकाश सहित अवकाश शामिल हों।

पारणत अवकाश 7. किसी 5थायी िशोक को िदये जाने वाले प?रणत अवकाश अ_v वेतन अवकाश के आधे िदन से अधिक नह_f होगा िजसे िचिक1सा माणपM के आधार पर िननिलिखत शतc पर दान िकिया जाएगा :

i. पूरे सेवाकाल के दौरान प?रणत अवकाश अधिकतम 240 िदन तक सीमित होगा

ii. जब प?रणत अवकाश दान िकिया जाता है, तब ऐसे अवकाश के दुगुना देय अ_v वेतन अवकाश म= से डेबिट िकिया जाएगा।

iii. एक साथ िलिए गए अिजत अवकाश और प?रणत अवकाश क कुल अविध एक ही समय म= 240 िदन से अधिक नह_f होगी।

परंतु, इस अYयादेश के अधीन प?रणत अवकाश तब तक नह_f िदिया जाएगा जब तक मंजूरी देनेवाले सOम ाधिकारी को यह िव%ास नह_f होता िक िशोक अवकाश समाU होने के बाद िशोक अपने काय म= वापस आएंगे।

असाधारण अवकाश 8. i. एक 5थायी िशोक को असाधारण अवकाश दान िकिया जा सकता है :

क) जब अ<य कोई अवकाश 5वीकाय नह_f होता है; अथवा

ख) जब अ<य अवकाश 5वीकाय ह_m िक<तु कोई िशोक असाधारण अवकाश के िलिए िलिखत

तौर पर आवेदन करते ह_m;

ग) िशोक को िव%िव&ालय के बाहर एक साथ तीन महीने क अविध के िलिए किसी वेतन

यो{य िनयुि: अथवा िकसी फ़ेलोशिप के िलिए काय करने के िलिए असाधारण अवकाश दान िकिया जाता है।

ii. इस अवकाश क अनुमित केवल ऐसे िशोक को दी जा सकती है िज<ह= उनके पद पर पुित क गई है और िज<ह6ने कम से कम तीन वष क अविध के िलिए िव%िव&ालय म= सेवा दान िकिया है।

परंतु आगे यह भी है िक िशोक6 को ऐसे अवकाश तब तक नह_f िदिया जाएगा जब तक एक िशोक पहले िदये गए असाधारण अवकाश से वापस नह_f लौटे और कुछ महीनो/वषc तक सेवा दान नह_f िकिए है।

इस तरह के अवकाश के िलिए आवेदन संबि<धत िव&ापीठ के डीन के माYयम से भेजा जाएगा जो िविभाग के िशOण 5टाफ क शि: के अनुसार उनक सं5तुित द=गे। िविशेष ि5थित को छोड़कर िकसी

भी समय म= िविभाग म= 10% िशोक6 क संhया से अधिक िशोक6 को असाधारण अवकाश अYययन अवकाश और अYययन अवकाश पर अनुपि5थत रहने के िलिए तभी अनुमित दी जा सकती है।

सं5तुत अवकाश अविध क समािU के बाद िकसी िशोक के काय म= वापस लौटने िविफल होने क ि5थित म= एक िशोक उनको दान िकिए गए अवकाश ारभ होने क ितिथ से उनक सेवाँ समाU

िकिए जाने के िलिए उरदाई ह6गे। इसी उsय से उनको मंजूर िकिए गए अवकाश (िनरंतरता म= िलिए गए अ<य कार के अवकाश

- सिहत) के दौरान यदि उनके द्वारा किसी कार के वेतन और भर्त्ता किया गया है, तो वे उसे भी विवेकालय को वापस कर=गे।
- iii.क. कायकारणी पक्ष भी अपने विवेकानुसार किसी स्थायी शिष्टक, जो भारत अथवा देश के बाहर किसी विवेकालय, शोध संस्थान अथवा अन्य संस्थान में शोध कार्य करने के लिए चयनित हो= है, को असाधारण अवकाश दान कर सकती है। इस शर्त के अधीन उन्होंने विवेकालय में कम से कम तीन वर्ष का अविध के लिए सेवा दान किया है और उनका आवेदन डीन द्वारा नियत रूप से अनेकित किया गया है;
- ख. ऐसे मामले में अवकाश अधिकतम दो वर्ष का अविध से अधिक नहीं होगा;
- ग. अन्य किसी अवकाश होते हो= किसी शिष्टक को विवेकालय के बाहर कार्य करने के लिए दिये जानेवाली पूरी अविध वेतन रहित होगा;
- घ. बिताई गई ऐसी अविध को वेतनवृद्धि के लिए नहीं गिना जाएगा कि=तु वरुता के लिए गिना जाएगा। इस अविध को प=शन/अंशदायी भिव्य निधि लाभ के लिए भी तब तक नहीं गिना जाएगा जब तक शिष्टक अथवा विदेशी नियो=ा, द्वारा प=शन/अंशदायी भिवष निधि का भुगतान नहीं किया जाता है।
- iv. शिष्टक को दिये जाने वाले कुल असाधारण अवकाश उनके पूरे कार्यकाल के दौरान पाँच वर्ष से अधिक नहीं होगा।
- v. असाधारण अवकाश हमेशा वेतन रहित होगा।
- vi. असाधारण अवकाश को आकि=मक अवकाश और विशेष अवकाश को छोड़कर अन्य किसी भी अवकाश के साथ संयुक्त किया जा सकता है, परंतु, चिक=सा के आधार पर लिए गए अवकाश के मामले को छोड़कर कार्य से निरंतर अविध के लिए अनुपि=थित अथवा अवकाश (अवकाश का अविध सहित) अधिकतम तीन वर्ष से अधिक नहीं होगा। सेवा से लगातार अनुपि=थित का कुल अविध किसी भी स्थिति में सब मिलाकर पाँच वर्ष से अधिक नहीं होगी।
- vii. अवकाश दान करने हेतु सोम अधिकारी अवकाश के बिना अनुपि=थित का अविध को पूर्वग्रापी रूप से असाधारण अवकाश में परिवर्तित कर सकते हैं।
- अज=न शोय 9. i. अजन शोय अवकाश कुलपित के विवेकानुसार स्थायी शिष्टक को दिया जा सकता है जो उनके पूरे अवकाश कार्यकाल के दौरान 360 दिन का अविध से अधिक नहीं होगा निज=न से ऐसे अवकाश एक साथ 90 दिन से और सब मिलाकर 180 दिन से अधिक नहीं होगा, अ=यथा चिक=सा माणप= के आधार पर ऐसे अवकाश दिया जा सकता है। ऐसे अवकाश को उनके द्वारा अज=न वेतन अवकाश में से बाद

Hkkx III μ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

11

म= डेबिट किया जाएगा।

परंतु, जिन शिओक को मूल पद म= प?रवीOा पर नियुक्त किया जाता है, उन्हें अजन शोयय अवकाश देने करने के लिए “प?रवीOाथ□” के CP म= माना जाएगा।

ii. अजन शोयय अवकाश तब तक दान नहीं किया जाएगा जब तक कुलपित को यह सतुति नहीं होती कि शिओक अवकाश के बाद काय पर वापस लौट=गे और दिये गए अवकाश अजित कर=गे।

iii. जिस शिओक को अजन शोयय अवकाश दान किया जाता है उन्हें तब तक कायभार त्याग करने के अनुमित नहीं दी जाएगी जब तक सिय सेवा के द्वारा अवकाश खाते के डेबिट अवकाश पूरा नहीं

किया जाता है अथवा उसे अजित नहीं करने पर उनको दिये गए वेतन अथवा भरे को वापस नहीं किया जाता है। जहां किसी शिओक के लिए अवकाश के कारण आगे क सेवा दान करने म= असमथता के कारण सेवानिवृत्त होना अप?रहाय हो जाता है, वहाँ अवकाश के दौरान अजित किए जाने वाले अवकाश वेतन क वापसी को कायकारणी प?रषद द्वारा मु: किया जा सकता है।

परंतु, कायकारणी प?रषद अभिलेखित किए जाने वाले कारण हेतु अवकाश अविध के दौरान अभी भी अजित किए जाने वाले अवकाश वेतन क वापसी मु: कर सकती है।

अययन अवकाश 10. i. अययन अवकाश क योजना संकाय को, जो नूतन ज्ञान अथवा विेषण कौशल म= सुधार करने के लिए इच्छुक है, छाMवृि/अययेतावृित का लाभ उठाने के लिए एक अवसर दान करता है। जब एक शिओक को आगे के अययन के लिए पीएचडी/पोस्ट डॉटरल योग्यता हासिल करने अथवा विदेश के उच्च शिओण संस्थान म= शोध प?रयोजना शुरू करने के लिए छाMवृि अथवा वजीफा दान किया जाता है, तब छाMवृि/फेलोशिप क राशि को उनके मुख्य संस्थान द्वारा ापकताओं को भुगतान किए गए वेतन के साथ जोड़ा नहीं जाएगा। ापकताओं को फेलोशिप/छाMवृि क पूरी अविध के लिए वेतन का भुगतान किया जाएगा, इस शत के अधीन वे आयोजक देश म= शिओण जैसे किसी भी रोजगारोमुख काय म= नियु: नहीं हो।

ii. अययन अवकाश पर रहनेवाले शिओक अवकाश के दौरान भारत म= अथवा विदेश क किसी भी संस्था म= किसी कार क नियमित अथवा अंशकालीन नियु: नहीं कर सक=गे। हालांकि, भारत म= अथवा विदेश के किसी भी संस्थान म= नियमित नियु: को छोड़कर मानदेय अथवा अन्य किसी कार क आथक सहायता पर अययेतावृि अथवा शोध छाM वृि नहण करने अथवा किसी तदथ शिओण और शोध काय करने के लिए अनुमित दी जा सकती है। परंतु, यदि यह बहोत अपेित हो, तो

उनके मुख्य कार्यालय क कायकारणी प?रषद इस संबंध म= ाप रसीद के संदभ म= शिओण आद के स्थान पर कम किए गए वेतन और भरे पर अययन अवकाश क मंजूरी दी जा सकती है, जैसा कि उनके नियो:ा द्वारा निधारित किया जाए।

iii. अययन अवकाश शारीरक शिओा और खेलकुद डीपीई एवं

एस (वि%वि&ालय/महावि&ालय सह ायपापक अथवा ायपापक6 को छोड़कर, जो अययन अवकाश के योय हो) के सहायक

ायपापक/सहायक पुतकालयायय/ सहायक िनदेशक के Cप म= वेश-
5तर पर िनयु: को वि%वि&ालय/ महावि&ालय/ संथान म= नूयतम तीन
वष क िनरंतर सेवा दान करने पर उनके काय से सीधे संबिधत विशेष
अययन अथवा शोध काय करने अथवा काय क पूण योजना तुत करते हए
वि%वि&ालय संगठन6 क विभन पहलुओं और शिOा क पवित के अययन के
लिए दान िकिया जा सकता है।

iv. अययन अवकाश संबिधत विभाग के अययO क संतुति पर
कायका?रणी प?रषद ारा दान िकिया जाता है। यह अवकाश एक
साथ तीन वष से अधिक अविध के लिए नह दिदया जाएगा, पर िकसी

विशेष िथित म=, िजससे कायका?रणी प?रषद को यह संतुति
होती है िक ऐसे अवकाश का वि5तार शैOणिक ित से
अप?रहाय है और वि%वि&ालय/महावि&ालय/संथान के
हित म= आवस्यक है, तो इससे बचा जा सकता है।

v. अययन अवकाश ऐसे शिOक नह दिदया जाएगा जो अवकाश
समाU होने के बाद काय म= वापस लौटने क ियाशित ितिथ से
पाँच वष के अंदर सेवानिवृ होने वाले है।

vi. अययन अवकाश िकसी शिOक के कायकाल के दौरान दोबार
से अधिक नह दिदया सकता है। हालांकि, िकसी भी प?रिथित
म= 5वीकाय अययन अवकाश क अधिकतम अविध पूरे कायकाल
म= पाँच वष से अधिक नह होगी।

vii. अययन अवकाश एकबार से अधिक दान िकिया जा सकता है,
वशत िक िकसी शिOक को दिदये गए अययन अवकाश क
पूव अविध समाU होने के बाद काय पर वापस लौटने क ितिथ से
लेकर पाँच वष से कम नह िबताई है और संबिधत शिOक पूव
अवकाश क अविध के दौरान िकए गए काय को तुत कर=गे और
5तावित अययन अवकाश क अविध म= िकए जाने वाले काय का
विवरण भी द=गे।

viii. िजन शिOक6 को अययन अवकाश दान िकिया गया है,
उह= अययन पाठ्यम अथवा शोध कायम कायका?रणी प?रषद
क अनुमित के िबना काफ हद तक बदलने क अनुमित नह दी
जाएगी। 5वीकृत अययन अवकाश क अविध से अययन पाठ्यम
के कायम कम पड़ जाने क िथित म= शिOक अययन पाठ्यम
क समािU पर काय नहण कर=गे, नह तो कायका?रणी प?रषद के
पूव अनुमोदन को िगरावट क अविध को असाधारण अवकाश के Cप
म= माना जाता है।

ix. काय से अवकाश पर अधिकतम अविध के लिए अनुपिथत रहने
क िथित म=, जो िक तीन वष से अधिक न हो, अययन अवकाश
को अिजत अवकाश, अ वेतन अवकाश, अवकाश के असाधारण
अवकाश के साथ जोड़ा जा सकता है। इस शत के अधीन शिOक के
अवकाश खाते म= जमा अिजत अवकाश का शिOक के

विवेकानुसार लाभ उठाया जाएगा। जब अययन अवकाश किसी अवकाश क निरंतरता में लिया जाता है, तब अययन अवकाश क अविध को अवकाश समाप्त होने के तिथि से शुरु माना जाएगा। किसी शिष्टक यदि अययन अवकाश के दौरान किसी उच्च पद के लिए चयनित होते हैं, तो उन्हें उस पद में रखा जाएगा और उन्हें पदभार निहण करने के बाद ही केवल उच्च वेतनवार प्राप्त होंगे।

x. अययन अवकाश क अविध को सेवा निवृत्ति लाभ (पension/अंशदायी भित्तय निधि) के उत्प्रेषण से सेवा के उत्प्रेषण में गिना जाएगा, वशतः कि उनके अययन अवकाश समाप्त होने के बाद विधिवत/महाविधिवत/संस्थान में पुनः कार्यभार निहण करते हैं और वे उस अविध के लिए सेवा दान करेंगे जिसके लिए अनुबंध किया गया था।

xi. अययन अवकाश क मंजूरी होने के बाद 12 महीने तक यु: नहण करने के स्थिति में अययन अवकाश को रद्द माना जाएगा, परंतु, जहां अययन अवकाश रद्द किया गया है, वहाँ शिष्टक पुनः ऐसे अवकाश के लिए आवेदन कर सकते हैं।

xii. अययन अवकाश प्राप्त करने वाले शिष्टक यह वचन देंगे कि वे अययन अवकाश समाप्त होने के बाद कार्य निहण करने के तिथि से कम-से-कम तीन वर्षों के अविध के लिए विधिवत/महाविधिवत/संस्थान में निरंतर सेवा दान करेंगे।

xiii. एक शिष्टक –

क) जो शिष्टक उनको दान किए गए अययन अवकाश क अविध के दौरान अपना अययन पूरा करने में असमर्थ है, अथवा

ख) जो शिष्टक अपने अययन अवकाश समाप्त होने के बाद विधिवत/महाविधिवत/संस्थान में पुनः कार्य निहण करने में विफल होता है, अथवा

ग) जो शिष्टक विधिवत/महाविधिवत/संस्थान में तो कार्य निहण करता है किंतु सेवा में पुनः कार्य निहण करने के बाद

निर्धारित अविध को पूरा किए बिना ही कार्यभार त्याग करते हैं, अथवा

घ) जिसको विधिवत/महाविधिवत/संस्थान द्वारा उ: अविध के दौरान सेवा से बर्खास्त किया जाता है अथवा हटाया जाता है,

विधिवत/महाविधिवत/संस्थान को उनके अययन पाठ्यक्रम के संबंध में उनको अथवा उनके वांछित

भुगतान किए गए अवकाश वेतन और भत्ते और उस शिष्टक पर

होए अत्यय राशि को वापस करने के लिए उत्तरदायी होंगे।

प्रयोग:

यदि कोई शिष्टक अययन अवकाश क समय सीमा बढ़ाने का मांग करता है और उसे विधित समय संतुष्ट नहण किया जाता

है, किन्तु जो िशोक मूल ाप से संतुत अवकाश समाप्त होने के बाद पुनः कायगहन नह करता है, तब इन िदशािनद}श6 के तहत देय रािश वापस ाप करने के उेस से उह=

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

13

उनके अवकाश समाप्त होने के बाद कायगहन करने के िलए विफल माना जाएगा।

उपरोक्त के होते हए भी, कायका?रणी प?रषद यह आदेश दे सकती है कि ये िदशा-िनद}श उस िशोक पर लागू नह हगे, िजह= अययन अवकाश से लौटकर काय गहन करने के बाद तीन वष के अंदर िचिक1सा के आधार पर सेवािनवृ होने क अनुमित दी जाती है, परंतु आगे यह भी है कि कायका?रणी प?रषद किसी भी विशेष िधित म= अभिलेखित किए जाने वाले कारण6 के िलए इन िदशा-िनद}श6 के तहत िशोक ;ारा वापस क जानेवाली रािश को मु: अथवा कम कर सकती है। xiv. अवकाश संतुत होने के बाद िशोक को अवकाश िलए जाने से पहले वि%वि&ालय/महावि&ालय/संथान के नाम पर एक बंधपM का पालन करना होगा, िजसम= वे उपरोक्त पैरा सं. 11 म= उरलेखित शतक को उनके ;ारा विधिवत पूरा करने के िलए बाय्य हगे और विर अधिकारी क संतुित हेतु उनके अचल संपत्तय6 क सुरोा दान कर=गे अथवा उपरोक्त पैरा सं. 11 के अनुसार वि%वि&ाल/महावि&ालय/संथान को वापस किए जानेवाली रािश के िलए किसी बीमा कंपनी अथवा किसी अनुसूचित बmक ;ारा दी गई ितभूित अथवा दो थायी िशोक6 क सुरोा दान करनी होगी।

xv. अययन अवकाश म= रहने वाले िशोक6 को उनके मुहय वि%वि&ालय/महावि&ालय/ संथान के कुलसिचव/ाचाय को 1येक छःमाह म= उनके पयवेक/संथान के अययो से ाप उनके अययन क गित ?रपोट 5तुत करना होगा। यह ?रपोट अययन अवकाश के 1येक छमाही समाप्त होने के बाद एक महीने के अंदर कुलसिचव/ाचाय को 5तुत करना होगा।

xvi. अययन अवकाश म= रहने वाले िशोक उनके अययन अवकाश अविध समाप्त होने के बाद एक वि5तृत ?रपोट 5तुत कर=गे। अययन अवकाश अविध के दौरान 5तुत किए गए शोध द5तावेज़/पाडुिलिप/शैणिक ापM क एक ित सावजनिक डोमेन पर, खास तौर पर वि%वि&ालय/महावि&ालय/संथान के वेबसाइट पर 5तुत करना होगा,

xvii. संकाय सदस्य6 को विशेषतः सहायक ाययापक पद के किनप संकाय6 के ान और कौशल को बढ़ाने क िदशा म= वि%वि&ालय6/महावि&ालय6/संथान6 और उसके अधीन विभाग6 के अययो को संकाय सदस्य6 के िहत म= उदार बनकर अययन अवकाश दान कर= ताकि वि%वि&ालय6/

महाविद्यालय/संस्थान के शैक्षणिक मानकों को दीघकालीन रूप से भावित कर=।

- अययन अवकाश 11. i. विद्यालय के पूणकालीन स्थायी शिक्षकों को, जिन्होंने छः वर्ष के सेवा पूरी किया है, अपनी दस्ता और विद्यालय के लिए उपयोगिता बढ़ाने के उद्देश्य से अययन अथवा शोध अथवा अन्य शैक्षणिक गतिविधियां शुरू करने के लिए अययन अवकाश दिया जा सकता है। यह अवकाश उन शिक्षकों को नहीं दिया जा सकता जिसके पास सेवानिवृत्त होने के लिए तीन वर्ष से कम सेवाविध शेष है।
- ii. अवकाश के अविध एक वर्ष से अधिक नहीं होगी और पुनः छः वर्ष के निरंतर सेवा पूरी करने के बाद ही केवल ऐसे अवकाश के योग्य होंगे।
- iii. शिक्षकों को अययन अवकाश के मामले में एक ऐसे अनुबंध का उचित नियमता के साथ पालन करना होगा कि अययन अवकाश समाप्त होने के बाद वे विद्यालय के कार्य में वापस लौटेंगे और उसके बाद कम से कम तीन वर्ष तक सेवा दान करेंगे और ऐसा करने में विफल होने पर वे अवकाश वेतन, भरे और उनके ऊपर किए गए भ्रष्टाचार अथवा उनके नाम से हुए अन्य किसी भ्रष्टाचार अथवा कार्याचरण पर पद; द्वारा समय समय पर निधांतर ऐसी राशि वापस करेंगे। परंतु, कार्याचरण पर पद अभिलिखित किए जाने वाले कारण के लिए इस अध्यादेश के अंदर किसी शिक्षक द्वारा वापस किए जाने वाली राशि को मु: कर सकती है अथवा कम कर सकती है।
- iv. अययन अवकाश के अविध के दौरान किसी शिक्षक को उनके अययन अवकाश के तुरंत पहले लागू दर पर पूण वेतन और भरे (निधांतर शतक को पूरा किए जाने के स्थिति में) का भुगतान किया जाएगा। जबकि, विद्यालय उस पद पर भर्त अथवा अतिर: भ्रष्टाचार लगाकर अन्य वैकिरपक भ्रष्टाचार नहीं करेगा।
- v. अययन अवकाश में रहनेवाले कोई शिक्षक उस अवकाश अविध के दौरान भारत और विदेश के कोई अन्य संस्थान में किसी कारण के नियमित नियुक्ति: नहीं ले सक=ेंगे, जबकि, उच्च अययन के किसी संस्थान में नियमित रोजगार को छोड़कर मानदेय अथवा सहायता के अन्य किसी रूप में अययतावृत्ति अथवा किसी शोध छात्रवृत्ति अथवा तदर्थ शिक्षण और शोध कार्य स्वीकार करने के अनुमित दी जाएगी, इस शत के अधीन ऐसे मामलों में यदि यह ऐसा अधिक वांछित है, तो कार्याचरण पर पद कम वेतन और भरे पर संतुष्टि से सकती है।
- vi. अययन अवकाश के दौरान शिक्षकों को नियत तिथि में वेतनवृत्ति आहरण करने के लिए अनुमित दी जाएगी। अवकाश के अविध को प=शन/अंशदायी भिवतय निधि के उद्देश्य से सेवा के रूप में भी गिना जाएगा, इस शत के अधीन शिक्षक उनके अवकाश समाप्त होने के बाद विद्यालय में पुनः कार्यग्रहण करेंगे। अवकाश से वापसी पर शिक्षक अवकाश अविध के दौरान किए गए उनके

अध्ययन, शोध और अन्य कार्य क कृति पर विभाग के अध्यक्ष को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। वे विभाग के अध्यक्ष द्वारा विशेषतः उसी उद्देश्य से आयोजित विभागीय स्तर के सेमिनार में अपने कार्य का एक विवरण भी प्रस्तुत करेगा।

मातृत्व अवकाश 12. i. एक महिला शिशु को दो से कम जीवित बच्चों के लिए अधिकतम 180 दिनों का अवकाश दे दिया जा सकता है और जिसका लाभ वे उनके पूरे कार्यकाल में दो बार उठा सकती है।

मातृत्व अवकाश गभपात सहित अकाल सव के मामले में भी इस शर्त पर दे दिया जा सकता है कि आवेदन किए गए ऐसे अवकाश कुल मिलाकर 45 दिनों से अधिक नहीं हो और अवकाश के लिए आवेदन किसी चिकित्सा माणपद द्वारा समर्थित हो।

ii. मातृत्व अवकाश अर्जित अवकाश, अवैतन अवकाश अथवा असाधारण अवकाश के साथ जोड़ा जा सकता है, किंतु मातृत्व अवकाश के साथ लगातार किसी अन्य अवकाश के लिए दिए गए आवेदन पर तभी संयुक्तित्व दे दिया जा सकता है जब उस निवेदन किसी चिकित्सा माणपद द्वारा समर्थित हो।

पितृत्व अवकाश 13. i. किसी पुरुष शिशु को उनके पत्नी के सूचित के दौरान 15 दिनों के पितृत्व अवकाश दे दिया जा सकता है, इस शर्त के अधीन यह अवकाश दो बच्चों तक सीमित होगा।

ii. दस तक निवृत्त अवकाश के K सरकार के नियम के अनुसार दे दिया जा सकता है।

शिशु देखभाल 14. छोटे बच्चों वाली महिला शिशु को उनके शिशुओं के देखभाल करने के लिए दो वर्षों तक अवकाश दे दिया जा सकता है। महिला शिशु को उनके पूरे कार्यकाल में के K सरकार के महिला कमचार्य के तरह

अधिकतम दो वर्षों (730 दिनों) के शिशु देखभाल अवकाश दे दिया जा सकता है। शिशु देखभाल अवकाश का अवधि 45 दिनों से अधिक होने के स्थिति में विभाग के अध्यक्ष को सूचित करते हुए किसी अंशकालीन/अतिथि विवरण शिशु को नियुक्त कर सकता है।

अवकाश 15. i. अनुसंधान विभाग में नियुक्त शिशु को छोड़कर सभी शिशु अवकाश के हकदार होंगे। यह अवकाश आकस्मिक अवकाश और विशेष आकस्मिक अवकाश को छोड़कर किसी कारण से अवकाश के साथ जोड़कर लिया जा सकता है, इस शर्त के अधीन अवकाश के साथ अवकाश के पहले और बाद में दोनों तरफ से जोड़ा नहीं जाएगा।

ii. विशेष परिस्थिति को छोड़कर एक साथ लिए गए अवकाश और अर्जित अवकाश को किसी शैक्षणिक वर्ष में छः महीने से अधिक बढ़ाया नहीं जाएगा।

iii. अवकाश के दो अवधियों के बीच जब छुट्टी पड़ती है और जिसके परिणामस्वरूप पूरे अवधि के दौरान कार्य से निरंतर अनुपस्थिति होती है तो ऐसी अवकाश को अवकाश के भाग के रूप में माना जाएगा।

iv. अवकाश का अवधि के दौरान शिशु ड्यूटी में रहते समय आरुणिक जाने वाले वेतन के तरह एक जैसे वेतन आरुणिक करने के लिए हकदार

होगे। य&पि, यदि किसी शिओक को इ5तीफा देने के लिए सूचना दी जाती है और ऐसी सूचना क अविध अवकाश के दौरान अथवा उसके अंतिम दिन से एक महीने के अंदर समाU होती है तो, वे अपने वेतन के केवल आधे वेतन ाU करने के लिए हकदार हगे।

ख. पारवीBा आधारत शिBक

16. किसी मौलिक रि:य6 पर प?रवीOाधीन के Cप म= प?रवीOा के लिए निधा?रत नियम और शतc के साथ नियु: शिओक6 को प?रवीOा अविध के दौरान 5थायी शिओक6 के लिए 5वीकाय अवकाश दान किया जाएगा।

ग. अMथायी शिBक

17. अ5थायी शिओक के Cप म= नियु: किसी शिओक को निनिलिखत शतc पर 5थायी शिओक6 के लिए 5वीकाय अवकाश के अनुCप अवकाश दान किया जाएगा:

i. अ5थायी शिओक6 को तबतक किसी कार के अ_v वेतन अवकाश नह_f दिया जाएगा जबतक अवकाश मंजूर करनेवाले अधिकार6 को यह वि%ास नह_f होता है कि ऐसे अवकाश क समाU होने के बाद शिओक अपने काय पर वापस लौट=गे।

¹Hkkx IIIμ[k.M 4^o

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

15

ii. अ5थायी शिओक अ_v वेतन अवकाश के किसी भी अंश को बदलने के लिए हकदार नह_f हगे। iii. अ5थायी शिओक के मामले म= किसी भी अवसर पर लिए गए असाधारण अवकाश क अविध निनिलिखत सीमा से अधिक नह_f होगी :

क) एक समय म= तीन माह;

ख) छ: माह, जहां एक शिओक ने तीन वर्ष के सतत सेवा पूरी कर लिया है और अवकाश के आवेदन किसी चिक₁सा माणपM ारा समिथत होता है;

ग) अठारह महीने, जब एक शिओक के टीबी, कक रोग अथवा कु_p रोग क चिक₁सा चल रहा है; घ) i. उन मामल6 म= चौबीस दिन, जहां वि%वि&ालय के िहत म= होना माणित होने पर अYयन के लिए अवकाश क आवsयकता हो, बशत_□ कि। वह शिओक ने असाधारण

अवकाश के ारभ क ितिथ को तीन वर्ष क सतत सेवा पूरी कर ली हो। कुछ मामल6 म= जहां यह शत नह_f होती है, वहाँ उनको देय और आवेदन किए गए किसी अ<य कार के अवकाश (उपरो: (क) के तहत तीन महीने के असाधारण अवकाश सहित) के Cपा<तरण म=, यदि वह शिओक ने ऐसे अवकाश के समाU होने क ितिथ को तीन वर्ष क सतत सेवा पूरी करते हैं, तो उनको असाधारण अवकाश क मंजूरी दी जा सकती है। ii. जब कभी किसी

अ5थायी शिओक उनको दान किए गए असाधारण अवकाश क अधिकतम अविध के समाU होने के बाद पुन: कायभार Nहण करने म= विफल होता है अथवा जब

कभी एक िशोक, िजह= कम से कम अवकाश दान िक्या जाता है, और कत9य6 से उनक अनुपि5थित क अविध उपरो: (क) के तहत ऐसे अवकाश दान िकिए जा सकने वाली अविध समाU हो जाती है, यह माना जायेगा िक िशोक ने 1यागपM दे िदिया है। कायका?रणी प?रषद असाधारण प?रि5थित के मामल6 को देखते होए िवपरीत िनणय ले सकती है और उ: िशोक क सेवा ले सकती है।

iii. अ5थायी िशोक अजनशोYय अवकाश, अYययन अवकाश और अYययन िव□ाम

अवकाश जैसे अवकाश के अधिकृत नहf ह6गे।

iv. एक अ5थायी िशोक को केवल इस शत पर शीतकालीन अवकाश के भुगतान के िलिए

हकदार माना जाएगा, यदि उह6ने शैOणिंक वर्ष ारभ होने क ितिथ से लेकर दो महीन6 के अंदर काय Nहण िक्या है और कायNहण क ितिथ से सM के अंतिम काय िदिवस तक िनरंतर और संतोषपूर्वक ढंग से काय िक्या है।

v. अ5थायी िशोक6 को अवकाश के दौरान वेतन का भुगतान िक्या जा सकता है, यदि उनक िनयुि: अगले सेमे5टर के कुछ िह5से अथवा पूरे सेमे5टर के िलिए जारी रहती है और िशोक6 ने ारभ के िदन को ही कायNहण िक्या है और अवकाश से पहले अंतिम काय िदिवस तक भी सेवा दान क है।

घ. अनुबंध आधारत िशBक

18. अनुबंध के आधार पर िनयु: िशोक6 को अनुबंध के शतc के अनुसार अवकाश दान िक्या जाएगा

ड. मानद एवं अंशकालिक िशBक

19. िव%िव&ालय के मानद और अंशकालिक िशोक िव%िव&ालय के पूणकालिक अ5थायी िशोक6 के िलिए लागू एक जैसे शतc के आधार पर अवकाश के िलिए हकदार ह6गे।

च. सामाXय

अवकाश कैसे 20. i. अवकाश केवल कत9य6 के ारा ही अिजत िक्या जाता है। िविदेश सेवा म= िबताई गई अविध के दौरान अिज3त यदि अवकाश वेतन के िलिए अंशदान का भुगतान िक्या जाता है तो, उस अविध को ड्यूटी के Cप म= िक्या जाता है िगना जाता है। ii. क. अवकाश6 को

अधिकार के Cप म= दावा नहf िक्या जा सकता है। िकसी भी कार के अवकाश6 को सOम अधिकारी ारा िबना िकसी कारण दशाये तभी अ5वीकार अथवा रोक जा सकता है, जब यदि ऐसी कारवाई िव%िव&ालय के िहत म= होती है।

ख. जब सOम अधिकारी ारा िकसी िशोक को सेवा से खा?रज िकिए जाने, हटाये जाने अथवा

अिनवाय Cप से सेवािनवृ किए जाने का िनणय िलया जाता है और जब वे िनलंिबत रहते है, तो संबिंधत िशोक को िकसी कार का अवकाश नहं िदया जाएगा।

अवकाश के िलिए iii.अवकाश के िलिए हमेशा अिनम Cप से आवेदन िकिया जाना चाहिए और आपातकालीन और आवेदन संतोषजनक कारण के मामल को छोड़कर अवकाश पर जाने से पहले सोम अधिकारी क संतुति

ाउ करनी चाहिए।

अवकाश क समािY iv.अवकाश म रहनेवाले िकसी िशोक उनको दी गई अवकाश अविध के समाउ होने से पहले काय पर से पहले वापस नहं आ सकते हम, जब तक अवकाश मंजूरी अधिकारी ;ारा उहं ऐसा करने के िलिए अनुमित पुनः काय35हण नहं दी जाती है। करना

िचिकQसा आधारत v. िशोक जो िचिक1सा के आधार पर अवकाश के िलिए आवेदनकरता है, वे उनेक आवेदनके साथ अवकाश िव%िव&ालय के िचिक1सा अधिकारी अथवा जहां ऐसे िचिक1सा अधिकारी िनयुः नहं िकिया गया

है, वहाँ िकसी ाधिकृत िचिक1सक ;ारा जारी समिथत माणपM संलन करगे।

हालांिक, अवकाश मंजूर करनेवाले सोम अधिकारी को एक िचिक1सा बोड के समO तुत करने के िलिए आवेदनकारी को आवस्यकता हो सकती है। िकसी िचिक1सा अधिकारी अथवा बोड ;ारा िकसी िशोक को आगे क सेवा दान करने के िलिए 5थायी Cप से असमथ होने के िलिए दी गई 5प ितिथ के बाद िचिक1सा माणपM के आधार पर िशोक को अवकाश दान अथवा अवकाश का िव5तार नहं िकिया जाएगा।

िचिकQसा आधारत vi.कोई भी िशोक,िजहं िचिक1सा माणपM के आधार पर अवकाश (आकि5मक अवकाश को

अवकाश छोड़कर) दान िकिया गया है, 5व5थता माणपM तुत किए िबना काय पर वापस लौटने क अनुमित के बाद पुनः नहं दी जाएगी। काय35हण

अवकाश के दौरान vii.अवकाश म रहनेवाले िशोक िव%िव&ालय क िलिखत अनुमित के िबना िकसी भी 9यापार अथवा रोजगार कारोबार म, िजसम वेतन अथवा मानदेय जुड़ा होआ है, 1यO अथवा परोO Cप से िनयुः नहं हगे

परंतु यह िनषेध िव%िव&ालय अथवा लोक सेवा आयोग, िशोा बोड अथवा स□श िनकाय6/सं5थान6

क परीOा से संबिंधत काय अथवा साहि1यक काय अथवा काशन, अथवा रेडियो अथवा

ग्राम्यायान दान अथवा कुलपित क अनुमित से अथवा किसी शैक्षणिक कार्य करने के लिए
लागू नहीं
होगा।

अवकाश के दौरान किसी भी व्यवसाय स्वीकार करने हेतु अनुमित दान किए जाने वाले
शिक्षक को
कुछ संबंध के शत के आधार पर अवकाश वेतन दिया जाएगा, जैसा कि कार्यकारीणी
परिषद् द्वारा

निर्धारित किया जाए।

अवकाश के बिना viii. जो शिक्षक अवकाश के बिना अनुपस्थित रहता है अथवा उनको दिये
गए अवकाश समाप्त होने के बाद
अनुपस्थित या भी अनुपस्थित रहता है, तो वे अनुपस्थित क ऐसी अवधि के दौरान किसी
कार के अवकाश भरे
अवकाश के अथवा वेतन के लिए हकदार नहीं होंगे। ऐसी अवधि को उनके अवकाश
खाते से हटाया जाएगा। कार्य
अवकाश के दौरान से इच्छापूर्वक अनुपस्थित को कदाचार के रूप में माना जाएगा।
अवकाश के दौरान ix. यदि वेतन वृद्धि की तिथि आकिष्मक अवकाश, विशेष आकिष्मक
अवकाश, कार्य अवकाश
वेतन वृद्धि अथवा अध्ययन विराम अवकाश को छोड़कर किसी अन्य अवकाश
के दौरान पड़ता है, तो उन
मामलों को छोड़कर, जहां वेतनवृद्धि के लिए अवकाश को नहीं गिना जाता है, शिक्षक क
वेतन वृद्धि
क सामान्य तिथि पर तत्काल भाव डाले बिना शिक्षक द्वारा कार्य निष्पन्न करने की तिथि से
वेतन वृद्धि

दान क जाएगी।

अवकाश वर्ष x. इस अध्यादेश के उद्देश्य से जब तक अथवा निर्धारित नहीं किया
जाता है, "वर्ष" शब्द का अर्थ
शैक्षणिक समारंभ होने से लेकर शैक्षणिक सम के अंत तक चलनेवाला एक शैक्षणिक
वर्ष होगा।

अवकाश संमत 21. i. विभाग के अध्यक्ष को इस अध्यादेश के प्रासंगिक धारा में निर्धारित
सीमाओं के अंदर शिक्षक को
करने का अधिकार आकिष्मक अवकाश और विशेष आकिष्मक अवकाश क मंजूरी दान
करने का अधिकार होगा।

राज्य अधिकारी ii. विभागीय के डीन को इस अध्यादेश के प्रासंगिक धाराओं में
निर्धारित सीमाओं के अंदर रहकर
विभाग के अध्यक्ष और भाग्य को आकिष्मक अवकाश और विशेष आकिष्मक अवकाश
क

मंजूरी देने का अधिकार होगा।

iii. कुलपित को इस अध्यादेश के तहत स्वीकार के अनुसार डीन को
आकिष्मक अवकाश और विशेष

ितित्थ तक देय होगा। यदि कुलपित उनक अधिविषता के बाद अथवा कायकाल के दौरान सेवािनवृत् होने पर भी काय करते रहे और यदि वे पहले ही सेवािनवृत् होए हm अथवा उनके कायकाल के दौरान होए सेवािनवृत् क ितिथ से 5वीकाय के अनुसार पदभार नहण करने क ितिथ से अंशदायी भिवदय िनिध- उपदान योजना म= शािमल होने के िलिए वे हकदार ह6गे।

5.i. कुलपित को एक कैलंडर वष म= 30 िदन के िहसाब से पूण वेतन पर अवकाश दान िक्या जाएगा। अवकाश6 को उनके अवकाश खाते म= अिनम CP से 15 िदन के दो अधवािषक िकसत6 म= 1येक वष जनवरी के पहले िदन को और जुलाई के पहले िदन को जमा िक्या जाएगा, परंतु, यदि कुलपित अवष के दौरान कुलपित के कायभार नहण/याग करते हm तो सेवा के 1येक माह पूरे होने पर 21/2 िदन के दर के अनुपात पर अवकाश जमा िकिए जाएंगे।

ii. िपछले अव वष क समािU म= जमा िकिए गए अवकाश6 को नए अव वष म= इस शत पर अनेनीत िक्या जाएगा िक अनेनीत िकिए गए अवकाश समय समय पर भारत सरकार, ारा िनधा?रत अधिकतम सीमा को पार नहफ करे।

iii. कुलपित अपने कायभार समाU िकिए जाने पर कायभार याग करते समय भारत सरकार, ारा समय समय पर िनधा?रत िकिए अनुसार अधिकतम िदन क संख्या के शत के आधार पर पूण वेतन पर देय अवकाश हेतु 5वीकाय अवकाश वेतन के समतुल्य रािश ाU करने के िलिए हकदार ह6गे।

iv. कुलपित 1येक सेवा वष पूरे होने पर 20 िदन क दर से अव वेतन अवकाश के िलिए भी हकदार ह6गे। इस अव वेतन अवकाश का लाभ केवल िचिक1 सा माणपM के आधार पर पूण वेतन पर प?रणत अवकाश के CP म= ही उठाया जा सकता है। जब प?रणत अवकाश िलया जाता जाता है, तो देय अव वेतन अवकाश से अव वेतन अवकाश के दुगुना अवकाश डेिबिट िकिए जाएंगे।

v. कुलपित िचिक1 सा के आधार पर पाँच वष6 के पूण कायकाल के दौरान अधिकतम तीन महीने क अविध के िलिए वेतन रिहत असाधारण अवकाश ाU करने के िलिए भी हकदार ह6गे।

6. कुलपित को िकसी आधका?रक दौरे के दौरान िनयमानुसार हकदारी यामा भर/महंगाई भर के अित?र: उनके, ारा िकिए गए वाऽतिवक 9यय क ितपूित क जाएगी।

7. इसके अलावा, कुलपित के साथ जाने वाले कमचारी के हकदारी के अनुसार आवास उपलब्ध नहफ होने क िऽथित म= कुलपित उह= आवास एवं अय सुविधा दान कर सकते हm, िजसे उह= ितपूित क जाएगी और कमचा?रय6 को केवल एक चौथाई महंगाई भर िदये जाएंगे।

8. कुलपित के अधका?रक आवास म= आवंिटत अय कमचारी के अित?र: कुलपित एक िनजी अदल रखने के िलिए अधिकृत ह6गे।

9. कुलपित अय िव%िव&ालय के अय कमचा?रय6 के िलिए 5वीकाय अय सभी लाभ जैसे, िचिक1 सालय उपिऽथित और अवकाश यामा ?रयायत ाU करने के िलिए हकदार ह6गे।

10. कुलपित कुलपित के CP म= उनके िनयुि: और अपना कायभार याग करने के बाद यामा भर ाU करने के िलिए अधिकृत ह6गे।

ओबी-6

कुलसिचव क सेवा के
िनयम एवं शतJ पर

[िसिकम िव%िव&ालय अधिनयम 2006 के धारा 6 के अधीन]

इस अयादेश को कुलसिचव, िसिकम िव%िव&ालय क सेवा के िनयम एवं शत6 पर आधा?रत अयादेश के नाम से जाना जाएगा।

1. i. कुलसिचव को विविधालय अनुदान आयोग/मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निधांतरत तथा विविधालय द्वारा समय-समय पर 5वीकृत के अनुसार मासिक वेतन और भत्ते का भुगतान किए जाएंगे।
- ii. थम कुलसिचव, जिन्हें विजिटर द्वारा केवल 3 वर्ष क कायाविध के लिए नियुक्त किया जाएगा, को छोड़कर कुलसिचव के पद क सभी नियुक्तियां विज्ञापन और साक्षात्कार के माध्यम 5 वर्ष क कायाविध के लिए होगी, जिसे समान शतक पर नवीकृत किया जा सकता है।
2. कुलसिचव के पद के लिए न्यूनतम योग्यता निम्नानुसार होगी :
 - क. किसी मायता विविधालय से किसी भी विषय में कम से कम 55% अंक के साथ मास्टर डिग्री अथवा इसके समकO
 - ख. किसी विविधालय में सहायक प्राध्यापक के रूप में कम से कम 15 वर्ष का अनुभव अथवा किसी समकO पद पर, जिसमें से शैक्षणिक शासन में अनुभव के साथ सह प्राध्यापक नेड पर कम से कम 8 वर्ष का अनुभव।

अथवा

उच्च शिक्षा के विभाग और अल्प संस्थान में तुलनायोग्य अनुभव।

अथवा

15 वर्ष के शासनिक अनुभव जिनमें से उपकुलसिचव के रूप में अथवा किसी समकO पद पर 8 वर्ष का अनुभव

टिप्पणी: में उल्लेखित 55% क न्यूनतम आवश्यकता को एससी/एसटी/ओबीसी विधायक अथवा विविधालय गाली में पहले से कायरत विधायक के लिए 5% कम क जाएगी।

3. कुलसिचव विविधालय द्वारा समय-समय पर विविधालय के कमचार्य के लिए निधांतरत किए अनुसार अवकाश, अवकाश-वेतन, भत्ते, भिवदय निधि और अल्प लाभ उठाने के लिए हकदार हगे।
4. विविधालय उनको असुखित निवासीय आवास दान करेगा जिसके लिए वे विविधालय द्वारा समय-समय पर निधांतरत दर पर किराए का भुगतान करगे।
5. इन अय्यादेश में निहित सब कुछ के होते हगे कुलसिचव को कुछ ऐसे नियम एवं

ओबी-7

विश्व अधिकारी क सेवा के

नियम एवं शत पर

[सिकिम विविधालय संविध, 2006 के धारा 7 के अधीन]

1. इस अय्यादेश को 'विश्व अधिकारी, सिकिम विविधालय क सेवा के नियम एवं शत पर आधांतरत अय्यादेश' के नाम से जाना जाएगा।

2. विश्व अधिकारी के पद के लिए न्यूनतम योग्यता निम्नानुसार होगी:

क. कम से कम 55% अंक के साथ मास्टर डिग्री अथवा यूजीसी के 7 सूची पैमाने में 'बी' के समकO नेड

ख. 7000 और उससे अधिक शैक्षणिक नेड वेतन में सहायक प्राध्यापक के रूप में कम से कम 15 वर्ष का अनुभव अथवा 8000 और उससे अधिक शैक्षणिक नेड वेतन में शैक्षणिक शासन के अनुभव सहित सह प्राध्यापक के रूप में 8 वर्ष क सेवा।

अथवा

शोध विभाग और/अथवा उच्च शिक्षा के अल्प संस्थान में तुलनायोग्य अनुभव।

अथवा

15 वर्ष का शासिनक अनुभव िजनम= से 8 वर्ष उप कुलसिचव के Cप म= अथवा िकसी समकO पद पर हगे।

िटTपणी: उपरो: (क) म= उRलेखित 55% क नूयतम आवsयकता को एससी/एसटी/ओबीसी ाथ□ अथवा िव%िव&ालय णाली म= पहले से

कायरत ाथिय6 के िलए 5% क छुट दी जाएगी।

3. i. िवर अधिकारी को िव%िव&ालय अनुदान आयोग/मानव संसाधन िवकास मंMालय, भारत सरकार ;ारा िनधा?रत और िव%िव&ालय ;ारा समय-समय

पर 5वीकृत के अनुसार मािसक वेतन और भरे का भुगतान िकया जाएगा।

ii. िवर अधिकारी िव%िव&ालय ;ारा िव%िव&ालय के कमचा?रय6 के िलए समय समय पर िनधा?रत िकए अनुसार अवकाश, वेतन, भरे, भिवदय िनिध और अय लाभ उठाने के िलए हकदार हगे।

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

19

परंतु, ितिनयुि: पर िवर अधिकारी के Cप म= िनयु: एक 9यि: समय-समय पर बनाए गए भारत सरकार िनयम6 म= उRलेखित के अनुसार सामाअ ितिनयुि: िनयम6 के तहत लाभ उठाने के िलए हकदार हगे।

iii िवर अधिकारी क िनयुि: िवzापन के माYयम से होगी और उसके िलए िननिलिखत नूयतम योयता क आवश्यकता होगी:

(क) एक ही वेतन 5केल म= िकसी भी केKीय लेखा सेवा के सद5य अथवा उसके अगली नीचेवाले Nेड म= 5 वर्ष क सेवा, अथवा

(ख) चाटड अकाउंट=ट के Cप म= 10 वर्ष का अनुभव रखनेवाले चाटड अकाउंट=ट।

4. िव%िव&ालय उअह= असुिखजत आवासीय िनवास दान करेगा िजसके िलए वे िव%िव&ालय ;ारा समय-समय पर िनधा?रत दर पर िकराए का भुगतान करगे।

5. िवर अधिकारी कुलपित के त1काल िनदशन म= अपनी शि:ओं का योग और कत9य6 का िनवहन करगे।

ओबी-8

परीBा िनयं=क क> सेवा

के िनयम एवं शतJ पर

[िसिकम िव%िव&ालय संिविध, 2006 के धारा 8 के अधीन]

1. इस अYयादेश को परीOा िनयंMक, िसिकम िव%िव&ालय क सेवा के िनयम एवं शतc पर अYयादेश के नाम से जाना जाएगा:

2. i. परीOा िनयंMक को यूजीसी/एमएचआरडी, भारत सरकार ;ारा िनधा?रत और िव%िव&ालय ;ारा समय-समय पर 5वीकृत के अनुसार मािसक वेतन और

भरे का भुगतान िकया जाएगा।

ii. परीOा िनयंMक िव%िव&ालय ;ारा िव%िव&ालय के कमचा?रय6 के िलए समय समय पर िनधा?रत िकए अनुसार अवकाश, अवकाश वेतन, भरे, भिवदय िनिध तथा अय लाभ उठाने के िलए अधिकृत हगे।

iii. िव%िव&ालय उअह= असुिखजत आवासीय िनवास दान करेगा िजसके िलए वे सामाअ दर पर िकराए का भुगतान करगे।

iv. परीOा िनयंMक क िनयुि: िवzापन और चयन के माYयम से 5 वर्ष के कायकाल के िलए होगी, िजसे समान शतc पर नवीकृत िकया जा सकता है। नूयतम योयता िननानुसार पढ़ी जाने

चाहिए :

a. 55% अंक अथवा इसके समकO Nेड के साथ मा5टर िडNी ।

b. विविध विभाग अथवा 5नातकोर महाविभाग म= सहायक ायपाक के Cप कम से कम 15 वर्ष का अनुभव िजसम= से 8 वर्ष शैिक शासन के अनुभव के साथ साथ सह ायपाक के Nेड म= हगे।

अथवा

शोध ितपान अथवा उच्च िशOा संथान6 म= तुलनायोय अनुभव।

अथवा

15 वर्ष का शासनिक अनुभव िजनम= से 8 वर्ष उप कुलसिचव के Cप म= अथवा िकसी समकO पद पर हगे।

िटTपणी: उपरो: (क) म= उरलेखित 55% अंक क नूयतम आवस्यकता को एससी/एसटी/ओबीसी ाथिय6 अथवा विविध विभाग णाली म=

पहले कायरत ाथिय6 के िलए 5% छुट दी जाएगी।

3. अधिनयम, संविधिय6 और अयदेश के ावधान के तहत परीOा िनयंमक परीOा के आयोजन से संबिधत कतय6 तथा कायकारणी पःरषद ;ारा समय- समय पर उह= दान िकए जाने वाले ऐसे कतय6 और कायक का िनवहन करगे।

4. परीOा िनयंमक कुलपित के त1काल िनदशन म= अपनी शिय6 का योग तथा कतय6 का िनवहन करगे।

ओबी-9

पुतकालयायB क सेवा के
नियम एवं शत पर

[िसिकम विविध विभाग संविधिय6 के धारा 24 के अधीन]

1. इस अयदेश को 'पुतकालयायO, िसिकम विविध विभाग क सेवा के नियम एवं शत पर अयदेश' के Cप म= जाना जाएगा ।

2. i. पुतकालयायO को यूजीसी/एमएचआरडी ;ारा िनधाःरत और विविध विभाग ;ारा समय समय पर 5वीकृत के अनुसार मािसक वेतन और भरे का भुगतान िकया जाएगा।

ii. पुतकालयायO विविध विभाग ;ारा विविध विभाग के कमचाःरय के िलए समय- समय पर िनधाःरत िकए अनुसार अवकाश, अवकाश वेतन, भरे, भिवदय िनिध और अय लाभ उठाने के िलए हकदार हगे।

iii. विविध विभाग उह= असुिजत आवासीय िनवास दान करेगा िजसके िलए वे सामा य दर पर िकराए का भुगतान करगे।

3. अधिनयम, संविधिय6 और अयदेश के ावधान के तहत पुतकालयायO पुतकालय से संबिधत कतय6 का िनवहन तथा समय-समय पर कायकारणी पःरषद ;ारा उनको दान िकए जाने वाले कतय6 और कायक का िनदपादन करगे।

4. कुलपित के त1काल िनदशन म= पुतकालयायO अपनी शिय6 का योग तथा अपने कतय6 का िनवहन करगे।

5. विविध विभाग के पुतकालयायO क नूयतम योयताएं िननानुसार हगी :

i. पुतकालय विधान/सूचना विधान/लेखन म= कम से कम 55% अंक के साथ अथवा समकO Nेड म= मा5टर िडNी तथा िनरंतर अछे शैिणिक अभिलेख। एससी/एसटी/ओबीसी ाथिय6 के िलए 5% क छुट।

ii. िकसी विविध विभाग के पुतकालय म= उप पुतकालयायO के Cप म= कम से कम 13

वष और िकसी 5नातकोर महावि&ालय के पु5तकालय म= अनुभव।

18 वषc का

iii.

नवीन पु5तकालय सेवा तथा संगठन और/अथवा कािशत कायc का साय।

वांछनीय : पु5तकालय विवzान/सूचना विवzान/लेखन/अभिलेखागार और पाडुलिपि रखरखाव म= एमिफल/पीएचडी िडनी

ओबी-10

विव ालय के 5प ए से सी तक गैर-िशBण (सांविधिक पद को छोड़कर) कम3चारय के वेतनमान और भरे और सेवा शतJ पर िसिकम विव%वि&ालय संविधय6, 2006 के धारा 24 के अधीन]

- 1.यूजीसी/एमएचआरडी, भारत सरकार ;ारा िनधा?रत और विव%वि&ालय ;ारा समय समय पर 5वीकृत के अनुसार विव%वि&ालय के 5प ए से सी तक गैर- िशOण कमचा?रय6 (सांविधिक को छोड़कर) के वेतनमान, भरे और सेवा शत□ एक जैसे हगे।
- 2.ऐसे कमचा?रय6 क सेवानिवृि क ितिथ यूजीसी/एमएचआरडी, भारत सरकार ;ारा िनधा?रत और विव%वि&ालय ;ारा समय-समय पर 5वीकृत िके अनुसार जैसी होगी।
- 3.वे भारत सरकार/यूजीसी/विव%वि&ालय ;ारा समय-समय पर िनधा?रत िके जाने वाले भरे और अनुलिधय6 के िले हकदार हगे।
- 4.ऐसे पद6 के संबंध म= भत□ और पदो<नित नीति भारत सरकार ;ारा बनाई गई नीतिय6 और विव%वि&ालय दावरा समय-समय पर अपनाई गई नीतिय6 के अनुसार हगी।
- 5.कमचा?रय6 के इस वग क अ<य सेवाशत□ जैसे अवकाश, वेतन िनधारण, प?रवीOा अविध, सेवानिवृि लाभ आिद भारत सरकार ;ारा समय-समय पर िनधा?रत िके अनुसार हगी।
- 6.प?रवीOा अविध कायNहण क ितिथ से एक वष क अविध के िले होगी।

ओबी-11

उप पुMतकालयायB, सहायक पुMतकालयायB, उप कुलसिचव, सहायक कुलसिचव, भौतिक िशBा के िनदेशक, उप िनदेशक और भौतिक िशBा के सहायक िनदेशक के पद क> सीधी भतK के िले नूXयतम योLयताओं पर

[िसिकम विव%वि&ालय क संविधय6, 2006 के धारा 24 के अधीन]

- विव ालय के उप 1. नू<यतम यो{यताएँ :
- पुMतकालयायB i.पु5तकालय विवzान/सूचना विवzान/लेखन म= कम से कम 50% अंक अथवा इसके समको Nेड के साथ मा5टर िडनी और िनरंतर अछी शैOणिक अभिलेख। एससी/एसटी/ओबीसी के ाथिय6 के िले 5% क छूट।
- ii.विव%वि&ालय सहायक पु5तकालयायO/महावि&ालय पु5तकालयायO के Cप म= पाँच वषc का अनुभव।

iii.नवीन पु5तकालय सेवाओं, कािशत काय, 9यावसायिक ितबता और पु5तकालय के कंयूटरीकरण के साय।

वांछनीय : पु5तकालय विवzान/सूचना

विज्ञान/लेखन/अभिलेखागार और पाठ्यलिपि रखरखाव,

पुस्तकालय का कंप्यूटरीकरण पर एमिफ़ल/पीएचडी।

विवेकालय

2. न्यूनतम योग्यता :

सहायक

i. पीएचडी अथवा यूजीसी ; द्वारा इसी उद्देश्य से आयोजित राष्ट्रीय

स्तर के परीक्षा में उत्तीर्ण

पुस्तकालयायB/

ii. पुस्तकालय विज्ञान/सूचना विज्ञान/लेखन में मास्टर डिग्री

अथवा 55% अंक अथवा इसके समकO महाविद्यालय

नेड के साथ किसी समकO ग्राह्यसाक्षिक डिग्री।

एससी/एसटी/ओबीसी आर्थिक के लिए 5% कटौत। पुस्तकालयायB/

लेखन अधिकारी

उप कुलसिचव

3. न्यूनतम योग्यता :

i. कम से कम 55% अंक अथवा उसके समकO नेड के साथ

मास्टर डिग्री। एससी/एसटी/ओबीसी

'Hkkx III μ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % v[k/kj.k

21

आर्थिक के लिए 5% कटौत।

ii. किसी विभाग/विद्यालय अथवा महाविद्यालय में शैक्षणिक शासन के अनुभव के साथ
किसी सहायक

आयुपाक के रूप में 8 वर्ष का अनुभव।

अथवा

शोध विभाग और/अथवा उच्च शिक्षा के अग्र्य संस्थान में तुलनायोग्य
अनुभव।

अथवा

सहायक आयुपाक के रूप में अथवा किसी समकO पद पर 8 वर्ष के शासनिक
अनुभव।

सहायक कुलसिचव

4. न्यूनतम योग्यता :

अच्छी शैक्षणिक रिकॉर्ड के साथ-साथ कम से कम 50% अंक अथवा इसके समकO नेड
के साथ मास्टर

डिग्री। एससी/एसटी/ओबीसी आर्थिक के लिए 5% कटौत।

शारीरिक शिक्षा और 5. न्यूनतम योग्यता :

खेल के विवेकालय

i. शारीरिक शिक्षा में मास्टर डिग्री (दो वर्ष पाठ्यक्रम) अथवा खेल

में मास्टर डिग्री अथवा कम से कम

सहायक निदेशक और

55% अंक अथवा इसके समकO नेड के साथ किसी समकO डिग्री

के साथ अच्छे शैक्षणिक

शारीरिक शिक्षा के

अभिलेख। एससी/एसटी/ओबीसी आर्थिक के लिए 5% कटौत।

महाविद्यालय निदेशक

ii. अतिविभाग/अंतर महाविद्यालयित योगिता अथवा

राज्य/राष्ट्रीय योगिता में विभाग/

(सहायक आयुपाक

महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करना।

के वेतनमान)

iii. शारीरिक स्तरीय परीक्षा में उत्तीर्ण।

iv. पीएचडी अथवा इसके उच्च से यूजीसी ; द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परीक्षा में
उत्तीर्ण माणपम

- शारीरिक शिक्षा के 6. न्यूनतम योग्यता :
- विविधालय i. विविधालय शारीरिक शिक्षा के सहायक निदेशक/
महाविद्यालय शारीरिक शिक्षा के निदेशक के रूप
सहायक निदेशक में दो वर्ष के पीएचडी धारक अथवा एक वर्ष के एमिफ़ल डिग्री
धारक के लाभ के साथ छः वर्ष के
(वारंता में) सेवा पूरी की जानी चाहिए।
- ii. शारीरिक स्वस्थता परीक्षा में उत्तीर्ण।
- iii. संतोषजनक स्व-मूल्यांकन रिपोर्ट का धारण।
- iv. उपयुक्त और सुव्यवस्थित िया के साथ लगभग तीन-चार सप्ताह की अवधि का कम से कम
एक
अभिरुचि पाठ्यक्रम और एक नवीकरण पाठ्यक्रम में भाग लेने चाहिए (पीएचडी डिग्री
धारक को एक

नवीकरण पाठ्यक्रम से छूट दी जाती है)

- विविधालय 7. न्यूनतम योग्यता :
- शारीरिक शिक्षा के i. विविधालय शारीरिक शिक्षा के सहायक
निदेशक/महाविद्यालय शारीरिक शिक्षा के निदेशक के रूप
सहायक में वर्ष के ल में पाँच वर्ष की सेवा पूरी की।
- निदेशक/महाविद्यालय ii. वर्ष वेतन मान में नियुक्ति के बाद उपयुक्त और सुव्यवस्थित मूल्यांकन
णाली के साथ लगभग तीन-
शारीरिक शिक्षा के चार सप्ताह की अवधि के कम से कम दो नवीकरण पाठ्यक्रम में भाग
लिया।
- निदेशक (चयन से) iii. अच्छी टीम/अथलेट्स की प्रशिक्षण और कम से कम दो सप्ताह की अवधि के
लिए शिक्षण कम पढ़ाई का
आयोजन और संचालन के साथ प्रस्तुत करना।
- iv. शारीरिक स्वस्थता परीक्षा में उत्तीर्ण।
- v. संतोषजनक स्व-मूल्यांकन रिपोर्ट का धारण करना।

- विविधालय के 8. न्यूनतम योग्यता :
- शारीरिक शिक्षा के उप i. शारीरिक शिक्षा में पीएचडी। इसके अलावा विविधालय णाली
के बाहर के विषय को मास्टर
निदेशक/ डिग्री स्तर पर 55% अंक अथवा उसके समकक्ष में हासिल करना
होगा। एससी/एसटी/ओबीसी
महाविद्यालय विषय के लिए 5% की छूट।
- शारीरिक शिक्षा के ii. पीएचडी और एमिफ़ल डिग्री धारक को प्रथमः दो वर्ष और एक वर्ष का
लाभ के साथ शारीरिक
निदेशक (रीडर के शिक्षा के विविधालय सहायक निदेशक/शारीरिक शिक्षा के
महाविद्यालय निदेशक के रूप में 5 वर्ष
में) का अनुभव।

iii. त्रियोगिता के आयोजन और कम से कम दो सप्ताह क अवध के िलए िशेष िशिवर के आयोजन

करने का साधन।

iv. राखक/राक्षीय/अंतर विविधालय/संयु: विविधालय स्तर आद म= टीम/एथलीट; ारा स्तुत

अच्छे दशन िदखानेवाले साधन।

v. शारीरक स्वस्थता

परीक्षण म= उरीण।

vi. संतोषजनक स्व-मूल्यांकन

रपोर्ट का धारण।

शारीरक िशेषा के

विविधालय उप

निदेशक

अथवा शारीरक िशेषा के विविधालय

सहायक

निदेशक/महाविधालय शारीरक िशेषा निदेशक (चयन नेड) के उप म= 15 वर्ष का

अनुभव।

तिथिगता।

9. नूयतम योयता :

i. शारीरक िशेषा म= पीएचडी।

ii. विविधालय उप निदेशक के उप म= 10 वर्ष का अनुभव

अथवा शारीरक िशेषा के विविधालय

सहायक

निदेशक/महाविधालय शारीरक िशेषा निदेशक (चयन नेड) के उप म= 15 वर्ष का

iii. कम से कम दो राक्षीय/अंतराक्षीय सेमिनार/समेलन म=

iv. संतोषजनक स्व-मूल्यांकन रपोर्ट।

v. त्रियोगिताओं का आयोजन और कम से कम दो सप्ताह क

अवध के िलए िशेष िशिवर के

आयोजन का साधन।

vi. राखक/राक्षीय/अंतराक्षीय/संयु: विविधालय आद

म= त्रियोगिताय के िलए टीम/एथलीट के

अच्छे दशन स्तुत करने का

साधन।

छा= पर ओसी ँक'खला

ओसी-1

विविधालय के सब महाविधालय सहित विविध

ालय मा छा= के वेश पर िसिकम विविधालय

अधिनयम, 2006 के धारा 5 (xx) के अधीन।

1. विविधालय के अधिनयम, संविधय और अयदेश के ावधान के ित िबना िकसी पूवानह से एक छा विविधालय के अधीन स्नातक, एककृत, स्नातकोर, एमिफल अथवा पीएचडी पाठ्यम म= वेश हेतु योय हगे, िद वह योयता परीक्षा उरीण क है अथवा विविधालय ारा संबिधत पाठ्यम अथवा कायम म= वेश हेतु िनधातरत अंक के नूयतम ितशत के साथ उस िवषय क परीक्षा म= उरीण क है।

2. सब महाविधालय के सहित विविधालय के िकसी अययन कायम/पाठ्यम म= वेश पाने क इच्छुक छा को विविधालय के िनयम को पूरा करना होगा।

3. विदेशी छा को भी िविभन अययन पाठ्यम म= अितर: संख्याय के आधार पर वेश िदया जा सकता है, जो कुल सीट के 10% से अधीन नह होगा, बशत िक वे आवस्यक वीजा हासिल करने तथा अयथा वेश के िलए पामता हासिल करने के िलए समथ हो। वे भारतीय छा क तरह समान शुरक का भुगतान करगे और उह= अय भारतीय छा को दान क जानेवाली सुविधा के अनुप समान सुविधा दान क जाएगी।

ओसी-2

शिशु और परीक्षा के मायम पर

[सिक्किम विधेयक अधिनियम, 2006 के धारा 5 (xx) के अधीन]

विधेयक के शोध और अध्ययन कार्यक्रम में अंग्रेजी ही शिष्टा और परीक्षा के मायम होगी।

परंतु, हिंदी, चीनी, नेपाली, लेपचा, भूटिया और लिबू कुछ विशेष विषय के लिए विधेयक के शोध और अध्ययन पाठ्यक्रम में शिष्टा और परीक्षा का मायम संबंधित भाषा में हो सकता है।

ओसी-3

छात्रों के देय

शुल्क पर

[सिक्किम विधेयक अधिनियम, 2006 के धारा 5 (xxi) के अधीन]

1. विधेयक द्वारा अपने परस्पर में दान किए गए अध्ययन के विभिन्न पाठ्यक्रम में वेश लिए छात्रों को 2% गैर-संचयी वृद्धि के साथ निम्नानुसार निर्धारित किए अनुसार शुल्क का भुगतान करना होगा। महाविद्यालय के छात्रों के लिए शुल्क का निर्धारण सरकारी महाविद्यालय के मामले में राज्य सरकार और मिशनरी/निजी महाविद्यालय के मामले में शासक विभाग द्वारा किया जाएगा। जबकि, वेश लिए हुए महाविद्यालय के छात्रों को उनके संबंधित महाविद्यालय के मायम से विधेयक को पंजीकरण शुल्क, अंकपत्र शुल्क, माण-पत्र शुल्क और परीक्षा शुल्क का भुगतान करना होगा।

2. सभी छात्रों द्वारा केवल वेश के समय में ही एककालीन भुगतान किया जाएगा।

J.सं.	शुल्क का कार	यूजी (लैब)	यूजी (लैब)	पीजी (लैब)	पीजी (लैब)	एमि फ़ल/	माणपत्र
1	वेश	500	200	1000	500	1500	300
2	अंक पत्र	200	200	200	200	200	200

Hkkx III μ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

23

3	माण-पत्र	300	300	300	300	300	300
4	परीक्षा	2000	1000	2000	1000	8000	1000
5	पंजीकरण	200	200	200	200	200	200
6	पुस्तकालय	500	500	500	500	500	200
7	चिकित्सा	300	300	300	300	300	300
8	छात्र परषद	200	200	200	200	200	200
9	पहचान पत्र	100	100	100	100	100	100
10	छात्रावास	500	500	500	500	500	500
	कुल	4800	3500	5300	3800	11800	3300

ख. सभी छात्रों द्वारा एक सेमेस्टर के आरंभ में भुगतान किया जाएगा।

J. सं.	शुल्क का कार	यूजी (लैब सहित)	यूजी (लैब सहित)	पीजी (लैब सहित)	पीजी (लैब सहित)	एमि फ़ल और पीएचडी	एमि फ़ल और	माण-पत्र/डिप्लोमा
1	गैर-प्रयावसायिक छात्रों के लिए	1000	600	1000	600	3000	1000	1200
2	प्रयावसायिक छात्रों के लिए	6000	4000	8000	6000	10,000	8,000	10,000

3	छामावास आवास(1/2/3/4 विस्तर युः)	1800/ 900/ 600/ 1500	1800/ 900/ 600/ 1500	1800 / 900/ 6000	1800 / 900/ 6000	1800 / 900/ 6000	1800 / 900/ 6000	180 0/ 900/ 6000
---	--	-------------------------------	-------------------------------	---------------------------	---------------------------	---------------------------	---------------------------	---------------------------

टिपणी: समय समय पर विविध विभाग और कैटर के बीच दर पर कोई सहमित के अनुसार छामा ;ारा भोजन शुल्क का भुगतान किया जाएगा।

3.सिक्किम विविध विभाग ;ारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम को

प्रयावसायिक पाठ्यक्रम के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा :

i.शिक्षण 5नातक (बी.एड) और शिक्षण निदेशात (एम.एड)

ii.विविध 5नातक (बी.ए.एल.बी.) और विविध निदेशात

(एल.एल.एम)

iii.बी.एससी निसर्ग

iv.प्रयावसाय शासन 5नातक (बीबीए) और प्रयावसाय शासन निदेशात

(एमबीए)

v.कंप्यूटर अनुयोग 5नातक (बीसीए) और कंप्यूटर अनुयोग

निदेशात (एमसीए)

vi.इंजीनियरिंग 5नातक और निदेशात

vii.मेडिसिन 5नातक और निदेशात

viii.वास्तुकला 5नातक और निदेशात

ix.सामाजिक कार्य 5नातक (बीएसडब्ल्यू) और सामाजिक कार्य निदेशात (एमएसडब्ल्यू)

x.उद्योगिक 5नातक और निदेशात

xi.पयटन 5नातक और निदेशात

xii.फार्मसी 5नातक और निदेशात

4.शुल्क सेमेस्टर के दौरान किसी भी समय, किन्तु सेमेस्टर समाप्ति से ठीक 30 दिनों पहले किसी मासिक/बैक/मं नगद भुगतान अथवा विभाग के अध्यक्ष के कार्यालय में चेक/ ऑर्डर ;ारा भुगतान किया जाए। हालांकि के अंतर्गत उल्लिखित शुल्क का भुगतान वेश के समय ही किया जाना चाहिए और उसे छामा के सभी वर्ग ;ारा भुगतान किया जाना अनिवार्य है।

5.किसी परीक्षा में बैठने के अनुमित सभी शुल्क के भुगतान करने और कम से कम 75% के उपस्थित रहने के शर्त पर दी जाएगी, जिसे उपस्थित के कमी के वैध कारण को सिद्ध करने वाली दस्तावेज़ प्रस्तुत किए जाने पर संबंधित अध्यक्ष/डीन ;ारा 5% के कमी तक उपस्थित माफ किया जा सकता है।

6.सि.वि. कमचार्य, सि.वि. के कमचार्य के संतान और यांगयांग के नामीण के लिए शिक्षण शुल्क 50% तक कम किए जाएंगे। विविध विभाग परस्पर के लिए राज्य सरकार को अपनी जमीन विज करनेवाले यांगयांग के लोग के विक्लांग छामा और सिक्किम के “आदिवासी जनजाति” के लोग के लिए शिक्षण शुल्क में 100% के छूट दी जाएगी।

7.शुल्क के भुगतान किए जाने के बाद यदि कोई छात्र पाठ्यक्रम आरंभ होने से पहले अपना अंतिम वापस लेना चाहता है, तो दिनांक 23 अप्रैल 2007 को इस संदर्भ में जारी यूजीसी के सावजनिक सूचना के अनुसार उसे सिंग शुल्क के रूप में ₹.1000/- के राशि घटाने के बाद शेष सभी शुल्क उसे वापस और जमा किए जाएंगे।

ओसी-4

कला, विज्ञान, विविध, औषधि, शिक्षा, गृह विज्ञान, वाणिज्य,

4यावसायिक और 4यावसायिक पाठ्यक्रम (एकक और एककृत) के
Mनातक पाठ्यक्रम पर

[सिक्किम विधेयक अधिनियम, 2006 के धारा 30(ख) के अधीन]

कला 5नातक, विज्ञान 5नातक, विविध 5नातक, मेडिसिन 5नातक, शिष्टाचार 5नातक, गृह विज्ञान 5नातक, वाणिज्य 5नातक, व्यवसाय 5नातक और व्यवसायिक पाठ्यक्रम 6 (एकक और एककृत) के 5नातक डिग्री के लिए अध्ययन पाठ्यक्रम होंगे।

पाठ्यक्रम 1. किसी भी माध्यमिक विधेयक बोर्ड से बारहवर्ष का उद्घरण करनेवाले छात्र डिग्री पाठ्यक्रम के तम वष म= वेश मांगने के लिए पाठ्यक्रम होंगे। जबकि, जो छात्र ऑनस चुनना चाहता है, उसे संबंधित विषय म= अथवा हर एक विषय म=, यदि वह विशेष विषय बारहवर्ष का अथवा उसके समकक्ष का म= नहीं पढ़ाया जाता है, न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा।

अविध एवं संरचना 2. ऑनस के साथ अथवा ऑनस के बिना डिग्री पाठ्यक्रम के लिए अविध सामान्यतः छः सेमेस्टर अथवा तीन वष तक होगी। हालांकि, व्यवसायिक पाठ्यक्रम 6 के मामले में यह अविध तीन से पाँच वष तक बदल सकती है। छात्र 6 क गति का निरंतर मूल्यांकन शैक्षणिक परीक्षा द्वारा अनुमोदित तरीके से पूरे सेमेस्टर में होगा और प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में एक समाप्ति परीक्षा होगी।

डिग्री के साथ डिग्री 3. एक छात्र द्वारा आयु सीजीपीए के अनुसार निम्नलिखित षेड्यूल में दान क जाएगी।
दान
i. उद्घरण : ऑनस म= 4.0 और पास म= 3.5 ।
ii. द्वितीय षेड्यूल : 5.0-5.9
iii. तम षेड्यूल : 6.0-6.9
iv. विशेष योग्यता के साथ तम षेड्यूल : 7.0 और इससे अधिक इसके अलावा, प्रत्येक विषय म= तम षेड्यूल के तम और तम षेड्यूल के द्वितीय को प्रमोशन: 5वर्ष और रजत मेडल दान किया जाएगा।
उपरोक्त के अलावा, छात्र 6 क सुविधा के लिए अंकपत्र और मापन म= भी वर्णमाला प्रणाली में और 10 सूचीय पैमाने पर संख्या प्रणाली में प्रदान की जाएगी।

पाठ्यक्रम क 4. प्रमोशन का विवरण
निम्नानुसार होगा :
संरचना

टेबल 1. कला, वाणिज्य, व्यवसाय, विज्ञान, विविध, गृह विज्ञान और अन्य व्यवसायिक पाठ्यक्रम							
(पाठ्यक्रम और ऑनस) डिग्री के Mनातक पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम का विवरण							
सेमेस्टर/विषय	सेमेस्टर I	सेमेस्टर II	सेमेस्टर III	सेमेस्टर IV	सेमेस्टर V	सेमेस्टर VI	कुल अंक
अंग्रेजी	100	-	-	-	-	-	100
जीएफसी	-	100	-	-	-	-	100
ईएच/एचआर/जी	-	-	100	-	-	-	100
वैकल्पिक-	100	100	100	200	200	200	900
वैकल्पिक -2	100	100	100	-	-	-	300
वैकल्पिक -3	-	-	-	100	100	100	300
कुल अंक	300	300	300	300	300	300	1800

टिप्पणी: अंग्रेजी और जीएफसी सभी 5नातक पाठ्यक्रम के लिए सामान्य विषय होंगे। वैकल्पिक -2 और वैकल्पिक -3 5नातक पाठ्यक्रम के सभी छात्र 6 के लिए

सामान्य विषय हगें।

एक छात्र को किसी विषय में पास और ऑनस और निम्नलिखित वैकल्पिक विषयों के संयोजन में (क अथवा ख तथा क और ख दोनों में से एक नहीं) में से किसी एक को चुनना होगा :

पास/ऑनस वैकल्पिक	समूह - क वैकल्पिक	समूह - ख वैकल्पिक
रसायन विज्ञान	भौतिक विज्ञान, गणित	वनस्पति विज्ञान (बॉटनी),
भौतिक विज्ञान	गणित, रसायन विज्ञान	गणित, कंप्यूटर विज्ञान

¹Hkkx III μ[k.M 4^o

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

25

गणित	भौतिक विज्ञान, रसायन	भौतिक विज्ञान
कंप्यूटर विज्ञान	इलेक्ट्रॉनिक्स, भौतिक	भौतिक विज्ञान, गणित
अथवा	गणित, वाणिज्य	इतिहास, राजनीति
भूविज्ञान	भौतिक विज्ञान, गणित	रसायन विज्ञान, गणित
भूगोल	रसायन विज्ञान, भौतिक	समाजशास्त्र, इतिहास
वनस्पति विज्ञान	रसायन विज्ञान	भूगोल, पयटन
वाणिज्य	रसायन विज्ञान, वनस्पति	भूगोल, मानवशास्त्र
अंग्रेजी	वैकल्पिक भाषा, शिष्टाचार	राजनीति विज्ञान
नेपाली	वैकल्पिक भाषा, शिष्टाचार	इतिहास, राजनीति
लेपचा	वैकल्पिक भाषा, शिष्टाचार	इतिहास, राजनीति
लिब	वैकल्पिक भाषा, शिष्टाचार	इतिहास, राजनीति
भूटिया	वैकल्पिक भाषा, शिष्टाचार	इतिहास, राजनीति
शिष्टाचार	इतिहास, राजनीति विज्ञान	वैकल्पिक भाषा
इतिहास	समाजशास्त्र, राजनीति	वैकल्पिक भाषा
राजनीति विज्ञान	वैकल्पिक भाषा, भूगोल	इतिहास, समाजशास्त्र
अथवा	राजनीति विज्ञान, इतिहास	राजनीति विज्ञान
समाजशास्त्र	अथवा राजनीति विज्ञान	वैकल्पिक भाषा, भूगोल
वाणिज्य	लेखा और वित्त, समूह	बंधन समूह
पयटन	अंग्रेजी, भूगोल	इतिहास, भूगोल
शारीरिक शिष्टाचार	इतिहास, वैकल्पिक भाषा	शिष्टाचार, भूगोल
प्रकाश और	इतिहास, वैकल्पिक भाषा	शिष्टाचार, भूगोल
सांख्यिक	गणित, अथवा	भौतिक विज्ञान, रसायन
सामाजिक विज्ञान	वनस्पति विज्ञान (बॉटनी),	भूगोल, मानवशास्त्र

टिप्पणी: वैकल्पिक भाषा यानी अंग्रेजी, नेपाली, लेपचा, भूटिया और लिबू, परंतु, एक ही भाषा को दो वैकल्पिक प्रश्नों के रूप में नहीं लिया जा सकता है।

उत्क्रांतिक, संगीत और विविध जैसे विषयों के लिए वैकल्पिक 2 अथवा 3 नहीं हगें, चूंकि ये 5व-समाहित विषय हैं।

ओसी-5

कला, विज्ञान, विविध, मेडिसिन, शिष्टाचार, गृह विज्ञान, वाणिज्य और 4यावसायिक पाठ्यक्रम (एकक और एककृत) के निष्ठात िडिनी पाठ्यक्रम पर

[सिक्किम विश्वविद्यालय अधिनियम, 2006 के धारा 30(ख) के अधीन]

विश्वविद्यालय के अधीन कला, विज्ञान, विविध, मेडिसिन, शिष्टाचार, गृह विज्ञान, वाणिज्य और 9यावसायिक पाठ्यक्रम (एकक अथवा एककृत) में निष्ठात िडिनी पाठ्यक्रम चार सेमेस्टर अथवा दो शैक्षणिक वर्ष तक 9या पूर्णकालिक पाठ्यक्रम हगें।

1. i. किसी भी पाठ्यक्रम में वेश लेने के लिए इच्छुक किसी छात्र को विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर इसके लिए निधांतरत योज्यताएँ रखना अनिवार्य होगा।

ii. शैक्षणिक प्रश्न ; द्वारा किसी पाठ्यक्रम के लिए विशेष रूप से निधांतरत नहीं किए जाने तक विभिन्न पाठ्यक्रम में 1यक शैक्षणिक वर्ष के थम सेमेस्टर में वेश लिया जाएगा।

- iii. जो ाथ□ इस वि%वि&ालय अथवा अ<य िकसी मा<यताU वि%वि&ालय के से 5नातक (ऑनस अथवा एककृत) क उपाधि ाU क है, वह ाथ□ पूवापेिOत, यदि कोई हो, से संबि<धत ावधान6 के तहत विभाग ;ारा दान िकिए गए पाठ्यम6 म= वेश पाने के यो{य होगा। विभि<न पाठ्यम6 म= वेश पाने के िलिए नू<यतम अंक और विषय पाठ्यम विवरणका म= िनधा?रत िकिए जाएंगे।
- iv. िकसी पाठ्यम म= वेश भारत सरकार के िनयम6 और समय समय पर जारी क गई अधिसूचनाओं के अनुसार के अलावा पामता परीOा और संबि<धत विभाग ;ारा आयोजित वेश परीOा, यदि कोई हो, म= ाथ□ ;ारा ाU अंक6 और विषय6 के आधार पर िदिया जाएगा।
2. i. डीन के सामा<य िदशािनद;श के अधीन होते हOए 1येक पाठ्यम म= िशOा और दैनंदिनी संबि<धत विभाग के अYयO के िनयंMण और िनद;शन म= रहेगा।
- ii. 1येक छाम पाठ्यम म= अपने काय और वि%वि&ालय म= उसके सामा<य आचरण के संबंध म= वि&ापीठ के िनयंMण और संबि<धत विभाग के अनुशासन म= रहेगा।
- 3.साम<यतः एक छाम को चार सेमे5टर के दौरान 64 जेडिट ाU करना होगा। इसम= से 56 जेडिट कायम के मुह्य पाठ्यम से, िजसम= वह वेश िलिया है, ाU करना होगा। शेष 8 जेडिट छाम ;ारा केवल ि,तीय सेमे5टर (4 जेडिट) और तृतीय सेमे5टर (4 जेडिट) के दौरान अ<य विभाग6 ;ारा संचालित पाठ्यम6 से ाU िकिया जा सकता है। जबिक, एक छाम छः सेमे5टर क अधिकतम अविध के दौरान 64 जेडिट ाU करेगा।
- 4.सेमे5टर समािU परीOा म= बैठने के यो{य होने के िलिए एक छाम को एक सेमे5टर के दौरान नू<यतम 75% 9याहयान म= उपि5थत होना अनिवाय है। उपि5थित म= अधिकतम 5% क कमी को संबि<धत विभाग के विभागाYयO/भारी क िसफ़ा?रश पर और वैध द5तावेज 5तुत िकिए जाने पर, िजससे यह माणित हो िक कुछ वा5तिवक कारण6 से ही उपि5थित म= कमी हOई थी, संबि<धत डीन ;ारा माफ िकिया जा सकता है।
- 5.वि&ापीठ के डीन अथवा िकसी महावि&ालय के ाचाय संबि<धत विभाग के अYयO क िसफ़ा?रश पर असाधारण मामल6 म= उपि5थित क 5% क कमी ?रयायत कर सकते हm।
- 6.िकसी एक सेमे5टर म= एक अथवा पूरे पाठ्यम म= विफल होने वाले छाम, जो भी कारण के िलिए हो, अगले शैOणिक वष के दौरान उन पाठ्यम6 के िलिए पुनः परीOा म= सिमिलत हो सकता है। यदि िकसी एससी/एसटी/ओबीसी छाम छः सेमे5टर के दौरान नू<यतम 50% के साथ सभी मुह्य पाठ्यम म= उर्रीण नहf होगा है, वह उन पाठ्यम6 के िलिए, िजनम= उसे 50 ितशत से कम ितशत ाU हOआ है, वि%वि&ालय ;ारा िनधा?रत शुरुक6 का भुगतान करने के बाद िनधा?रत ितिथ के अंदर अपनी उर पुि5तकाओं के पुनमूरयांकन हेतु आवेदन कर सकता है, िक<तु वह िकसी भी समान, पुर5कार, मेडल आद ाU करने के यो{य नहf होगा।
- 7.i. 1येक सेमे5टर म= परीOा के िदिन सिहत कम से कम 90 काय िदवस ह6गे।
- ii. 1येक सेमे5टर के ारभ और समाU होने क ितिथ शैOणिक प?रषद ;ारा िनधा?रत क जाएगी।
- 8.1येक अYययन पाठ्यम के िलिए परीOक6 को अYययन बोड और शैOणिक प?रषद ;ारा अनुमोदिदत पैनल क िसफ़ा?रश6 के आधार पर परीOा िनयंMक ;ारा िनयुः िकिया जाएगा
- 9.समांत परीOा म= वेश के िलिए एक ाथ□ िनधा?रत पम म= विभाग के अYयO/भारी के माYयम से संबि<धत वि&ापीठ के डीन को आवेदन करेगा। विभाग के अYयO/भारी ;ारा यह माणित िकिया जाएगा िक :

- i. ाथ□ ने ि;तीय और तृतीय सेमे5टर म= मुह्य पाठ्यम और साथ-ही-साथ पूरे पाठ्यम म= नूयतम 9याहयान आद म= भाग िलया है।
- ii. िनधा?रत परीOा शुरुक सहित सभी देय रािश जमा क गई है।
- 10.सेमे5टर समािU परीOा का प?रणाम कुलपित क अयOता और परीOा िनयंMक ;ारा बुलाये गए प?रणाम मॉडरेशन बोड ;ारा संचालित िकिया जाएगा।
- 11.िननिलिखत सीजीपीए के साथ सफल ाथिय6 को िननिलिखत वगc के अंतगत िडNी दान िकिया जाएगा:
- थम □ेणी : 6.0 और इससे अधिक
- िवशेष योयता के साथ थम □ेणी : 7.0 और इससे अधिक
- ि;तीय □ेणी : 5.0 से 5.9 तक उीण:4.0 से 4.9 तक
- इसके अलावा, नूयतम 6.0 के साथ सबसे अधिक सीजीपीए ाU करनेवाले परीOाथिय6 को एक 5वण पदक दान िकिया जाएगा और नूयतम 6.0 के साथ ि;तीय सबसे अधिक सीजीपीए ाU करनेवाले परीOाथिय6 को एक रजत पदक दान िकिया जाएगा।
- उपरो: के अलावा, छाM6 क िसिवधा के िलए अंकपM6 और माणपM6 म= भी वणमाला1मक Nेड और 10 सूमीय पैमाने पर संहया1मक Nेड िब<दु दशाये जाऐंगे।

ओसी-6

दश3न शा के िनकणात पाठ्यहम पर

[िसिकम िव%िव&ालय अधिनयम, 2006 के धारा 30(घ) के अधीन]

- उमनेय 1. i.िव%िव&ालय म= संबिंधत िवषय म= गहन अंत□ित दान करने, zान का िव5तार करने, सामायत: असंय िवषय6 म= िवभाजित सभी zान6 के एककरण म= बल देने, शोधाथिय6 को आवस्यक उपकरण6 से समू करने तथा िविभन OेM6 म= आगे शोध के िलए 9यावहा?रक अनुभव दान करने के उ□ेस से एमिफल पाठ्यम है। एमिफल पाठ्यम िव%िव&ालय क थम शोध िडNी है।
- ii.एम।िफल पाठ्यम म= दो भाग हगे : (क) कोस वक , और (ख) शोध- िनबंध/प?रयोजना काय। दोन6 भाग समान Cप से मह1वपूण हगे, अथात 1येक भाग म= 12 Jेडिट हगे।

- कोस3 वक3 2. i.एक सेमे5टर के कोस वक म= िव%िव&ालय ;ारा संचालित तीन □पM हगे िजनम= से एक पेपर शोध पवित पर होगा। इस िव%िव&ालय के एम।िफल/पीएचडी िडNी धारी िशOक एम।िफल पाठ्यम म= पढ़ाने के योय हगे। कोस वक केवल एक सेमे5टर के िलए होगा।

- ii.एम।िफल शोधाथिय6 को िवभाग ;ारा आयोजित सेिमनार म= नए प?रणाम6 पर िवचार-िवमश करने, िवषय म= िवकास और/अथवा त□य6 के 9याहयान के उ□ेस से उपि5थत रहना और भाग लेना आवस्यक होगा। 1येक शोधाथिय6 को दो सेिमनार म= 5तुत करना अनवाय होगा, एक उनके शोध िनबंध/प?रयोजना काय के ारिभक चरण म= और एक उनके शोध िनबंध जमा करने के तुरंत बाद।

¹Hkxx IIIμ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

27

- वेश 3. i.एम।िफल कायम म= वेश िव%िव&ालय के अय कायम6 म= वेश के साथ-साथ वष म= एक बार िकिया जाएगा।

ii. संबिंधित विषय अथवा निम्नलिखित विषय म= कम से कम 55% (एससी/एसटी/ओबीसी विधायक के मामले म= 50%) अंक के साथ मास्टर डिग्री धारी विधायक को विभाग ; द्वारा आयोजित किए जानेवाली एक लिखित परीक्षा और एक साक्षात्कार म= बैठना अनिवार्य होगा। विधायक को निम्नलिखित आधार पर विचार करने के बाद निम्नलिखित योग्यता के आधार पर चयन किया जाएगा :

(i) मास्टर डिग्री अथवा समकक्ष म= सीजीपीए अथवा अंक के प्रतिशत (ii) वेश परीक्षा और साक्षात्कार म= दशम। वेश विद्या उपलब्ध सीट के संख्या और विधायक के दशम के आधार पर अंतिम चयन दिया जाएगा। सफलतापूर्वक कोस तक पूरा करने तथा उस म= आवश्यक सीजीपीए विचार करने के बाद विभाग ; द्वारा एक पत्र को एक पत्रवेधक दिया जाएगा

iii. निम्नलिखित विधायक ने यूजीसी/सीएसआईआर (जेआरएफ) परीक्षा/स्लेट/गेट परीक्षा/विशेष फेलोशिप को योग्यता हासिल किया है, उन्हे वेश परीक्षा म= बैठने से छूट दी जाएगी किन्तु उन्हे साक्षात्कार म= उपस्थित रहना होगा।

पंजीकरण 4. एक पत्र अपने शोध आयोग के साथ अध्ययन बोर्ड के माध्यम से पंजीकरण के लिए आवेदन करेगा, जिसे विभागीय बोर्ड के अनुमोदन हेतु विचारार्थ स्तुत किया जाएगा। पंजीकरण की तिथि विभागीय बोर्ड ; द्वारा अनुमोदित तिथि होगी।

अविध 5. i. एक शोधार्थी आम तौर पर तीन सेमेस्टर म= अपना एम.फिल पूरा करेगा। शोधार्थी को पत्रवेधक की सिफारिश पर किसी उपयुक्त कारण पर ही केवल एक सेमेस्टर की विधित अविधि दान करने की अनुमति दी जाएगी।

महाविद्यालय के शिक्षक ; द्वारा एम.फिल कायम म= शामिल होने के मामले म= पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए एक अतिरिक्त सेमेस्टर का समय दान किया जाएगा, जिसके लिए नियमित विधायक को ही अनुमति दी जाएगी।

ii. एक सेमेस्टर के कोस तक पूरा करने के बाद, जिसम= से कम से कम एक पत्र शोध पत्र पर हो, यदि किसी पत्र कुछ अनदेखे कारण से शोध-निबंध का कार्य छोड़ देता है, विभागीय बोर्ड उन्हे अधिकतम दो सेमेस्टर के समय दे सकता है, और पत्र को पुनः कार्य करने की अनुमति दी जा सकती है। यदि 9यवधान दो सेमेस्टर की अविधि से अधिक होता है, शोधार्थी नए सिरे से

एम.फिल पाठ्यक्रम म= वेश की मांग करेगा। अवरोध की अविधि उनके कोस तक के परिणाम का निमित्त होने की तिथि से गिनी जाएगी।

उपनिधित 6. किसी एम.फिल छात्र से उनके कोस तक के सभी 9यवधान म= उपस्थित रहने की अपेक्षा की जाती है। 1यवधान पाठ्यक्रम म= पत्र की उपस्थिति कम से कम 75 प्रतिशत होना आवश्यक होगा। संबिंधित विभाग के विभागाध्यक्ष/भारी की सिफारिश पर और उपस्थिति की कमी के कारण को सिद्ध करनेवाली दस्तावेज को स्तुत किए जाने पर संबिंधित डीन ; द्वारा उपस्थिति की अधिकतम 5% की कमी को माफ कर सकते हैं।

कोस 3 तक के 7. i. कोस तक के मूल्यांकन अंतर्गत होगा।

मूल्यांकन ii. शोधार्थी का दशम निम्नलिखित नेड म= मूल्यांकित

किए जाएंगे:

‘ओ’ (उ1कृt), 10 सूMीय पैमाने म= Nेड िब<दु मूरयांकन के साथ ‘ए’ और बी’, यानी िक ‘ओ’ Nेड के िलए 7.0-10.0, ‘ए’ Nेड के िलए 6.0 से 6.9 तक, ‘बी’ Nेड के िलए 5.0 से 5.9 तक। िजन ाथिय6 ने 5.0 िब<दु से कम ाU िकिया है, उ<ह= ‘सी’ Nेड िदया जाएगा। एक पाठ्यम पूरा करने के िलए ाथ□ को कम से कम ‘ए’ Nेड ाU करना होगा।

एम.िफल ाथिय6 को भी वणमाला1मक Nेड और 10 सूMीय पैमाने पर संhयातम Nेड िब<दु दान क जाएगी।

पूव3-Mतुति 8. जब पयवेOकका यह राय है िक शोध बंध पूरे होने क अंतिम चरण म= है, शोधथ□ को उनके शोध सेमिनार िनदकषc पर एक पूव-5तुति सेमिनार देने क आवsयकता होगी। यह सेमिनार कम से कम तीन संकाय सद5य6 से, िजसम= से एक सद5य संबि<धत िवभाग से ह6गे, गिठत सिमित के समO िदया जाएगा। ाथ□ अपने शोध-िनिबंध म= सिमित क िसफ़ा?रश6 को शािमल कर=।

शोध िनिबंध क> 9. i. िकसी एमिफल ाथ□ पयवेOक ;ारा िविधवत पुति िकिए गए और िवभाग ;ारा परीOा िनयंMक को Mतुति अनेषित उनके शोध िनिबंध को सीडी/डीवीडी म= 1 सॉ;ट कॉपी और 3 हाड कॉपियाँ जमा कर=गे।

ii. शोध िनिबंध म= ाथ□ और उनके पयवेOक ;ारा दी गई एक घोषणा शािमल िकिया जाएगा िजसम=

यह उRलेख हो िक छाम के शोध िनिबंध एक मौलिक शोध है और िजसे इस िव%िव&ालय अथवा िकसी अ<य िव%िव&ालय म= िकसी अ<य िडNी के िलए जमा नहf िकिया गया है।

iii. इसके अलावा वे माणित कर=गे िक यिद शोधथ□ साहि1यक चोरी म= िलU होए तो उनके शोध िनिबंध को मूरयांकन हेतु परीOक6 के पास नहf भेजा जाएगा। इन ि5थितय6 म= एक ाथ□ को छः महीने क अविध के दौरान उनके शोध िनिबंध को पुनः िलखने का अवसर िदया जाएगा, और ऐसा करने म= िवफल होने पर उनके पंजीकरण र□ िकिया जाएगा।

परीBक के पैनल10. शोध िनिबंध जमा करने क 5तावित ितिथ से कम से कम दो महीने पहले पयवेOक शैOणिक प?रषद ;ारा पूव अनुमोदित पैनल म= से मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी के साथ परीOक6 के चार नाम6 का एक पैनल परीOा िनयंMक क आवsयक कारवाई हेतु 5तुत कर=गे।

मूतयांकन11. शोध िनिबंध का परीOण शैOणिक प?रषद और कायका?रणी प?रषद ;ारा अनुमोदित पैनल से कुलपित ;ारा िनयुः िकिए जाने वाले दो परीOक6 (िजनम= से एक पयवेOक ह6गे) ;ारा िकिया जाएगा। परीOक6 म= से कम से कम एक परीOक राxय से बाहर से ह6गे, जहां िव%िव&ालय 5थापित है।

हालांकि, एक पयवेOक परीOक के CP म= वहाँ काय नहf कर=गे जहां ाथ□ पयवेOक क प1नी अथवा पित, पुM अथवा पुMी, भाई अथवा बहन ह6गे/ह6गी। जब ाथ□ पयवेOक से संबि<धत होता/होती है, तब ाथ□ ;ारा एम।िफल िडNी के िलए जमा िकिए गए शोध िनिबंध को परीOक6 के पैनल म= से चयिनत िकसी अ<य

परी०क के पास ेिषित िकिया जाएगा। ऐसे मामल६ म= परी०क६ का पैनल िवभाग के िवभागाॢय०/भारी ;ारा 5तुत िकिया जाएगा और यिद िवभागाॢय०/भारी पयवे०क बने, तो उसे िव&ापीठ के डीन ;ारा 5तुत िकिया जाएगा।

िड5ी दान12. i.शोध िनबंध काय को दोन६ परी०क६ क सवसमत िसफ़ा?रश६ के आधार पर एम।फ़िल िडनी

दान करने के िलए 5वीकृत िकिया जाएगा;

ii.यिद दोन६ परी०क६ के बीच मतभेद होता है, तो मामले को पहले से 5तुत पैनल म= से कुलपित ;ारा िनयु: िकए जाने वाले तीसरे परी०क६ के पास ेिषित िकिया जाएगा। तीसरे परी०क अधिनणयक के Cप म= काय कर=गे और उनका िनणय अंतिम होगा।

iii.यिद परी०क शोध िनबंध म= सुधार हेतु कुछ संशोधन का सुझाव देते हm अथवा उसम= कुछ खांमियां

िनकालते हm, तो ाथ□ को उर देने अथवा सुझाव के तज पर शोध िनबंध म= संशोधन करने और िनणय

सूचित करने के बाद छ: महीने के अंदर शोध िनबंध पुन: जमा करने के िलए कहा जाएगा।

iv.दोन६ परी०क६ ;ारा सवसमत िसफ़ा?रश क जाने क ि5थित म= कोस वक और शोध िनबंध क Nेड

िब<दु दोन६ के औसत को Yयान म= रखते ह०ए अंतिम Nेड िब<दु क गणना क जा सकती है। एक परी०क ;ारा िसफ़ा?रश नहं क जाने क ि5थित म= कोस वक और तीसरे परी०क ;ारा ाथ□ को दी गई

Nेड िब<दु के औसत को Yयान म= रकते ह०ए अंतिम Nेड िब<दु क गणना क जा सकती है।

v.परी०क६ क सभी ?रपोट८ को िव&ापीठ बोड के सम० 5तुत िकिया जाएगा, संतु होने पर जो शै०णिक प?रषद को यह िसफ़ा?रश कर सकता है िक ाथ□ को एम।फ़िल िडनी दान िकिया जा सकता है। िव&ापीठ बोड क िसफ़ा?रश क एक ित परी०ा िनयंMक को प?रणाम घोषित करने हेतु भेजी जाए।

किठनाइय का 13.इस अYयादेश म= कुछ भी शांमिल होते ह०ए कुलपित किठनाइय६ के िनवारण हेतु आवस्यक समझे जाने िनवारण वाले उपाय Nहण कर सकते हm।

ओसी-7

दश3न के डॉटर काय3hम पर

[िसिकम िव%िव&ालय अधिनयम, 2006 के धारा 30(घ) के अधीन]

वेश एवं 1.पीएचडी कायJम म= वेश 1येक शै०णिक वष के ारभ म= होगा। कम से कम 55% पा=ता (एससी/एसटी/ओबीसी के िलए 50%) अंक६ के साथ संबि<धत िवषय अथवा िवभाग६ ;ारा संचालित संयु:संबि<धत िवषय म= मा5टर िडनी धारी ाथिय६ को िव%िव&ालय ;ारा आयोजित होनेवाले एक िलिखत परी०ा और सा०ा1कार म= सिमिलत होने क आवस्यकता होगी। ाथिय६ को िननिलिखत६ पर िवचार करने के बाद िनधा?रत योयता के अनुसार चयन िकिया जाएगा :

i.वेश परी०ा और सा०ा1कार म= दशन।

ii.एमफ़िल/नेट/सीएसआईआर (जेआरएफ़)/5लेट/गेट/िशि०क

अय्येता के अहताU ाथिय6

को वेश परीOा म= बैठने से

छूट दी जाएगी, िक<तु उ<ह= साOाIकार का सामना करना होगा।

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

29

कोस3 वक3 2.कोस वक नू<यतम एक सेमे5टर और 12 Jेडिट का होगा, िजसम= से एक शोध पवित पर होगा, जो िकसी िव%िव&ालय ;ारा नामित िव%िव&ालय से एम.िफल िडNी पूरा करनेवाल6 को छोड़कर अ<य सभी के िलए अनवाय है।

पय3वेBक 3.िविभाग एक पयवेOक िनयु: करेगा।पयवेOक पीएचडी िडNी के साथ िव%िव&ालय के िकसी ाययापक, िकसी सह ाययापक अथवा सहायक ाययापक ह6गे। इसके अित?र: और िव&ापीठ बोड के अनुमोदन से िवभाग उस मामल6 म= एक अथवा दो संयु: पयवेOक6 को िनयु: करेगा, िजस मामल6 म= पयवेOक पयवेOण के समN भारी ह6गे। संयु: पयवेOक को िव%िव&ालय के िशOक होना आवस्यक नहै परंतु वे एक डॉटरल काय के पयवेOण करने के िलए पयाU Cप से योय और जानकार के Cप म= िव%िव&ालय ;ारा मा<यताU 9यि: ह6गे

पंजीकरण 4.पीएचडी के पंजीकरण शोध के शीषक, शोध के िववरण, उेस्य, शोध ावली और शोध पवितय6 को शािमल करते हए एक शोध 5ताव के साथ िव%िव&ालय ;ारा िनधा?रत ाCप म= संबि<धत िवभाग म= आवेदन िकया जाएगा। िवभाग शोध 5ताव को अययन बोड के माययम से िव&ापीठ बोड को अनेषित करेगा। इस अययादेश के उेस्य हेतु िजस तारीख को िव&ापीठ बोड पंजीकरण के िलए 5तुत शोध 5ताव को 5वीकार करता है, वही तारीख शोधाथ के िलए पंजीकरण क तारीख होगी। हालांिक, पीएचडी कायम के िलए वेश क ितिथ और पंजीकरण क ितिथ के बीच अधिकतम 3 सेमे5टर अथवा 18 महीने क अनुमेय अविध होगी।

अविध 5.यिद िकसी शोधाथ ने िव%िव&ालय म= उनके शोध ाCप पंजीकृत िकए जाने क ितिथ से कम से कम दो वष तक शोध काय चुका है, तो उस शोधाथ को पीएचडी िडNी के िलए शोध बंध जमा करने के िलए अनुमित दी जाएगी। यिद िकसी शोधाथ अपने पंजीकरण क ितिथ से चार वष के अंदर अपना शोध-िनबंध जमा करने म= िवफल होता है तो उसका नाम

िव%िव&ालय के नामांकन से हटा िदया जाएगा।

परंतु, कुछ असाधारण ि5थितय6 म= अययन बोड क िसफ़ा?रश6 पर िव&ापीठ बोड शोधाथ के शोध- बंध जमा करने क ितिथ को और एक वष क अधिकतम अविध के िलए बढ़ा सकता है। यिद शोधाथ विधत अविध के दौरान भी शोध-बंध जमा करने म= िवफल होता है तो उसका पंजीकरण 5वत: समाU हो जाएगा।

गित क> 6.पयवेOक ाथ के शोध काय क गित का िनयिमत तौर पर देखरेख कर=गे। यिद पयवेOक को लगता है समीBा िक शोधाथ के शोध काय क गित संतोषजनक नहै, तो उसके िलए िवभाग के माययम से िव&ापीठ बोड को उिचत कारवाई हेतु एक ?रपोट 5तुत क जाएगी।

पूव3-Mतुति 7.जब पयवेOक का यह राय है िक शोध-बंध अंतिम चरण म= है, शोधाथिय6 को अपने शोध िनवकष पर सेमिनार एक पूव-5तुति सेमिनार दान

करने क आवश्यकता होगी। सेमिनार कम से कम तीन सदस्य के मूल्यांकन समितिके उपस्थित में दिया जाएगा, जिसमें से एक विभाग के बाहर से होगा, जिसके संबंधित विभागीय के डीन द्वारा नामित किया जाएगा। साथ अपने शोध-बंध में समितिके सिफारिशों को शामिल करेंगे।

शीर्षक का संशोधन 8. यदि शोध शीर्षक में संशोधन की आवश्यकता हो, साथ संबंधित बोर्ड के अनुमोदन के लिए शोध बंध जमा करने के तथित से कम से कम छः महीने पहले अयोग्य/भारी के माध्यम से डीन को आवेदन करेगा।

शोध बंध 9. i. एक साथ अपने शोध बंध जमा करेंगे जिसमें वे इस विषय पर कांशित किए गए किसी भी कृतिकार के कार्य को पाठ्य के रूप में शामिल कर सकते हैं। कितने शोध बंध के रूप में किसी भी कार्य को शामिल नहीं करेंगे जिसके लिए उक्त इस विभागीय/विशालय अथवा अत्यविशालय से पहले ही डीन की दान किया जा चुका है।

ii. एक पीएचडी साथ अपने शोध-बंध जमा करने से पहले किसी संदिग्ध शोध-पत्रिका में कम से कम एक शोध पत्र कांशित करेंगे और उसके साथ संवृत्त पत्र अथवा पुनमुद्रण के रूप में संतुष्ट करेंगे।

iii. शोध साथ यह संतुष्ट करेंगे कि यह या तो नए तथ्य के आवतकार, द्वारा अथवा तथ्य अथवा सिद्धांत के नयी प्रकाश के, द्वारा विशेषीकृत शोध कार्य का एक अंश है। किसी अन्य मामले में इसे महत्वपूर्ण परीक्षण, मौलिक सोच और जांच के उनके मता का उत्तक होना चाहिए। इस

साहित्यिक संतुष्टि भी संतोषजनक होनी चाहिए।

iv. शोध बंध में प्रत्येक के ओर से एक माणपत्र और शोध साथ के ओर से एक घोषणा शामिल की जाएगी जिसमें यह उल्लेख हो कि शोध बंध छात्र का एक मौलिक शोध है और उसे इस विभागीय/विशालय अथवा अत्यविशालय अथवा किसी विशाल संस्थान में किसी भी डीन के लिए संतुष्ट नहीं किया गया है।

v. शोध बंध जमा करने के लिए आवेदन को संबंधित विभाग के अयोग्य द्वारा तहस्तांतरित किया जाएगा। विभाग के अयोग्य शोध बंध को पूर्व-संतुष्टि सेमिनार के लिए मूल्यांकन समितिके द्वारा दी गई टिप्पणियों के साथ अगली आवश्यक कारवाई हेतु परीक्षा नियंत्रक के पास अनिवार्य करेंगे।

vi. यदि परीक्षा नियंत्रक को यह विभागीय है कि शोध बंध में साहित्यिक चोरी की गई है तो उसे परीक्षा के पास मूल्यांकन हेतु नहीं भेजा जाएगा। ऐसे तथ्य को उनेक शोध बंध पुनः लिखने के लिए दिया जा सकता है, ऐसा करने में विफल होने पर उनके पंजीकरण को रोक दिया जाएगा।

परीक्षक का पैनल 10. पयवेक परीक्षा नियमक के अनुमोदन तथा 5तुति हेतु
निर्धारित ाप म= आंतरिक परीक्षा के ाप म= अपना नाम को शामिल करते हुए
परीक्षा के डाक पते, ईमेल आईडी और मोबाइल फोन नंबर सहित छः परीक्षा
का एक पैनल परीक्षा नियमक के अनुमोदन हेतु विभाग के अध्यक्ष के माध्यम से
विभागीय बोर्ड म= 5तुत कर=गे। विभागीय बोर्ड शैक्षणिक पत्ररूप के अध्यक्ष
को परीक्षा के पैनल के एक ति जमा करेगा।

मूल्यांकन 11. पीएचडी के लिए ाथ ; ारा 5तुत शोध बंध शैक्षणिक पत्ररूप के
सिफारिश पर कायकारणी पत्ररूप ; ारा अनुमोदित पैनल म= से कम से कम तीन
परीक्षा ; ारा जांच क जाएगी। परीक्षा म= से दो परीक्षा ऐसे हगे जो
विश्वविद्यालय म= किसी कार के भूमिका म= नहीं हगे और उन म= से कम से कम
एक राख के बाहर से हगे, जबकि तीसरे परीक्षा पयवेक हगे।

परंतु, जब ाथ पयवेक पत्नी अथवा पित, बेटा अथवा बेटी,
भाई अथवा बहन हो, उस स्थिति म= पयवेक परीक्षा के ाप
म= काय नहीं कर=गे। ऐसी स्थिति म= विशेषज्ञों के पैनल
विभाग के विभागाध्यक्ष/भारी ; ारा 5तुत किया जाएगा और
यदि पयवेक ऐसे पद पर कायरत ह, तो विभागीय बोर्ड के
डीन ; ारा पैनल 5तुत किया जाएगा।

परीक्षक क> रिपोर्ट 12. i. 1यक परीक्षा शोध बंध के जांच करने के बाद
विश्वविद्यालय ; ारा निर्धारित ाप म= यह 5प और मौखिक करते
हए एक रिपोर्ट 5तुत कर=गे कि उनके मतानुसार (क) शोध बंध पीएचडी डिग्री दान
करने के लिए सिफारिश क जाती है, अथवा (ख) शोध बंध को
संशोधित/पत्रवित्त किया जाना चाहिए, अथवा (ग) शोध बंध को अस्वीकार
किया जाए।

ii. यदि किसी परीक्षा शोध बंध के कुछ संशोधन/सुधार करने
का सुझाव देते ह, अथवा शोध बंध म= कुछ खासियाँ बताते
ह, ाथ को उत्तर देने अथवा दिये गए सुझाव के अनुसार
संशोधित करने के लिए बताया जा सकता है और
विश्वविद्यालय ; ारा संशोधन के आवश्यकता के सूचना
देने के तिथि से एक वर्ष के अविधि के दौरान संबंधित
परीक्षा के पास शोध बंध को अन्तिम किए जाने के
लिए फिर से शोध बंध जमा करने के लिए कहा जा
सकता है। फिर भी यदि परीक्षा संतु नहीं होते ह, तो
मामले को कुलपित ; ारा नियुक्त किए जानेवाली समिति के
विशेषज्ञ के पास भेजा जाएगा।

iii. एक शोध बंध को दशनश के डॉक्टर डिग्री दान करने के
लिए परीक्षा ; ारा दी गई सवसमत सिफारिश के
आधार पर स्वीकार किया जाएगा। यदि दोन बार परीक्षा
शोध बंध को अस्वीकार करते ह, तो कोई भी डिग्री नहीं
दी जाएगी। यदि बार परीक्षा के बीच मतभेद होता होता है
तो उसे शैक्षणिक पत्ररूप और कायकारणी पत्ररूप ; ारा
पूर्व अनुमोदित पैनल म= से कुलपित महोदय ; ारा नामित

चौथे परी०क के पास भेजा जाएगा। चौथे परी०क का मत अंतिम होगा।

iv. यदि शरपेट संतोषजनक रहे तो उह= एक मौखिक परीक्षा देनी होगी जो खुले तौर पर रिक्त होगा।

डिडी दान करना 13.परीकषक क रपट और मौखिक के आधार पर विवापीठ बोड उपाधि दान करने अथवा नह करने के लिए शैणिक पक्ष के मायम से कायकारणी पक्ष को सिफारश करेगा।

 ${}^1\text{Hk}kx \text{ III} \mu[\text{k.M } 4^0$

```
Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k
```

31

किठनाइय का 14.उपरो: अYयादेश म= कुछ भी होते ह०ए, कुलपित किठनाइय6 के िनवारण हेतु आवsयक समझे जाने पर िनवारण कुछ उपाय अथवा कुछ िविनयम लागू कर सकते हm।

ઓસી-8

डि5ी, डिTलोमा और माणप= दान करने पर

सिक्किम विधायक संसदीय आयोग, 2006 के धारा 5(2) के अधीन।

विनियम अथवा अक्षय मायम ;ारा समय समय पर 1येक मामले म= निधाःत शतके अनुसार
वि%वि&ालय ;ारा निनिलिखत डिडियाँ, डिडलोमा और माणपम दान किया जाएगा:

1. दशनशास्त्र के डॉक्टर, विज्ञान के डॉक्टर, साहित्य के डॉक्टर, विविध के डॉक्टर और औषधि के डॉक्टर को शोध विद्वानों;

2. कला, विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा, गृह विज्ञान, कृषि, 9यावसायिक पाठ्यक्रम, बंधन आययन, फार्माकोलॉजी, मेडिसिन और इंजीनियरिंग म= निम्नलिखित विषयों: 3. कला, विज्ञान, वाणिज्य, गृह विज्ञान, फार्माकोलॉजी, शिक्षा, कृषि, 9यावसायिक पाठ्यक्रम, मेडिसिन, इंजीनियरिंग और विविध म= 5नातक विषयों (पास और ऑनस);

4. शि० अथवा 9 यावहा? रक कौशल 6 के विशेष शाखाओं में = 5 नातकोर माणपम डि० लोमा;

5.सिख, मैकानिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि और कुछ ऐसे OMC, जिन्हें समय समय पर शैक्षणिक परीक्षा द्वारा अनुमोदित किया जाए, मंडलोलोमा;

6. िशOण अथवा 9यावहा?रक कौशल6 क िवशेष शाखाओं, तकनीक िवषय6, िवदेशी भाषा आिद म=माणपM और िड□लोमा:

7.मानद िडिNयाँ; और

8. विविध ालय ारा समय-समय पर ारभ िकिए गए विभिन्न 9यावसायिक पाठ्यम 6 म= िडिन्याँ, िडलोमा और माणपम।

ઓસી-9

डीन, छा= कदयाण क> शिGय और कायJ पर

सिक्किम विधेयक संख्या १५, २००६ के धारा ३०(पी) के अधीन।

डीन, छाम करयाण :

1. कुलपित को 5नातक, एककृत और 5नातकोर पाठ्यम6, शोध िडिनय6, माणपM/िडलोमा पाठ्यम6 तथा समय समय पर विविधालय;ारा अनुमोदित अय पूणकालीन और अंशकालीन पाठ्यम6 क नीति और िग्या पर सझाव द=गे

2. वास्तु के माध्यम से विविधता को बढ़ावा देने का प्रयास करें।

3. कल्पित को ावोऽट और वाडन क िनयः और उनक शिःय6 और कायc पर सलाह द=गे।

4. समान अनुशासन और विविधता; आनुरित निवास को मंजूर करने की स्थिति से संबंधित मामलों का समाधान करेंगे।

5.छाम6 के संघ/पक्ष/रूपद तथा गतिविधियां सहित छाम6 से संबंधित सभी मामल6 म= कुलपित को सलाह द=गे।

6.वि%वि&ालय ;ारा विविधवत मायताU छाम संघ6 के चुनाव का संयोजन कर=गे।

7.वि%वि&ालय के विभिन्न िनकाय6 के िलए छाम ितिनिधय6 के नामांकन पर कुलपित को सलाह द=गे।

8.छाम6 और शोध छाम6 के विभिन्न सह पाठ्यजम6 और खेल गतिविधय6 का पयवेOण और विरदान कर=गे।

9.छाम6 के िलए यामा पर्यायत पम जारी कर=गे और छाम6 के िलए भारत के विभिन्न ात6 क शैOक यामा/एमण के िलए िसफ़ापरश कर=गे।

10.छाम6 के करयाण हेतु कैरयर के िलए मागदशन और परामश दान गतिविधय6 का पयवेOण कर=गे।

11.ऐसे कायजम6 और गतिविधय6 का आयोजन कर=गे जो छाम-िशOक, छाम-शासन और छाम-समाज के संबंध6 को सुदृढ़ कर=गे।

12.छाम6 के करयाण हेतु वांछनीय अथवा कुलपित ;ारा समय-समय पर िनद}शित िकए अनुसार ऐसी अय गतिविधय6 को ारभ कर=गे।

ओसी-10

अयेता वृि, छा=वृि, पदक और पुरमकार
दान करने पर

[िसिकम वि%वि&ालय अधिनयम,
2006 के धारा 5 (xiii) के अधीन]

उमेनय 1.इस वि%वि&ालय के विभिन्न विभाग6 म= अययन कर रहे गरीब और मेधावी छाम6 क किठनाइय6 का िनवारण करना।

पा=ता 2. वि%वि&ालय के विभिन्न विभाग6 म= वेश पाने हेतु योयता परीOाओं म= िजन छाम6 ने 55% (एससी/एसटी/ओबीसी के िलए 50%) अंक ाU िक्या है, वे एसयू अयेता वृि, छामवृि और 5टूड=टिशप ाU करने के योय हगे।

िजन छाम6 ने 1येक पाठ्यजम थम िेणी के थम और थम िेणी के ि;तीय हगे, उह= दीOांत समारोह म= जमश: 5वण पदक और रजत पदक और वि%वि&ालय ;ारा समय-समय पर िलए गए िनणय6 के अनुसार ऐसे अय पुरस्कार दान िकए जाएंगे।

चयन 3.एसयू अयेतावृि, छाम वृि और 5टूड=टिशप दान करने के िलए छाम6 का चयन कुलपित ;ारा िनयु: सिमित ;ारा िक्या जाएगा, जो सिमित छाम करयाण डीन, जो उस सिमित के अययO हगे, सहित कम से कम तीन 9यि: ;ारा गिठत होगी। छाम6 क ितिभा और आय के आधार पर सिमित ;ारा छाम6 का चयन िक्या जाएगा तथा यह चयन कुलपित के अनुमोदन के अधीन होगा।

नवीकरण 4.एसयू अयेतावृि, छामवृि और 5टूड=टिशप को नवीकृत िक्या जा सकता है, बशत} िक, छाम पहले और दूसरे सेमेस्टर क परीOाओं म= कम से कम 50% अंक ाU करता हो और संबंधित विभाग के विभागाययO ;ारा माणित काय और उपिधित के समN संतोषजनक परकॉड रहा हो।

मूय 5.एसयू अयेतावृि, छामवृि और 5टूड=टिशप वि%वि&ालय ;ारा समय समय पर िनधापरत िकए अनुसार होगा।

पुरमकार क> शतq 6. एसयू अयेतावृि, छामवृि और 5टूड=टिशप के िलए चयिनत छाम वेतन पर अथवा अयथा िकसी Cप म= िकसी भी कार के नौकरी Nहण नहफ कर=गे अथवा िनयु: नहफ हगे और उस कालाविध के दौरान िकसी अय ातो से कोई अयेतावृि, छामवृि और 5टूड=टिशप ाU नहफ कर=गे। यह 5ताव अनुशासनहीनता अथवा कत9य6 क अवहेलना के आधार पर िनलंिबित िकया जा सकता है।

पुरमकार के िलए 7. संबिधत संलनक6 के साथ ाथ ;ारा िविधवत Cप से भरी गई िनधा?रत पM िव%िव&ालय ;ारा आवेदन अधसूचित ितिथ के अंदर छाम करयाण डीन के पास पहोँच जाना चाहिए।

ओसी-11

छा= के िनवास

क> शतJ पर

[िसिकम िव%िव&ालय अधिनयम, 2006 क धारा 5 (xxii) के अधीन]

उमेनय 1. छाम6 के िलए िनवास गृह क 5थापना करने का उेसय िननिलिखत हm :

i. िव%िव&ालय के छाम6 को जीने के िलए सौहाKपूण वातावरण दान करना तािक वे उच शिOा Nहण करने के िलए 5वयं को समिपत कर सक= ।

ii. छाम6 को उनके भावी उ५ क अविध के दौरान, जब वे अपने माता-पिता/अभभावक6 से दूर रहते है, बु संरण दान करना।

iii. यह सुनिित करना िक अलग अलग पृभूमि से आए छाम6 को एक साथ रहने, सहयोग और सावना क भावना को आ1मसात करने और मन क 9यापक सामाजिक ाCप को Nहण करने का अवसर िमले।

iv. वैयि:क 9यि:1व के चहोमुखी िवकास करने तथा उनक कला1मक और सृजना1मक ितभाओं को अभ9यि: दान करने के िलए सह-पाठ्याम और पाठ्येतर गितिविधय6 के िलए अवसर दान करना; और

v. छाम6 के अपने मामल6 को िनयंित करने क Oमता का िवकास करना।

¹Hkx IIIμ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

33

िनवास गृह 2. i. िव%िव&ालय िनवास के उेसय6 को पूरा करने के िलए आवस्यकता के अनुसार ऐसे छामावास6 का रखरखाव करेगा;

ii. लड़िकय6 और लड़क6 के िलए अलग-अलग िनवास कO हगे।

iii. िव%िव&ालय ;ारा िदये गए के अनुसार 1येक छामावास का एक नाम होगा

iv. 1येक छामावास एक वाडन के भार के अंदर म= होगा।

पय3वेBण एवं िनयं=ण 3. सभी छाम6 के िनवास के पयवेOण और िनयंMण का भार छाम करयाण डीन म= िनिहत है, िज<ह= अपने

काय के िनवहन करने म= ावो5ट और वाडन ;ारा सहायता दी जाएगी। वाडन को िफेट ;ारा सहायता दी जाएगी।

वेश 4. i. िव%िव&ालय के िनवास म= रहने के इछुक छाम शैOणिक िवभाग6 म= वेश के बाद िनधा?रत पM म= आवेदन कर=।

- ii. विभाग के अध्यक्ष वेश लिए गए अधिकारी के सभी छात्रावास आवेदन को छाम करयाण डीन को अर्पित करे। उन आवेदन को जो छात्रावास में सीट आवंटन करेगे, को अध्यक्षता से बनी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी।
- iii. दूरस्थ स्थान से आए छात्र को छात्रावास निवास के लिए वरीयता दी जाएगी।
- iv. छात्रावास निवास एक समय में एक शैक्षणिक वर्ष के लिए आवंटित किया जाएगा। प्रत्येक छात्र को अध्ययन के प्रत्येक अगले वर्ष में छात्रावास में वेश हेतु नए आवेदन जमा करेगा। तीसरे, पांचवे, सातवें अथवा नवें सेमेस्टर के कक्षा शुरू होने से 15 दिनों पहले आवेदन छाम करयाण डीन के कार्यालय में पहुंचाना चाहिए। निवासी द्वारा सभी छात्रावास शुरू/शिर्षक शुरू का भुगतान करने का मांग सुत करने के बाद ही पुनः वेश के लिए अनुमति दी जाएगी।
- v. छात्र को अंतिम सेमेस्टर के परीक्षा समाप्त होने के एक सप्ताह के अंदर अपना कमरा खाली करना होगा। यदि वह विभाग/कार्यालय में आयोजित किसी परीक्षा में बैठने के लिए पुनः आने की जरूरत है, तो वे छात्रावास में अथवा अतिथि के रूप में ठहर सकते हैं।
- vi. रैगिंग विरोधी पर एक शपथ-पत्र में छात्र हस्ताक्षर करेगे और उसे छाम करयाण डीन के कार्यालय में जमा करेगे।
- वाडन को नियुक्तियां, 5. i. छात्रावास के वाडन को छाम करयाण डीन की सिफारिश के आधार पर कुलपित द्वारा तीन वर्ष की शिर्ष्या और कार्य अवधि के लिए नियुक्त किया जाएगा और वे पुनः नियुक्त होने के योग्य होंगे।
- ii. छात्रावास के वाडन उन सभी कर्तव्यों का निर्वहन करेगे जैसा कि कुलपित द्वारा समय समय पर उक्त दिया जाए और वे वाडन और छात्र करयाण डीन के परामर्श से कार्य करेगे।
- iii. वाडन वाडन द्वारा दी गई छात्र की सूची के अनुसार छात्र को कमरे आवंटित करेगे और छात्र के अभिभावक के स्थायी पते और आपातकालीन जरूरत के उद्देश्य से आवश्यक कुछ ऐसी जानकारी सहित छात्र की एक सूची बनाएंगे और छात्र में अनुशासन बनाए रखेगे;
- iv. निवासी छात्र के दैनिक रिकॉर्ड रखेगे जैसे कि प्रत्येक दिन का छात्र की उपस्थिति, निवास को अनुपस्थिति के कारण के साथ छात्र की अनुपस्थिति;
- v. छात्रावास के छात्र के स्वस्थ, स्वच्छता और सामान्य जीवन की देखरेख करेगे और छात्र द्वारा अनुशासन का पालन सुनिश्चित करेगे।
- vi. अपने छात्रावास में रहनेवाले छात्र के कदाचार, अनुशासनहीनता और बीमारी से संबंधित सभी मामलों के लिए छाम करयाण डीन को सूचित करेगे।
- vii. वाडन को सौंपे गए संबंधित छात्रावास की संपत्ति की सुरक्षा और रखरखाव करना तथा विभाग/कार्यालय अधिकारियों द्वारा संपत्ति की मरम्मत के लिए आवंटित धनराशि और मानदंड के

अनुसार उन संप्रिय क मरमत करना।

viii. छाम करयाण डीन, ावो5ट और वाडन को छामावास के कमर6 का िनरीOण करने का अधिकार होगा और छामावास म= िनयु: कमचा?रय6 पर शासिनक िनयंMण ह6गे।

ix. वाडन को वाडन के Cप म= आपनी कायाविध के दौरान िनशुरक िकराए पर 5थानीय टेलीफोन सुविधा के साथ िनशुरक असिखजत िनवास दान िकिया जाएगा।

फिट क> िनयुिG, 6. i. 1येक िनवासीय हॉल म= संबन्धित वाडन के परामश से ावो5ट ;ारा फिट क िनयुि: क शिG और काय3 जाएगी;

ii. फिट6 का चयन छाम6 क व?रपतम बैच म= से िकिया जाएगा;

iii. िनयुि: के साल के िलए क जाएगी और वाडन ;ारा िविधवत िसफा?रश िकिए जाने पर समय बढ़ाया जा सकता है;

iv. एक फिट छामावास के 5वा5य, सचता और सामाक्य करयाण क देखरेख करेगा; रोल कल और अनुशासन बनाए रखने म= वाडन को सहायता करेगा और भोजनालय म= खा& सुविधा का िनगरानी रखेगा;

v. िनयुि: के दौरान फिट एक िनशुरक एकल कमरे का हकदार होगा, िक<तु उ<ह= छामावास के वेश शुरक6 और मेस शुरक6 का भुगतना करना होगा।

ओसी-12

अनुशासन के
रखरखाव पर

[िसिकम िव%िव&ालय संविधयाँ, 2006 के धारा 29 के अधीन]

1. अययन क पूरी अविध के दौरान शोधायिथय6 सहित छाम6 को छामावास6, कOाओं, परीOा गृह, योगशालाओं, पु5तकालय6 म=, प?रसर के अंदर और साथ ही साथ प?रसर के बाहर भी अनुशासन बनाए रखना होगा और िव%िव&ालय के छाम6 से राखी गई अपेOा के अनुसार आचरण करेगा।

2. छाम6 क गितिविधय6 क कृति के आधार पर छाम वाडन, ावो5ट, छाम करयाण डीन, िवभाग6 के अययो, िव&ापीठ के डीन के समN िनयंMण और मागदशन म= ह6गे।

3. िकसी भी ाोत से िकसी भी छाम के िखलाफ िशकायत के मामल6 म= िशकायत छाम करयाण डीन को क जाएगी, जो छाम के िखलाफ ाU िशकायत क स1यता क जांच करने के िलए ावो5ट को कह=गे।

4. यिद िकसी छाम6 को थम ित्या म= ही अनुशासन के उरलंघन का दोषी पाया जाता है तो छाम करयाण डीन अपने 5तर पर दोषी पाये गए छाम6 को या तो डांटकर, या जुमाना लगाकर अथवा चेतावनी देकर आवस्यक कारवाई कर सकते हm। यिद उनके मतानुसार अनुशासन के उरलंघन के मामले गंभीर है तो, मामले को िननिलिखत सद5य6 से गिठत िव%िव&ालय अनुशासिनक सिमित को ेिषित िकिया जाएगा, गणपूित बनाने के िलए िजनम= से तीन सद5य6 क

उपि5थित अनिवाय होगी :

i. डीन, छाम करयाण

अययो

ii.

ावो5ट

सद5य- सिचव

iii. संबिधत

विभागीय के डीन सदस्य

- iv. संबंधित विभाग के अध्यक्ष सदस्य
- v. संबंधित छात्रावास के वाइन सदस्य
- vi. अनुशासन के उल्लंघन के कृतिक के आधार पर कुलपित द्वारा नामित किसी

अन्य 9यि: ।

5. विभागीय अनुशासनात्मक समितिक विभागीय के कुलसिचव को इसक एक रपट 5तुत करेगी, जो रपट पर अपनी रिपोर्ट के साथ रपट को कुलपित के समु 5तुत करेगी।

6. कुलपित को ऐसी दंडात्मक कारवाई करने, जैसी कि वे उचित समझें, तथा मामले को अति शीघ्र कार्याचरण पर पक्ष म= अनुसमथन हेतु 5तुत करने का अधिकार होगा।

7. छात्र को कुलपित के निणय के खिलाफ कार्याचरण पर पक्ष के समु अपील करने का अधिकार होगा।

संघ महाविद्यालय पर ओडी जाखला

ओडी-1

विद्यालय के विशेषाधिकार के अंतर्गत महाविद्यालय, संस्थान का वेश पर

[निसिकम विभागीय अधिनयम, 2006 के धारा 5 (xvii) के अधीन]

पारभाषाईस अयादेश के उद्देश्य के लिए महाविद्यालय/संस्थान का अथ है 5नातक अथवा 5नातकोर 5तर पर विभिन्न विषय/अध्ययन पाठ्यक्रम म= शिक्षा दान करनेवाले महाविद्यालय/संस्थान; “विषय” शब्द इतिहास, अथवा, और भूगोल जैसे विषय को दशाता है; “पाठ्यक्रम” का मतलब है पास, ऑनस और ग्रावसायिक पाठ्यक्रम, और “कार्यक्रम” शब्द 5नातक, एककृत, निरूपण, एमिफ़ल और पीएचडी कार्यक्रम (एकल अथवा एककृत) को दशाता है।

संघता समितिक 1 शैक्षणिक पक्ष विभागीय के अधीन महाविद्यालय/संस्थान/विषय/पाठ्यक्रम के लिए एक संघता समितिक का गठन करेगी : समितिक का गठन निनानुसार होगा :

¹Hkkx III μ[k.M 4^o

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

35

i. कुलपित अथवा अध्यक्ष

उप-कुलपित

ii. सावजनिक निदेश/उच्च शिक्षा के सदस्य

निदेशक अथवा उनके निनिध

iii. शैक्षणिक पक्ष के दो नामांकित सदस्य

iv. परीक्षा नियामक सदस्य

v. निदेशक, महाविद्यालय विकास पक्ष सदस्य-सिचव

शिग एवं काय 2. संघता समितिक संघता के लिए आए आवेदन के संवीक्षा करेगी और शैक्षणिक पक्ष को

महाविद्यालय/संस्थान/विषय/पाठ्यक्रम के संघता के सिफ़ारिश करेगी। यदि किसी

महाविद्यालय/संस्थान/विषय/पाठ्यक्रम के संघता रू करने के लिए भी संघता समितिक सिफ़ारिश

करेगी।

बैठक 3.संबंधिता सिमित आवश्यकता के अनुसार बैठक करेगी।

गणपूर्ति 4.सिमित क बैठक के लिए गणपूर्ति कुल सदस्य के एक-तिहाई सदस्य से बनेगा।

डिप्टी 5.इस अध्यादेश के उद्देश्य के लिए महाविद्यालय/संस्थान प्रासंगिक डिप्टी के लिए विषय में शिष्टाचार दान करने महाविद्यालय/वाले स्नातक/स्नातकोत्तर महाविद्यालय/संस्थान होगा।

संस्थान

विश्वविद्यालय के 6.विश्वविद्यालय के विशेषाधिकार में किसी महाविद्यालय/संस्थान का अथ होगा इस अध्यादेश के उद्देश्य के लिए

विशेषाधिकार में संबंधिता

वेश

अभियन के 7.विश्वविद्यालय के विशेषाधिकार में प्रासंगिक डिप्टी दान करनेवाले

विभिन्न पाठ्यक्रम

विषय/पाठ्यक्रम (पास/ऑनस/प्रभावसाध्यिक) वेश का अथ है संबंधिता और इसे इस अध्यादेश के अनुसार दान किया

जाएगा।

एक महाविद्यालय/ 8. महाविद्यालय/संस्थान/विषय/पाठ्यक्रम के संबंधिता इस अध्यादेश के प्रावधान के अनुसार दो चरण में

संस्थान/विषय/होगी : (i) अस्थायी संबंधिता और (ii) स्थायी संबंधिता

अभियन पाठ्यक्रम

क संबंधिता के चरण

नए पाठ्यक्रम/ 9. जब एक नए महाविद्यालय/संस्थान/विषय/अभियन पाठ्यक्रम शुरू करने का स्थापित किया जाता है, तो

विषय/प्रयोजक निकाय अथवा सरकारी महाविद्यालय/संस्थान के मामले में संबंधित अधिकारी जिस वर्ष से

महाविद्यालय/ महाविद्यालय/संस्थान/विषय/अभियन पाठ्यक्रम शुरू करने का योजना है, उसके पहले वर्ष के 15 अगस्त को

संस्थानका प्रारंभ अथवा उससे पहले निम्नलिखित पत्र में कुलसचिव को आवेदन करेगा।

आवेदन क 10. आवेदन प्राप्त होने पर संबंधिता सिमित आवेदन का प्रारंभिक जांच करेगी और आवश्यकता होने पर संबंधित

प्रारंभिक जांच आवेदक से लिखित रूप में आगे प्रतीकरण मांग सकती है। यदि सिमित प्रयोजना प्रोट से संतुष्ट है और

एक नए महाविद्यालय/संस्थान शुरू करने के लिए इसमें एक थम किया मामला पाया गया है तो सिमित एक

निरीक्षण टीम का गठन करने के लिए सिफारिश कर सकती है।

निरीक्षण टीम 11. निरीक्षण टीम यूजीसी द्वारा समय समय पर जारी दिशा-निर्देश के अनुसार गठित की जाएगी।

निरीक्षण 12. निरीक्षण टीम इसका रपोर्ट विजट के बाद 7 दिन के अंदर निदेशक, महाविद्यालय विकास पत्ररषद को सुत

करेगी। निरीक्षण टीम स्थान क उपयुःता, योजना क व्यवहायता, मानव, भौतिक और वित्तीय संसाधन क

पयाउता, पुस्तकालय/योगशाला सुविधाएं और यूजीसी ;ारा निधाःरत किए अनुसार अःय आवश्यकताओं

पर रपोर्ट करेगी। यदि संवत्ता सिमित इस रपोर्ट से संतु होती है, तो सिमित महाविद्यालय/ संस्थान/ विषय/

अध्ययन पाठ्यक्रम शुः करने के लिए सिफ़ारश करेगी। शैक्षणिक पत्ररषद अपनी सिफ़ारश अनुमित दान

करने हेतु कायकारणी पत्ररषद को भेजेगी।

अस्थायी संबधता के 13. एक महाविद्यालय/संस्थान/विषय/अध्ययन पाठ्यक्रम शुः करने के लिए ाउ अनुमित के आधार पर आवेदक

लिए ायोजक विधिविद्यालय ाधिकरण ;ारा समय-समय पर अनुमोदित शुःक और ऐसे अःय दस्तावेज़ जमा किया जाएगा,

एजासी/ ाधिकारी जैसे कि यूजीसी ;ारा कला, विज्ञान, वाणिज्य और व्यवसायिक अध्ययन के लिए निधाःरत राशि के लिए

ारा लिए गए डिफ़ंड डिपॉज़िट के दस्तावेज़ को साःय के ऒप म= विधिविद्यालय ;ारा मांगा जा सकता है। यह िया पूरी

ारिभक कदम होने के बाद महाविद्यालय/संस्थान/विषय/अध्ययन पाठ्यक्रम को अस्थायी संवत् के ऒप म= माना जाता है

और ऐसी संवत्ता केवल एक वर्ष के लिए माःय होगा। संवत्ता के नवीकरण के लिए अस्थायी संवत्ता

समाउ होने से कम से कम एक सेमेस्टर पहले आवेदन किया जाना अनिवार्य है।

नवीकरण दान 14. संवत्ता सिमित के अध्ययन नवीकरण के लिए महाविद्यालय/संस्थान के निरीक्षण करने के लिए एक निरीक्षण टीम गठन करेगी। निरीक्षण टीम को

निरीक्षण करने के बाद 7 दिन के अंदर निदेशक, महाविद्यालय विकास पत्ररषद को एक रपोर्ट सुत करेगी। रपोर्ट ाउ होने के बाद संवत्ता सिमित अपनी ितपिणय और

पयवेऒण के साथ रपोर्ट को शैक्षणिक पत्ररषद को अनेषित करेगी। यदि शैक्षणिक पत्ररषद रपोर्ट से संतु होती है, तो पत्ररषद अःय एक वर्ष क अविध के लिए

अस्थायी संवत्ता के नवीकरण के लिए कायकारणी पत्ररषद को सिफ़ारश कर सकती है।

अस्थायी संबधता 15. जिस महाविद्यालय/संस्थान को पाँच वर्ष के लिए अस्थायी संवत्ता

दान क गई है और यूजीसी ;ारा किसी उःस्य के लिए समय-समय पर निधाःरत किए अनुसार अःय शतः को पूरा करता है, वह महाविद्यालय/ संस्थान स्थायी संवत्ता

के लिए आवश्यक शुःक के साथ निधाःरत पम म= निदेशक, महाविद्यालय विकास पत्ररषद को आवेदन कर सकता है।

अस्थायी संबधता 16. संवत्ता सिमित के अध्ययन महाविद्यालय/संस्थान अथवा विषय/अध्ययन

पाठ्यक्रम अथवा दोन के स्थायी दान संवत्ता हेतु महाविद्यालय/संस्थान के निरीक्षण करने

के लिए एक निरीक्षण टीम का गठन कर=गे। निरीक्षण टीम इसक निरीक्षण के बाद 7 दिनों के अंदर निदेशक, महाविद्यालय विकास पत्ररषद को एक रपोट 5तुत करेगी।

रपोट ाउ करने के बाद शैक्षणिक पत्ररषद संबंधिता सिमित उसे अपनी टिप्पणय6 और पयवेक्षण6 के साथ शैक्षणिक पत्ररषद को अनंशित करेगी। यदि शैक्षणिक पत्ररषद रपोट से संतुष्ट होते हैं, तो एक महाविद्यालय/संस्थान अथवा उसके अंतगत विषय/अध्ययन पाठ्यक्रम को स्थायी संबंधिता दान करने के लिए कायकारणी पत्ररषद को सिफ़ारिश भेज सकती है।

नई शतव लगाने क> 17.शैक्षणिक पत्ररषद क सिफ़ारिश पर कायकारणी पत्ररषद संबंधिता के लिए समय-समय पर नई शतव लगा सकती शिG है, जो विविद्यालय के विशेषाधिकार के अंतगत वेश करनेवाले महाविद्यालय/संस्थान6 के लिए बाध्यकारी होगा।

छा= का वेश 18.कोई भी छाM को किसी भी महाविद्यालय/संस्थान/विषय/अध्ययनपाठ्यक्रम म= विविद्यालय ;ारा अनुमित दान करने से पहले वेश नहं दिदलाया जाएगा। इस नियम के उरलंघन से महाविद्यालय/संस्थान क संबंधिता अस्वीकृत हो सकती है।

किसी संबंधिता क> 19.कायकारणी पत्ररषद के मतानुसार यदि किसी महाविद्यालय/संस्थान संबंधिता परआधांतरत इस अयादेश अनुमित को अथवा विविद्यालय के किसी अय निदश6 का पालन करने म=विफल होआ है, कायकारणी पत्ररषद के पास वापस लेने क> शिG किसी भी महाविद्यालय/ संस्थान से संबंधितावापस लेने क शि: है।

शुदक 20. सब महाविद्यालय6 ;ारा इस अयादेश को अपनाए जाने क तिथि से 1येक वष 2% गैर-संचयी वृि के साथ निनिलिखत शुरुक6 का भुगतान किया जाएगा :

h.सं.	आवेदन किए गए संबंधिता क> कृति	शुदक राशि wपये मा
	संस्थान क अस्थायी संबंधिता	10,000
2	संस्थान क स्थायी संबंधिता	50,000
3	स्नातक पास विषय क अस्थायी	5,000
4	स्नातक पास विषय क स्थायी संबंधिता	25,000
5	स्नातक ऑनस विषय क अस्थायी	8,000
6	स्नातक ऑनस विषय क स्थायी	40,000
7	स्नातक 9यावसायिक पाठ्यक्रम क	10,000
8	स्नातक 9यावसायिक विषय क	50,000
9	माणपM पाठ्यक्रम क अस्थायी संबंधिता	3,000
10	माणपM पाठ्यक्रम क स्थायी संबंधिता	15,000
11	डिप्लोमा पाठ्यक्रम क अस्थायी	5,000
12	डिप्लोमा पाठ्यक्रम क स्थायी संबंधिता	25,000
13	स्नातकोर विषय क अस्थायी संबंधिता	5,000
14	स्नातकोर विषय क स्थायी संबंधिता	25000
15	कला, वाणिज्य और विज्ञान म=	15 लाख अथवा

¹Hkkx IIIµ[k.M 4⁹

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

37

16	9यावसायिक पाठ्यक्रम म= स्नातक पाठ्यक्रम ण6 करने के िलए गतिथ	35 लाख अथवा गतिथी ाप
----	---	----------------------

किठनाइय का 21. इस अय्यादेश के किसी भी अवधान के 9वाँ या करने अथवा उसे भावी करने में किसी भी कारण के निवारण किठनाइयाँ उपलब्ध होने पर उसे कुलपित को भेजा जाएगा, उस पर निजक 9वाँ या अथवा निणय अंतिम होगा।

ओडी-2

महाविद्यालय विकास पार्षद पर

[सिक्किम विविद्यालय अधिनियम, 2006 के धारा 24 के अधीन]

महाविद्यालय विकास पार्षद को इसके बाद “पार्षद” के रूप में जाना जाएगा, जिसे सिक्किम विविद्यालय द्वारा स्थापित किया जाएगा।

1. विविद्यालय के अधिनियम, संविध 6 और अय्यादेश के अवधान के 9वाँ पक्ष पर भाव डाले बिना पार्षद का उत्तम एक नेतृत्व की भूमिका दान

करना और सामान्यतः विविद्यालय के विशेषाधिकार के अंतर्गत विविद्यालय महाविद्यालय को सहायता देना, मागदर्शन करना और सुझाव देना है।

2. पार्षद सब महाविद्यालय/स्थान से संबंधित सभी विषय में शैक्षणिक पार्षद के धान सलाहकार निकाय होगी।

3. पार्षद का गठन निम्नानुसार होगा :

- | | |
|--|--------------|
| i. कुलपित | अध्यक्ष पदेन |
| ii. उप कुलपित (यदि कोई हो) | सदस्य ” |
| iii. कुलपित द्वारा नामित किए जाने वाले दो शिक्षक, निजक से एक विज्ञान से सदस्य और एक मानविक और सामाजिक विज्ञान से होंगे | |
| iv. सब महाविद्यालय के दो छात्र, निजक से एक सरकारी महाविद्यालयों से और एक निजी/मिश्रित | सदस्य |
| महाविद्यालय से महाविद्यालय की स्थापना होने की तिथि से 10 के अनुसार रोटेशन के आधार पर होंगे | |
| v. कुलपित द्वारा नामित किए जाने वाले सब महाविद्यालय के दो शिक्षक | सदस्य |
| iv. सावजनिक शिक्षा निदेश/राज्य के उच्च और तकनीक शिक्षा के निदेशक | सदस्य पदेन |
| v. छात्र कल्याण डीन | -वही- ” |
| vi. विवर अधिकारी | -वही- ” |
| vii. परीक्षा नियंत्रक | -वही- ” |
| viii. पुस्तकालय अध्यक्ष | -वही- ” |
| ix. कुलसचिव | सचिव ” |

4. पदेन सदस्य को छोड़कर अन्य सदस्य का कार्यकाल तीन वर्ष के लिए होगा।

5. अवस्थता, मृत्यु अथवा पद त्याग अथवा किसी अन्य कारण से पद खाली होने पर यथासंभव शीघ्र उसे भरा जाएगा और नियुक्ति सदस्य (सदस्य) अवशिष्ट समय के लिए कार्य जारी रखेगा।

6. पार्षद के वास्तविक सदस्य के एक-तिहाई सदस्य पार्षद की बैठक के लिए गणपूर्ति करेंगे।

7. पत्ररूपद एक शैक्षणिक वर्ष में कम से कम दो बार बैठक करेगी और कुलपित के परामर्श से कुलसचिव द्वारा बैठक बुलाई जाएगी। यदि पत्ररूपद के कम से कम छः सदस्यों से कुलपित को लिखित रूप में विशेष बैठक बुलाने के लिए निवेदन आता है तो कम से कम 21 दिन पहले सूचित करते हुए पत्ररूपद के विशेष बैठक बुलाई जा सकती है।
8. पत्ररूपद के बैठक के कार्यवाहियों का रिकॉर्ड रखना और पत्ररूपद के कार्य का दैनिक आधार पर देख-रेख करना कुलसचिव के कर्तव्य होंगे।
9. पत्ररूपद के निम्नलिखित कार्य होंगे :
- महाविद्यालय के सामान्य शैक्षणिक स्तर का निरंतर सुधार को ध्यान में रखते हुए सब महाविद्यालय/संस्थान में शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विचार करने के लिए एक मंच दान करना
 - सब महाविद्यालय को राज्य सरकार अथवा विविद्यालय अनुदान आयोग जैसी अन्य विदेशी सहायता दान करनेवाली एजेंसियों द्वारा विरपोषित किए जानेवाली विकासामक परियोजनाओं को तैयार करने में सहायता दान करना।
 - सब महाविद्यालय में छात्रों के संख्या और पढ़ाये गए विषयों के संदर्भ में भौतिक सुविधाओं का समय समय पर आकलन करना तथा उनके सुधार हेतु योजनी अथवा राज्य सरकार को सिफारिश करना।
 - सब महाविद्यालय के शैक्षणिक दशन का समय-समय पर समीक्षा करना तथा उसके सुधार हेतु सुझाव दान करना;
 - परीक्षा पत्रित के समीक्षा करना तथा समय समय पर नवाचार और सुधार हेतु सुझाव दान करना;
 - विभिन्न महाविद्यालय/संस्थान के निरीक्षण रिपोर्ट पर कारवाई करना;
 - मौजूदा सुविधाओं का संशोधन करते हुए और जर्त और अंतराल को पहचानते हुए और आवश्यकतानुसार उसे पूरा करते हुए विविद्यालय के एक सब महाविद्यालय/संस्थान/विषय/अध्ययन पाठ्यक्रम पर एक अर्तन तरेखा तैयार करना और उसका रखरखाव करना; और
10. पत्ररूपद का कार्यालय निसिकम विविद्यालय पत्रसर में स्थित होगा।
11. इस अध्यादेश के किसी भी ावधान को भावी करने अथवा यथाकरने में किसी कार के किठनाई उत्पन्न होने पर उसे कुलपित को भेजा जाएगा, उस पर कुलपित का निणय अंतिम होगा।

ओडी-3

विविद्यालय के सब महाविद्यालय में अर्तकोर विभाग पर [निसिकम विविद्यालय अधिनयम, 2006 के धारा 5 (xvii) के अधीन] इस अध्यादेश में निधात मापदंड को पूरा करने पर किसी सब महाविद्यालय/संस्थान को चयनित विषय में अर्तकोर पाठ्यक्रम को पढ़ाने के लिए अनुमित दी जा सकती है।

आवेदन 1. शैक्षणिक पत्ररूपद के अनुमोदन के बाद सब समित द्वारा निधात और निदेशक, महाविद्यालय विकास पत्ररूपद द्वारा उपलब्ध कराये गए ारूप में आवेदन किया जाएगा। आवेदन में निम्नलिखित विवरण को

शािमल करते ह०ए यूजीसी ;ारा समय समय पर िनधा?रत िववरण शािमल ह०गे :

i.पास, ऑनस अथवा 9यावसायिक पाठ्यक्रम को िनिर्दिष्ट करते ह०ए शुल्क िकए जाने वाले ितावित

विषय;

ii.ितावित विषय को शुल्क करने का औचित्य (लगभग 500 शब्द म=);

iii.ितावित पाठ्यक्रम के िलए पयाउ लासक्रम, संबिंधित विषय म= पुस्तकालय क पुस्तक=, योगशाला

सुविधाएं और ितावित पाठ्यक्रम के िलए िनधा?रत नूयतम कमचा?रय क संख्या।

iv.ओडी-1, धारा 20 के अनुसार िसिकम िव%वि&ालय के नाम पर चेक/ा;ट ;ारा देय एक अितदेय

आवेदन शुरूक संलग्न कर=।

सीट क सं?या 2. िनरीण सिमित क िसफ़ा?रश और शैणिक प?रषद के अनुमोदन के अनुसार।

वेश 3. महावि&ालय का अपना वेश मापदंड हो सकता है, िकतु उसे िव%वि&ालय क शैणिक प?रषद के पूव अनुमोदन से ही केवल कायािंवत िकया जाएगा।

पाठ्यक्रम 4. अययन बोड ;ारा संसुत और शैणिक प?रषद ;ारा अनुमोदित पाठ्यक्रम को संबिंधित महावि&ालय ;ारा तैयार िकया जाएगा।

शुल्क 5. संबिंधित महावि&ालय ;ारा शुरूक का िनधारण और संनह िकया जाएगा,हालांकि,िव%वि&ालय ;ारा समय-समय पर िनधा?रत और छात्रम ;ारा जमा िकए गए परीक्षा शुरूक के आधा शुरूक, अंकपत्र के 100%, पंजीकरण और माणपत्र शुरूक को िव%वि&ालय म= जमा िकया जाएगा।

िशिक क योयता 6. िशिक क योयता और संख्या यूजीसी ;ारा समय-समय पर िनधा?रत िकए अनुसार होगा।

एवं सं?या

कायभार 7. िव%वि&ालय के िनातकोर विभाग म= 1येक संकाय सदस्य के िलए शैणिक कायभार ित सेमेस्टर म= 90 िशण िदिन से कम नहं होगा।

किठनाइय का 8. इस अय्यादेश के ावधान को भावी करने अथवा 9याहया करने म= िकसी कार क किठनाई उतपन्न होने पर

िनवारण कुलपित को भेजा जाएगा और उस पर कुलपित का िनणय अंतिम और बायकारी होगा।

विविध विषय पर ओई Ük`aखला

ओई -1

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कैलेंडर पर

[सिक्किम विश्वविद्यालय अधिनियम, 2006 के धारा 30(पी) के अधीन]

1. विश्वविद्यालय में एक सेमेस्टर में कम से कम 90 दिनों का वास्तविक शिक्षण होगा।

¹Hkkx III μ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

39

2. विश्वविद्यालय का कैलेंडर निम्नानुसार होगा :

टेबल 1. सिक्किम विश्वविद्यालय के लिए कैलेंडर		
	शैक्षणिक गतिविधियाँ	दिनांक/अविधि
1	थर्म सेमेस्टर में वेश	16 जलाई – 30 जलाई
2	विषम सेमेस्टर 6 (सेमेस्टर I, III और V) के लिए कक्षाओं का	1 अगस्त – 21 नवंबर (22 नवंबर से 30 नवंबर छाम 6 के तैयारी का
3	विषम सेमेस्टर के परीक्षाएँ	1 दिसंबर – 15 दिसंबर
4	शीतकालीन अवकाश के आरंभ और	16 दिसंबर – 15 फरवरी
5	सम सेमेस्टर 6 (सेमेस्टर : II, iv और vi) के लिए कक्षाओं का	16 फरवरी – 24 जून (15 जून – 4 जुलाई छाम 6 के तैयारी का समय, जिसे पाठ्यक्रम
7	सम सेमेस्टर 6 के परीक्षाएँ	5 जलाई – 19 जलाई
8	सेमेस्टर टेक/विश्वविद्यालय	20 जलाई – 30 जलाई
9	चतुर्थ सेमेस्टर के परीक्षा परीणाम 6	15 अगस्त

विशेष : यदि कक्षाओं और परीक्षाओं का पहला दिन को अवकाश रहता है, तो यह अगले कार्य दिवस से शुरू होगा। सेमेस्टर टेक न अवकाश है और न ही अवकाश होगा।

टेबल 2. विश्वविद्यालय द्वारा संबन्धित महाविद्यालय/संस्थान के लिए		
	शैक्षणिक गतिविधि	दिनांक
1	विषम सेमेस्टर के परीक्षा	15 नवंबर – 30 नवंबर
2	सम सेमेस्टर के परीक्षा	5 जून – 20 जून
3	पाठ्यतर गतिविधियों के लिए महाविद्यालय	21 जून - 30 जून

ओई-2
बैठक के
समय-सारणी
पर

[सिक्किम विश्वविद्यालय संविधि, 2006 के धारा 10(10) के अधीन]

आधिकारण का नाम	बैठक का तिथि
अध्ययन बोर्ड	मई के थर्म सप्ताह और अक्टूबर के थर्म सप्ताह
विश्वविद्यालयी बोर्ड	मई के तृतीय सप्ताह और अक्टूबर के तृतीय
विश्वविद्यालयी समिति	फरवरी के चतुर्थ सप्ताह, मई के चतुर्थ सप्ताह और
महाविद्यालयी विकास परिषद	मई के तृतीय सप्ताह और अक्टूबर के तृतीय
शैक्षणिक परिषद	मई के चतुर्थ सप्ताह और अक्टूबर के चतुर्थ सप्ताह
कार्यकारी परिषद	जून के थर्म सप्ताह और नवंबर के थर्म सप्ताह
कोट और दीर्घांत समारोह	नवंबर के तृतीय सप्ताह

ओई-3
दीर्घांत
समारोह
पर

[सिक्किम विश्वविद्यालय संविधि, 2006 के धारा 32 के अधीन]

दीर्घांत समारोह 1. i. सामान्यतः डिग्री दान करने के उत्सव से वर्ष में एक बार ऐसी तिथि और स्थान में दीर्घांत समारोह का आयोजन

किया जाएगा, जैसा कि चांसलर के पूर्व अनुमोदन से कुलपित ;ारा निधांतरत किया जाए।

ii. दीक्षांत शुरुक विविधालय ;ारा समय-समय पर निधांतरत किए जाने के अनुसार होंगे।

iii. चांसलर यदि मौजूद हों, तो वे डिनि दान करने के लिए आयोजित दीक्षांत समारोह को अय्योता करेंगे। चांसलर को अनुपस्थित में कुलपित दीक्षांत समारोह को अय्योता करेंगे।

सूचना 2. i. दीक्षांत समारोह के लिए कम से कम तीन सप्ताह पहले कुलसिचव ;ारा सूचना दी जाएगी। ii. निजिना ने दीक्षांत समारोह आयोजित किए जाने वाले वर्ष से पहले अपनी परीक्षाएं उरीण किया है,

वे निजिना दीक्षांत समारोह में विर होने के योग्य होंगे। यदि दीक्षांत समारोह कुछ वर्ष से आयोजित नहीं किया जाता है, तो बगैर उसके कुलपित पिछले वर्ष के सफल निजिना को उनके संबिधत डिनि में वेश दिदलाने तथा निजिना ;ारा निधांतरत शुरुक का भुगतान करने पर डिनि जारी करने के लिए अधिगत करने हेतु सोम होंगे।

आवेदन 3. i. किसी परीक्षा को डिनि के लिए 9यिगत CP से दीक्षांत समारोह में वेश हेतु निधांतरत शुरुक के साथ वेश हेतु निधांतरत तिथि से कम से कम 7 दिन पहले कुलसिचव को आवेदन करना होगा। ii. जो परीक्षा दीक्षांत समारोह में 9यिगत CP से उपस्थित होने के लिए असमर्थ है, उह उनको अनुपस्थित में कुलपित ;ारा डिनि के लिए शामिल किया जाएगा और निधांतरत शुरुक का भुगतान करने पर उह कुलसिचव ;ारा माणपम दान किया जाएगा।

शुद्ध 4. दीक्षांत समारोह में डिनि के लिए 9यिगत CP से वेश का शुरुक विविधालय ;ारा समय-समय पर निधांतरत किया जाएगा।

मानद डिनि 5. i. मानद डिनि केवल दीक्षांत समारोह में ही दिदया जाएगा और इसे 9यिगत CP से लिया जा सकता है। ii. निजिना 9यिगत को दीक्षांत समारोह में मानद डिनि दान किया जाना है, उन पर कुलपित ;ारा अथवा उनको अनुपस्थित में विविधालय के वरपतम डीन ;ारा स्तुति दी जाएगी।

iii. दीक्षांत समारोह में परीक्षा उनको संबिधत डिनि के अनुसार उपयु: गाउन और टोपी पहनेगा। जो परीक्षा विविधालय ;ारा दीक्षांत समारोह के लिए निधांतरत पोशाक में नहीं होगा, उसे दीक्षांत समारोह में वेश नहीं दिदया जाएगा।

दीक्षांत समारोह 6. i. दीक्षांत समारोह में डिनि दान करने के लिए उपस्थित परीक्षार्थियों को औपचारिक CP से उनके कंठिया

संबिधत डिनि में वेश के लिए कुलाधिपित/कुलपित के समो स्तुत किया जाएगा। संबिधत विध्यापीठ के डीन अपने विध्यापीठ के निदणात निजिना को स्तुत करेंगे। कुलपित ;ारा इसी उद्देश्य से नामित सब महाविध्यालय के ाचाय विभिन्न डिनि के लिए स्नातक परीक्षार्थियों को स्तुत करेंगे। पदक और पुरस्कार ाउ करनेवालों का नाम कुलसिचव ;ारा पढ़ा किया जाएगा, जो परीक्षार्थियों को अनुपस्थित में उनके संबिधत डिनि में वेश हेतु उनको डिनि के लिए भी स्तुत करेंगे।

ii. कुलाधिपति, मुख्य रेटर, कुलपति, उप कुलपति (यदि कोई हो),
कुलसिचव, विर अधिकारी, विभापीठ के डीन और विविधालय
ाधिकरण के सदस्य विविधालय ;ारा उनके लिए निधातरत
विशेष वपहनगे और निनिलिखत म से दीांत समारोह गृह तक
शोभायामा म चलगे।

iii. कुलाधिपति, मुख्य रेटर, मुख्य अतिथि, कुलपति, उपकुलपति (यदि कोई हो), कुलसिचव, डीन,

iv. जब शोभायामा दीांत समारोह गृह म वेश करेगी, तब परीाथ और दशक खड़े हो जाएंगे और

v. जब कुलाधिपति और मुख्य अतिथि मौजूद ह, तब कुलपति उनका स्वागत करगे।

vi. दीांत समारोह का संबोधन नियु: वःा ;ारा दिया जाएगा।

विर अधिकारी और विविधालय ाधिकरण के सदस्य अपने लिए आरित 5थान पर आसन नहण करगे।

शोभायामा के सदस्य ;ारा उनके आसन नहण करने तक खड़े रहगे। क. कुलसिचव विविधालय के यवज के साथ ख. ाधिकरण के सदस्य ग. सभा के सदस्य घ. शैणिक पःरषद के सदस्य ङ. कायकाःरणी पःरषद के सदस्य च. विभापीठ बोर्ड के सदस्य छ. विभापीठ के डीन ज. पुस्तकालयाय य. परीाथ नियमक ज. विर अधिकारी ट. उप कुलपति ठ. कुलपति ड. मुख्य अतिथि ढ. चीफ रेटर ण. कुलाधिपति

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

41

vii. कुलाधिपति/कुलपतिसे अनुमित ाU होने पर कुलसिचव दीांत समारोह के ारभ क घोषणा करगे। उसके बाद कुलाधिपति/कुलपति कहगे, “परीाथिक को उपिथत किया जाए”।

viii. परीाथिक को उनके संबिधत िडिनय के लिए 5तुत करने के उःस से नियु: यि: निनिलिखत तरीके से निधातरत किए अनुसार 5तुत करगे। जब परीाथिक को पेश किया जाएगा तब वे खड़े हगे और उह= विर किए जाने तक खड़े रहगे।

“कुलाधिपति/कुलपति महोदया अथवा कुलाधिपति/कुलपति महोदय, मम आपके समO(संख्या) ाथिक को पेश करता/करती हँ िजनका परीाण होआ है और।.....िडनी (.....म= के 5नातक/िनतपात) के योय पाया गया है, िजसके लिए मम निवेदन करता/करती हँ िक अब उह= 5वीकार किया जाए”।

कुलाधिपति/कुलपति िडनी के लिए ाथिक को निनिलिखत शद म= 5वीकार करगे:

“िसिकम विविधालय के कुलाधिपति/कुलपति के Cप म= मुझ म= निहत शि:य के आधार पर मम आपको।िडनी ाU करने के लिए 5वीकार

करता/करती हूँ और आपको यह भार देता/देती हूँ कि आप अपने जीवन में और बातचीत में कभी भी अपने आप को इसके योग्यता दिशत कर सकता है।

इसके बाद अथ आप अपने अपने स्थान में रहेंगे।

ix. इसके पश्चात् कुलसिचव अथवा इसी उद्देश्य से नियुक्त कुलाधिपति/कुलपति को निम्नलिखित शर्तों में विभक्त डिप्लोमा के लिए अनुपस्थित में अतिथि को स्वीकार करने के लिए निवेदन करेंगे : “कुलाधिपति/कुलपति महोदय अथवा कुलाधिपति/कुलपति महोदय, अत्यंत अतिथि

को ओर से, निम्नका परीक्षण हुआ है और निम्नको डिप्लोमा करने के योग्य पाया गया है और अनुपस्थित में डिप्लोमा करने को अनुमित दी गई है, मैं निवेदन करता/करती हूँ कि उक्त उनके संबंधित डिप्लोमा के लिए स्वीकार किया जाए।

कुलाधिपति/कुलपति उन अतिथि को उनके संबंधित डिप्लोमा के लिए निम्नलिखित शर्तों में स्वीकार करेंगे :

“सिक्किम विधिवत अथवा कुलाधिपति/कुलपति के रूप में मुझमें निहित शिष्टाचार के आधार पर मैं अतिथि को उनके अनुपस्थित में उनके संबंधित डिप्लोमा के लिए स्वीकार करता/करती हूँ” x. सभी अतिथि को उनके डिप्लोमा, पदक और पुरस्कार के लिए स्वीकार किए जाने के बाद कुलसिचव धन्यवाद ज्ञापन करेंगे। इसके बाद कुलाधिपति/कुलपति अनुमित से कुलसिचव दीर्घांत समारोह के समापन को घोषणा करेंगे।

xi. इसके बाद शोभायात्रा विपरीत में दीर्घांत समारोह गृह से निकलेगी और तब तक स्नातक और दशक खड़े रहेंगे।

आई-4

मिहला

को पर

[सिक्किम विधिवत अथवा अधिनियम, 2006 क धारा 30 (ओ) के अधीन]

1. कुलपति को निम्नलिखित लक्ष्य एवं उद्देश्य को साकार करने में सहायता दान करने के लिए विधिवत अथवा एक मिहला को पक्ष स्थापना की जाएगी। i. लैंगिक संवेदीकरण।

ii. मिहलाओं के अधिकार के बारे में जागरूकता पैदा करना।

iii. नौकरी तथा कैरियर को अवसर में लिंग के आधार पर भेदभाव को रोकना।

iv. विधिवत अथवा यौन उत्पीड़न को रोकना।

v. लिंग के आधार पर किए गए भेदभाव अथवा उत्पीड़न के किसी भी मामले में आवश्यकता के अनुसार मध्यस्थता और निवारण करना। 9. यात्रा में टिप्पणी: “यौन उत्पीड़न” में कुछ इस तरह के अनियमित यौन व्यवहार शामिल हैं, जो निम्नलिखित हैं :

क) शारीरिक संपर्क और पहल करना

ख) यौन पधरता को मांग

ग) यौन रंगीन टिप्पणी

घ)अ\$ील साहिय िदखाना

ङ)यौन कृति के अय िकसी कार के अ\$ील शारीरक, मौखिक अथवा मौखिकेतर आचरण जो य अथवा परो 1प से िकसी मिहला को 2यिथत करता हो अथवा धमकाता हो अथवा उ*ह3 मानिसक तौर पर पीड़ित करता हो।

2.मिहला कोप का गठन िननानुसार होगा :

i.कुलपित ;ारा वरुप मिहला कमचार्य6 के बीच म= से नामित एक अययO, जो सह ाययापक अथवा उप-कुलसिचव के पद से कम 5तर के नहह हगे।

ii.पदेन सदस्य के Cप म= छाम करयाण डीन।

iii.कुलपित ;ारा छाम करयाण डीन क िसफ़ारश6 के आधार पर नामित िकए जाने वाले छाम समुदाय6 से संबिंधत दो मिहलाएँ।

iv.कुलपित ;ारा कमचारी समुदाय6 से चार 9यि: – दो गैर-िशOण समुदाय6 का ितिनिध1व करने वाले और दो िशOण समुदाय6 को ितिनिध1व करने वाले दो 9यि:, िजनम= से कम से कम एक मिहला होगी, नामित िकए जाएंगे।

v.कोप के अययO क िसफ़ारश6 के आधार पर कुलपित ;ारा मिहलाओं से संबिंधत मामल6 को िनपटाने म= िवशेषता रखनेवाले एक मनुनी िवशेष को नामित िकए जाएंगे।

vi.कोप के अययO क िसफ़ारश6 के आधार पर कुलपित ;ारा संबिंधत Oेम6 म= कायरत दो सामाजिक कायकताओं को नामित िकए जाएंगे। vii.जब कभी आवस्यकता हो, कुलपित के अनुमोदन से कोप ;ारा िकसी अय सदस्य6 को शािमल िकया जाएगा।

3.पदेन सदस्य6 को छोड़कर अय सदस्य6 का कायकाल तीन वष का होगा।

4.मिहला कोप क शि: एवं काय इस कार हगे :

i.लमिगक <याय और यौन उ1पीड़न के मु6 पर िव%िव&ालय समुदाय6 को जागCक बनाने के िलए आवस्यक सेमिनार, कायशाला, 9याहयान,

जागCकता िशिवर और इस तरह क अय गितिविधय6 का आयोजन करना।

ii.मिहलाओं और पुष6 के बीच एक सुरित और सौहाKपूण िशOण/काय का वातावरण बनाने के उपाय6 के बारे म= अययO, कायकारणी प?रषद को िसफ़ारश करना।

iii.यौन उ1पीड़न अथवा यौन भेदभाव के िखलाफ ाU िशकायत6 क जांच करना तथा यथासंभव िनवारणाथ आवस्यक कदम उठाना अथवा अययO,

कायकारणी प?रषद के समO अपनी िसफ़ारश6 के साथ इसके िनदकषc को 5तुत करना।

iv.जहां भी आवस्यक हो, िशकायत6 का समयब िनवारण करना।

v.जब कभी आवस्यकता हो, पीड़ित6 के योय परामशदाता को िनयु: करना।

vi.अपराध के दोषी 9यि: के िखलाफ कानूनी अथवा अनुशासनामक कारवाई के िलए यिद कोई थम Kत्या मामला हो तो अययO, कायकारणी

प?रषद को उसक ?रपोट करना और उस मामल6 को तािक क अंत दान करना।

vii.िव%िव&ालय समुदाय म= मिहलाओं के सामाअय करयाण के संबंध म= उपाय6 पर सुझाव देना और उसक सुरOा सुनिित करना।

5.काय के तौर-तरीके:

i.यौन उ1पीड़न अथवा यौन भेदभाव क घटना घटने क ितिथ से अधिकतम 30 िदन के अंदर संबिंधत पीड़ित6 को कोप के अययO के समO िशकायत दज करनी होगी। िकसी अवांछनीय प?रि5थित के बारे म=, जो 1यO अथवा परोO Cप से सामाअयत:

विश्वविद्यालय समुदाय के महिलाओं को भावित करता हो, उसका शिकायत किसी तृतीय पक्ष अथवा विश्वविद्यालय समुदाय के किसी सदस्य द्वारा भी दज कराई जा सकती है। ii. शिकायत कताओं के साथ बैठने का सुविधा तथा आवश्यकता के अनुसार विशेषज्ञ/प्रयावसायिक परामर्श दान करने हेतु कोष के लिए

विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले आवश्यक आसबाप से सुसज्जित एक नियमित कार्यालय स्थल होना चाहिए।

iii. एक वर्ष में कोष के कम से कम दो बैठकें होंगी। किसी भी अवसर पर आपातकालीन बैठक का आयोजन किया जा सकता है।

iv. यदि यह माना जाता है कि पारदर्शिता संबंधित पाठ्यक्रम को पढ़ो अथवा पढ़ो रूप से अपमानित करेगी, तो यौन उत्पीड़न का शिकायत के निपटान करते समय कोष को नियत गोपनीयता बनाई रखनी होगी।

6. बैठक का आयोजन:

i. गणपूर्ति: कोष के कुल सदस्यों का एक-तिहाई सदस्य, किंतु कोष के कम से कम चार सदस्य कोष के किसी बैठक के लिए गणपूर्ति बनाएँगे। ii. अयोग कोष के सभी बैठक का अयोगता करेगा। अयोग के अनुपस्थित में कोष के वर्यतम महिला सदस्य बैठक का अयोगता करेगी। iii. महिला कोष, जहां तक संभव हो, निम्नलिखित गए मामलों पर आम सहमत पर पहुंचने का कोशिश करेगा। हालांकि, जब कभी परणाम टाई हो, तो अयोग का मत निणायक मत होगा।

ओई-5

पूर्व

छात्र संघ

पर

[सिक्किम विश्वविद्यालय संविधायी, 2006 के धारा 38 के अधीन]

1. छात्र कल्याण डीन द्वारा संयोजित एक पूर्व छात्र संघ होगा।

2. पूर्व छात्र संघ के उद्देश्य निम्नानुसार होंगे:

क) विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और वर्तमान छात्रों के बीच समन्वय सेतु का सृजन करना, ख) पूर्व छात्रों को वर्तमान छात्रों के साथ बातचीत करने और मागदर्शन करने हेतु सत्र बनाना। ग) वर्तमान छात्रों को पुराने छात्रों के साथ उनके संपर्क से वैयक्तिक, शैक्षणिक और प्रयावसायिक तौर पर लाभ प्राप्त करने में सत्र बनाना, और घ) पूर्व छात्रों को शैक्षणिक, विव्रीय और शासिनक रूप से विश्वविद्यालय के निमाण में सहयोग देने के लिए सत्र बनाना, चूंकि विश्वविद्यालय के त्रिप्रा में उनका भी हिस्सेदारी है।

¹Hkkx III μ[k.M 4^o

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

43

3. विश्वविद्यालय द्वारा संघ के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक सुविधा दान करने का प्रयावस्था करेगा। छात्र कल्याण डीन पुराने छात्रों के स्थायी पते, टेलिफोन नंबर, ईमेल आईडी और वर्तमान निधुति के स्थितियों पर डेटा बैंक बनाएँगे और रखरखाव करेगा।

ओई-6

शिकायत

निवारण

पर

[सिक्किम विश्वविद्यालय अधिनियम, 2006 के धारा 30(ओ) के अधीन]

1. विधिवत न्यायालय के किसी कमचारी अथवा छात्र, जो विधिवत न्यायालय के किसी अधिकारी अथवा किसी अधिकारी द्वारा लिए गए किसी निणय से ग्रथित होता है, ऐसे आदेश अथवा ऐसे 5ताव क तित ाउ होने क तितथ से 7 िदन के अंदर उचित मायम से अपने अयावेदन के समथन म= मामल6 से संबिधत किसी द5तावेजी साय के साथ-साथ ऐसे आदेश6 से किस कार भावित होते हm, उसका 5पत उरलेख करते हंए कुलसिचव को अयावेदन कर सकता है।
2. अयावेदन क जांच हेतु कुलसिचव अयावेदन ाउ होने क तितथ से सात िदन का अंदर उसे शिकायत निवारण कोप को अनेषित कर=गे।
3. शिकायत निवारण कोप इस तरह के संदभ ाउ होने क तितथ से 15 िदन के अंदर कुलसिचव को अयावेदन पर अपनी सफ़ाश= 5तुत करेगा।
4. शिकायत निवारण कोप क रपोट को कायकारणी पशषद क अगली बैठक म= 5तुत क जाएगी, उस मामल6 म= जिसका निणय अंतिम होगा।
5. कुलसिचव से किसी अयावेदन ाउ करने के बाद कोप निनकार से एक सिमित का गठन करेगा:
 - i. अययO, शिकायत निवारण कोप और समवयक िजससे अपीलकता का संबंध हो
 - ii. संघ के तितनिध,
 - iii. अपीलकता द्वारा नामित
 - iv. वशपतम डीन
 - v. कुलपित, द्वारा नामित किए जाने वाले एससी/एसटी/ओबीसी अधिकारी, जो -

संबिधत नहं है।

ओई-7
शोध
पारयोजना
पर

[सिकम विधिवत न्यायालय अधिनयम, 2006 के धारा 5 (xv) के अधीन]

1. एक “शोध पशयोजना” यहाँ सरकारी, अ-सरकारी, 5वायव निकाय6, सावजनिक खंड उपजम6, सावजनिक/निजी िलिमटेड कंपनी, निजी <यास/फ़ाउंडेशन और पंजीकृत निकाय6 द्वारा विरपोषित किसी “योजना” अथवा “पशयोजना” के Cप म= पशरभाषित है। ऐसी पशयोजनाओं का विरपोषण निनिलिखत उषेय6 के िलए िकया जाएगा :

- क) शैणिक अनुसंधान,
- ख) ौविक का विकास,
- ग) निगरानी और मूरयांकन काय,
- घ) शिण और विकास गितिविधयां,
- ङ) काय शोध सहित वि5तार गितिविधयां, और
- च) सवण और लेखन काय।

2. किसी बा सं5था से विरीय सहायता (यहाँ, इसके बाद धान अवेषक अथवा पीआई के Cप म= अथवा ऐसे अय पदनाम से पशरभाषित हंगे, जैसा िक विरपोषित एज=सी द्वारा िदया गया हो) क मांग करने के िलए इच्छुक शिणक संबिधत विरीय/ायोजित सं5था क अपेाओं के अनुसार पशयोजना 5ताव तैयार कर=गे।

3. यदि पत्रयोजना 5ताव आवेदक ;ारा विविधवत माणित हो िक यदि अंततः पत्रयोजना का विर पोषण िक्या जाता है तो पत्रयोजना का काय विभाग म= िक्या जाना संभव है तो पत्रयोजना को विभाग के अय्यो/भारी ;ारा (अथवा, यदि पीआई अय्यो/भारी होने क िस्थित म= डीन ;ारा) अनेषित िक्या जाएगा, डीन होने क िस्थित म= कुलपित/कुलसिचव ;ारा अनेषित िक्या जाएगा।
4. कुलसिचव अपने कार्यालय सामिनय 6 पर एक अनेषण पम के साथ 5ताव को विर पोषण एज=सी को णेषित कर=गे।
5. जब कोई बड़ी पत्रयोजना हासिल िकए जाने पर यदि विर पोषित एज=सी एक सहमित ञापन अथवा ऐसे िकसी अय उपकरण 6 का िनदपादन करने के िलए िनधातरत िक्या जाता है, तो विर वि&ालय के विविधक को ;ारा विविधवत जांच क जाने के बाद विर वि&ालय ह5ताOR करने पर विचार करेगा।
6. विर वि&ालय विरपोषित एज=सिय 6 ;ारा देय के अनुसार ओवरहेड भार का दावा करेगा। धान अवेषक ओवरहेड राशि के अधिकतम 50% क कुल राशि का दावा करने के िलए हकदार ह6गे जिसे पत्रयोजना के िलए फनचर और कार्यालय सामिनय 6 के ङ के िलए इ5तेमाल िक्या जाएगा।
7. 1. येक ायोजित पत्रयोजना के िलए विर वि&ालय का अलग अलग बमक खाते ह6गे। 1. येक पत्रयोजना म= िकए गए लेन-देन पर िनकटता से िनगरानी रखी जाएगी और पत्रयोजना रपोट क 5तुति पर विर पोषित सं5थान 6 को लेखा परीORक क रपोट तथा उपयोगिता माणपम सहित लेखाओं क अंतिम िनपटान 5तुत क जाएगी। अंतिम पत्रयोजना लेखाओं को 5वीकार करने के बाद विर पोषित सं5थान 6 को सूचित करते होए बमक खाते को बंद िक्या जाएगा।
8. धान अवेषक और आहरण और वितरण अधिकारी यह सुनिश्चित कर=गे िक सभी आविधक रपोट और रटन को िनधातरत समय 6 के अंदर ायोजक एज=सी को अनेषित िक्या जा रहा है।
9. इस अय्यादेश के उपरो: ावधान 6 के अंतगत शािमल नह हो पाये िकसी भी मामल 6 को कुलपित को णेषित िक्या जाएगा और उस पर उनका िनणय अंतिम होगा।

टी. के.
कौल, कुलसिचव
[विज्ञापन
III/4/असा./443/
16]

SIKKIM UNIVERSITY

ORDINANCE

Sikkim, the 31st January, 2017

THE SIKKIM UNIVERSITY FIRST ORDINANCES 2016

OA SERIES ON DEPARTMENTS AND SCHOOLS

No. SU/2007/REG-03/GN-025/923/1728.—The following is published for general information:—

OA-1

ON THE DEPARTMENTS

[Under Section 15(5) (b) of the SU Statutes, 2006]

Constitution 1. Each Department shall consist of the faculty members of the Department and such other persons as may be designated as members of the Department by the School Board on the recommendations of the Department concerned.

Duties of the 2. Duties of the Department shall be:**Department**

- i. To admit students shortlisted by the Central Admission Committee to various programmes offered by the Department and to lay down the procedure for such admissions subject to overall supervision of the Central Admission Committee;
- ii. To approve the schedule of classes and continuous evaluation for each course offered by the Department;
- iii. To make proposals to the Academic Council on the creation and abolition of teaching posts;
- iv. To consider and recommend research proposals for MPhil and PhD degrees to the Board of Studies;
- v. To frame the syllabi for various courses and suggest revisions on the same from time to time;
- vi. To constitute committees from its members and to assign to these committees specific roles for smooth functioning of the Department;
- vii. To appoint from amongst its teachers adviser/mentor to students;
- viii. To propose schemes for improvement of the standards of teaching and research in the subject; and
- ix. To perform such other functions as may be assigned to it by the concerned Board of Studies, the Dean or the Vice-Chancellor.

Overall 3. The academic work load for every faculty shall not be less than 90 teaching **Workload** days in a semester. A teacher shall be available for at least 5 hours daily in the University/College for teaching, consultation or any other functions that may be assigned to him by the Head.

¹Hkkx IIIμ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

45

Work Unit 4. Each lecture shall be of one hour's duration. Practical classes of 90 minutes shall be counted as one hour of duty.

Number of 5. No supervisor shall have more than 5 MPhil scholars at any given time. **MPhil and** Professors, Associate Professors and Assistant Professors may be allotted, on **PhD** completion of their probation, a maximum of 8, 6 and 4 PhD scholars **Students** respectively, or as prescribed by the UGC from time to time.

Quorum 6. The quorum for meeting shall be one-third of the total members, subject to a minimum of two of which one may be the Dean of the concerned School in case of Departments with very few faculty members.

OA-2

ON THE HEADS OF DEPARTMENTS

[Under Section 30 (I) of the SU Act, 2006]

1. Every Department shall have a Head, appointed by the Vice-Chancellor in consultation with the Dean of the School and according to seniority by rotation, for a period of three years. The Head shall be at least of Associate Professor level. Where there are no Professors or Associate Professors in a Department, the Assistant Professors shall be appointed as In-Charge of the Department according to their seniority.
2. The Head/In-Charge of the Departments shall perform, under the general guidance of the concerned Dean, the following functions:
 - i. Convene and preside over meetings of the Department, prepare the minutes, implement the decisions of the Department and present the ATR in the next meeting.
 - ii. Organise teaching and research work in the Department;
 - iii. Allocate teaching work to the teachers in the Department and assign to them such other duties as may be necessary for the proper functioning of the Department;
 - iv. Communicate on behalf of the Department with all other departments and Authorities of the University;
 - v. Coordinate the functioning of Departmental Committees appointed by him for specific purposes; and vi. Perform such other duties as may be assigned to him by the Dean and the Vice-Chancellor.
3. The Head/In-Charge shall submit their applications for Casual Leave and Special Casual Leave to their respective Deans. For all other leaves they shall submit their applications to the Vice-Chancellor through the Dean.

4. The Head/In-Charge shall, when out of station or indisposed for duty, give the charge to his immediate junior colleague.

OA-3

ON THE BOARDS OF STUDIES

[Under Section 16 of the SU Statutes, 2006]

Composition	1. The Board of Studies of each Department shall comprise i. Head of the Department; ii. All Professors of the Department; iii. One Associate Professor and two Assistant Professors of the Department by rotation, on the basis of seniority; iv. One teacher each from other departments within the School on the recommendation of the Department concerned; and v. Not more than three teachers teaching the concerned subject from affiliated colleges nominated by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Director, College Development Council. vi. Not more than three teachers nominated by the Vice-Chancellor from colleges/universities outside Sikkim, provided that at least one such teacher shall be from the region and others from rest of the country.
Term of	2. The term of office of members, other than the Head of the Department and the Office Professors, shall be three years. However, the members from the Department may be re-nominated if the number of teachers in the Department is not large enough for rotation.
Chairman	3. Head of the Department shall be the Convener and ex-officio Chairman of the Board. The Vice-Chancellor may also appoint any teacher of the University as Convener and ex-officio Chairman of the Board for subjects that are not taught at the University level and assign the Board to any School that he may deem fit.
Functions	4. The functions of the Board shall be: i. To recommend to the School Board all matters related to undergraduate and postgraduate courses of studies offered in the concerned subject in the University; ii. To recommend to the School Board panel of examiners for the undergraduate, integrated, postgraduate, MPhil and PhD programmes; iii. To consider and recommend to the School Board research proposals for MPhil and PhD degrees; iv. To recommend to the Board of the School measures for the improvement of undergraduate and postgraduate teaching; and v. To perform such other functions as may be assigned to it by the School Board, the Academic Council, the Executive Council and the Vice-Chancellor.
Quorum	5. The quorum for the meeting of the Board shall be one-third of the total members.
Meeting	6. The Board shall be convened at least once in each semester. Notice of the meetings of the Board shall be issued at least 14 days before the date fixed for the meeting.
Minutes	7. The Chairman of the Board shall keep the minutes of the meetings of the Board, implement the decisions and present the Action Taken Report in the next meeting.

OA-4

ON THE SCHOOL BOARDS

[Under Section 15 (3) of the SU Statutes, 2006]

Composition of the School Board	1. The School Board shall consist of i. Dean of the School; ii. Heads/In-charge of the Departments in the School; iii. All Professors in the School; iv. One Associate Professor and one Assistant Professor from each of the Departments by rotation on the basis of seniority;
--	--

- v. One representative each of the Boards of two other Schools closely related with the School, to be nominated by the Vice-Chancellor on the recommendations of the concerned Dean; and
- vi. Not more than three teachers, including retired teachers nominated by the Vice-Chancellor, who have expertise in the subjects around which the departments in the School are organised and who are not employees of the University or of any of its affiliated colleges/institutions.

Provided that ordinarily at least one person shall be from the region and the rest from the rest of the country.

Terms of	2. The term of office of members, other than that of Dean, Heads of Departments Office and Professors shall be for three years.
Chairman	3. The Dean of the School shall be the Chairman of the Board.
Powers and Functions	4. The powers and functions of the Board shall be as follows: i. To recommend to the Academic Council on various courses of study for various degrees that may be offered by the Departments through their Boards of Studies; ii. To recommend to the Academic Council the creation or abolition of teaching posts and consider research proposals for PhD registration received from the Boards of Studies under the School;
¹ Hkkx IIIμ[k.M 4°	Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k
	iii. To consider schemes for the advancement of the standards of teaching and research and to submit the same to the Academic Council for its consideration; iv. To recommend examiners for appointment for all courses including research degrees offered by the Departments, on the recommendation of the Boards of Studies of the concerned Departments; v. To recommend to the Academic Council the award of research degrees to candidates who have been found qualified and fit to receive such degrees; vi. To consider and act on any proposal regarding the welfare of the students of the School; vii. To perform all other functions which may be prescribed by the Act, Statutes and the Ordinances, and to consider all such matters as may be referred to it by the Academic Council, the Executive Council or the Vice-Chancellor; and viii. To delegate to the Dean, or to any other member of the Board or to a Committee, such powers, general or specific, as may be decided by the Board from time to time.
Meetings	5. i. The Board shall hold at least one meeting in each semester; vii. The Dean may convene special meetings of the Board at his own initiative, or at the suggestion of the Vice-Chancellor or on a written request from two-third members of the Board.
Quorum	6. The quorum for the meeting of the Board shall be one-third of its total members.
Notice	7. Notice for any meeting of the Board shall be issued at least 14 days before the date fixed for the meeting. However, emergency meetings may be convened, with the approval of the Vice-Chancellor, to consider an urgent matter with a notice of 3 days.

47

OA-5

ON THE DEANS OF SCHOOLS

[Under Section 5 of the SU Statutes, 2006]

- The Dean of the concerned School, in addition to his normal duties as a teacher of a Department, shall:
- i. Coordinate and generally supervise the teaching and research work in the School through the concerned Heads and In-charges of Departments;
 - ii. Maintain discipline in the classrooms through the Heads of Departments;
 - iii. Be overall in-charge of the examinations in respect of the Departments under the School in accordance with such directions as may be given by the Academic Council from time to time;
 - v. Convene and preside over the meetings of the School Board(s), keep the minutes of the meetings and

implement the decisions of the Board. He shall also prepare the ATR and submit it in the next meeting of the Board.

- vi. Perform such other academic and administrative duties as may be assigned to him by the Academic Council, the Executive Council or the Vice-Chancellor from time to time.

OA-6

ON THE ASSIGNMENT OF DEPARTMENTS TO SCHOOLS [Under Section 15 of the SU Statutes, 2006]

The assignment of the Departments to the Schools shall be as follows. Assignment of any new department to a School in future shall be with prior approval of the UGC.

- 1. School of Social Sciences**
 - i. Department of Economics
 - ii. Department of History
 - iii. Department of Law
 - iv. Department of Social Work
 - v. Department of Sociology
 - vi. Department of International Relations
- vii. Department of Political Science
- viii. Department of Peace and Conflict Studies and Management
- 2. School of Life Sciences**
 - i. Department of Botany
 - ii. Department of Biotechnology
 - iii. Department of Horticulture
 - iv. Department of Microbiology
 - v. Department of Zoology
- 3. School of Physical Sciences**
 - i. Department of Chemistry
 - ii. Department of Computer Applications
 - iii. Department of Geology
 - iv. Department of Mathematics
 - v. Department of Physics
- 4. School of Languages and Literature**
 - i. Department of Bhutia
 - ii. Department of Chinese
 - iii. Department of English
 - iv. Department of Hindi
 - v. Department of Lepcha
 - vi. Department of Limbu
 - vii. Department of Linguistics
 - viii. Department of Nepali
- 5. School of Human Sciences**
 - i. Department of Anthropology
 - ii. Department of Geography
 - iii. Department of Psychology
- 6. School of Professional Studies**
 - i. Department of Architecture
 - ii. Department of Management
 - iii. Department of Commerce
 - iv. Department of Music
 - v. Department of Education
 - vi. Department of Library and Information Science
 - vii. Department of Mass Communication
 - viii. Department of Tourism

OA-7**ON THE DEANS' COMMITTEE**

[Under Section 22 of the SU Statutes, 2006]

The University shall constitute a Committee of Deans of the University to be known as the Deans' Committee.

Composition of the officio Committee if any

1. The Deans' Committee shall consist of the following:

- | | | |
|--------------------------|---|----------------------|
| i. The Vice-Chancellor | – | Chairman, ex-officio |
| ii. All Deans of Schools | – | Members, ex-officio |
| iii. The Registrar | – | Member-Secretary |
| iv. The Finance Officer | – | Permanent Invitee |

Functions

2. The functions of this Committee shall be as follows:

- Consider the policies on applications of teachers of the University for financial support to attend national and international conferences;
- Consider policies on matters arising from conduct of examination, results, etc. of the undergraduate, integrated, postgraduate, MPhil and PhD students;
- Consider and recommend to the Finance Committee the distribution of funds for books and journals, laboratories, maintenance grant to

'Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

49

Departments, and special allocations, if any, among Schools and Departments;

iv. Consider and recommend to the Academic Council/Executive Council the allocation of teaching/non-teaching posts sanctioned by the UGC;

v. Consider general administrative and financial matters relating to functioning of Schools and Departments; and

vi. Such other matters as may be assigned to it by the Executive Council or referred to by the Vice-Chancellor.

Meeting

3. The meetings of the Committee shall be convened by the Member-Secretary.

Quorum

4. The quorum for the meeting of the Committee shall be one third of its members.

OB SERIES ON TEACHERS, OFFICERS AND STAFF

OB-1

ON THE SCREENING AND SELECTION OF

TEACHERS [Under Section 18 of the SU Statutes, 2006]

Screening of the applications:

- All applications shall be received by the University online and shall be processed in a transparent manner.
- If the number of eligible candidates called for interview against the first advertisement is less than three in all, the post shall be re-advertised with the stipulation that candidates who have applied earlier need not apply again. In such cases, the Vice-Chancellor shall also initiate personal contact with other scholars, including vice-chancellors of other universities, for eligible candidates so that interview can be held. However, if the total number of eligible candidates is less than three even after the post is readvertised interview may be held even with less than three eligible candidates.
- The initial screening of candidates shall be done by an officer of not less than an Assistant Registrar's rank, who will take the help of at least two faculty members of the concerned department.
- All eligible candidates shall be invited to teach the students of concerned department on a topic related to their syllabus for the semester for 10-20 minutes each and participate in group discussion. They will be ranked by the students and faculty members and only the top six candidates will be interviewed and paid TA. In case of SC, ST or OBC posts the University may invite 10 eligible candidates per post.
- All eligible candidates shortlisted for interview shall be informed through email and sms about the venue and date of interview at least two weeks ahead of the date of interview. The list will also be uploaded in the University website.
- The Vice-Chancellor, under special exigencies to be recorded, may invite one or more candidates, not otherwise shortlisted but eligible, for interview.

Selection Committee:

- i. The composition of the Selection Committee shall be as notified by the UGC/MHRD from time to time;
- ii. The Chairman of the Selection Committee shall fix the date and venue of the meeting.
- iii. Ordinarily, a week's notice shall be given to the members.
Provided that the meetings of the Selection Committee shall be fixed only after ascertaining the convenience of the nominee of Visitor.
Provided further that the proceedings of the Selection Committee shall not be valid unless there is quorum as per the Statutes of the University.
- iv. The Selection Committee shall make recommendations as to the suitability of the candidates for consideration of the Executive Council.
- v. The decision of the Selection Committee shall be arrived by a majority vote. In case there is a tie, the Chairman shall exercise a casting vote.
- vi. The Chairman shall have the power to lay down procedures in respect of matters not specified in these Ordinances.
- vii. The Selection Committee shall interview the candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, and OBC before other candidates are interviewed. The Selection Committee shall also have one member from the reserved category if the committee does not already have a member from the reserved category.
- viii. The Selection Committee may, for reasons to be recorded, consider the curriculum vitae of a candidate in absentia and make recommendations for consideration of the Executive Council.
- ix. Every Selection Committee shall be competent to adopt its own procedure regarding the mode of assessment of the candidates presented before it.
- x. If more candidates than the number of vacancies are selected, the Selection Committee shall prepare a panel containing names of candidates in order of preference. The extra candidates found suitable shall constitute the reserve list. The reserve list shall remain confidential till an occasion arises for its use or till one year from the date of interview and shall not be used for appointments against posts other than those advertised.
- xi. The proceedings of the Selection Committee shall be treated as confidential till the EC has taken its decision on the same.

OB-2

**ON THE SERVICE CONDITIONS, SALARY SCALES,
CLASSIFICATIONS AND QUALIFICATIONS OF
TEACHERS** [Under Section 23 of the SU
Statutes, 2006]

Members of the Teaching Staff

1. The members of the Teaching Staff shall be designated as follows:
 - i. Professor
 - ii. Associate Professor
 - iii. Assistant Professor

Professor

Scales of Pay

2. The Scales of Pay for the teaching staff shall be as prescribed by the UGC/MHRD, Government of India from time to time and adopted by the University. In addition to pay such other allowances, increments, facilities and perks will be admissible to the teachers as notified by the UGC/MHRD, Government of India/University from time to time.

Qualification

3. The qualifications for the post of Professors, Associate Professors and Assistant Professors shall be as prescribed by the UGC from time to time.

Teacher to be whole time employees

4. i. For the purpose of this Ordinance "teacher" means a whole-time salaried whole time teacher of the University and shall devote his whole time to the University.
- ii.

No whole-time salaried teacher of the University shall, without the permission of the Executive Council, engage directly or indirectly in any trade or business whatsoever or any private tuition or other work to which any emolument or honorarium is attached.

Provided that nothing in this Ordinance shall apply to work undertaken in connection with the examination of universities or learned bodies or Public Service Commissions or to any literary work or publication or radio talk or

		extension lectures or any other work with the permission of the Vice-Chancellor.
Nature of Duties	5.	i. Every teacher shall undertake such activities of the University and perform such duties in the University as may be required under this Ordinance or as directed by the Authorities of the University from time to time. ii. Teaching and evaluation of test papers, assignments, setting papers and evaluation of papers/dissertations submitted by his students, including conduct of practical examinations, shall be the duty of a teacher. In addition he is expected to do research, attend seminars and workshops, and publish his findings in reputed journals and in books. iii. A teacher is also expected to participate, without extra remuneration, in various committees and such activities as directed by the Head or Dean concerned and the Vice-Chancellor.
Probation	6.	The probation period for all teachers shall be one year from the date of assuming the charge of the post. Provided that the Executive Council may, for reasons to be recorded, waive the condition of probation or keep a teacher on probation for more than one year.
		¹ Hkkx IIIµ[k.M 4 ^o Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k
Confirmation	7.	i. It shall be the duty of the Registrar to place before the Executive Council the case of confirmation of a teacher on probation. ii. The Executive Council may either confirm a teacher or decide not to confirm him. Where the Executive Council decides not to confirm the teacher, he shall be informed in writing to that effect at least 30 days before the completion of the probation period. Provided that the decision not to confirm a teacher shall require a two-third majority of the members of the Executive Council present and voting. iii. A teacher appointed by the Executive Council under Statute 19 shall be deemed to be confirmed with effect from the date he joins duty.
Increment	8.	Every teacher shall draw increment in his scale of pay, unless it is withheld or postponed by a resolution of the Executive Council on a reference by the Vice-Chancellor, and after the teacher has been given sufficient opportunity to make his written representation. Provided that advance increments shall be admissible to those who enter the University system with select professional degrees, MPhil and PhD degrees, or acquire the same afterwards, in the scale and norm prescribed, and from such dates as provided for, in the UGC Guidelines issued from time to time.
Age of Retirement	9.	The age of retirement for a teacher shall be 65 or as per UGC/MHRD order issued from time to time.
Resignation	10.	A teacher may terminate his engagements by giving the Vice-Chancellor three months' notice in writing. Provided further that if the notice period ends in the middle of a semester the teacher concerned may be released only at the end of the semester.
Contract	11.	i. A written contract between a teacher and the University will be required to be signed. If a contract is not executed by a teacher for any reason, he shall be governed by the general principles like equity, fair play, the overall academic interests of the students, harmonious functioning of the institution and healthy development of the University. ii. Special contract: Notwithstanding anything contained in this Ordinance, the Executive Council may, in special cases, appoint teachers on contract on such terms and conditions as it may deem fit. Such teachers shall execute a contract. Provided that no appointment shall be made under this clause for a period exceeding five years at a time.
Retirement Benefits	12.	A teacher of the University shall be entitled to such retirement benefits and leave encashment as prescribed by the UGC/MHRD from time to time.

OB-3**ON GOVERNING LEAVE TO TEACHERS OF THE UNIVERSITY** [Under Section 21 of the SU Statutes, 2006]**A. Permanent Teachers**

- Kinds of Leave**
1. i. The following kinds of leave shall be admissible to permanent teachers:
 - a. Leave treated as duty
 - (i) Casual Leave,
 - (ii) Special
 - (iii) Duty Leave
 - b. Leave earned by duty
 - (i) Earned Leave
 - (ii) Half-pay Leave, and
 - (iii) Commuted Leave
 - c. Leave not earned by duty
 - (i) Extra-ordinary Leave, and
 - (ii) Leave not due
 - d. Leave not debited to leave account
 - (i) Leave for academic pursuits
 - (a) Study Leave, and
 - (b) Sabbatical Leave
 - (ii) Leave on grounds of health
 - (a) Maternity leave
 - (b) Paternity leave, and
 - (c) Child care leave
 - ii. The Executive Council may, in exceptional cases, grant any other kind of leave subject to such terms and conditions as it may deem fit.
- Casual Leave 2.**
- i. Casual Leave granted to a teacher shall not exceed 4 days in a semester and 8 days in an academic year.
 - ii. Casual Leave cannot be combined with any other kind of leave except Special Casual Leave. However, such leave can be combined with holidays, including Saturdays and Sundays. Holidays or Sundays falling within the period of casual leave shall not be counted as casual leave.
- Special Leave**
3. i. Special Casual Leave, not exceeding 5 days in a semester and 10 days in a year, may be granted to a teacher (a) to conduct examination of another university, Public Service Commission, Board of Examination or other similar bodies/institutions, and (b) to inspect academic institutions attached to a statutory board. In computing the leave, the days of actual journey shall be excluded.
 - ii. In addition, special casual leave may also be granted (a) to undergo sterilization operation (vasectomy or salpingectomy) under family welfare programme, leave in which case will be restricted to 6 working days; and (b) to a female teacher who undergoes non-puerperal sterilization. Leave in this case will be restricted to 14 days.
 - iii. Special casual leave cannot be accumulated, nor can it be combined with any other kind of leave except casual leave. It may be granted in combination with holidays or vacation.
- Duty Leave**
4. i. The duration of Duty Leave shall ordinarily not exceed 7 days in a semester (excluding holidays and days of travel) and should be such as may be considered necessary by the sanctioning authority on each occasion.
 - ii. Duty Leave may be granted for the following purposes:
 - a. Attending conferences, congresses, symposia, workshop and seminars on behalf of the University or with the permission of the University;
 - b. Delivering lectures at the invitation of institutes or universities;
 - c. Participating in a delegation or working on a committee appointed by the Government of India, State Government, the University Grants

Commission, or any other academic institution, and also for attending meetings in the UGC, MHRD etc.

d. For performing any other duty of the University assigned by the Vice-Chancellor.

iii. Duty Leave shall be sanctioned by the Vice-Chancellor.

iv. The application for duty leave shall be recommended by the Head of the Department and forwarded by the Dean of the School to the Vice-Chancellor after taking into account the academic needs of the Department. While recommending the application, the Head of the Department shall specify that alternative arrangements for the academic duties of the faculty member concerned have been made without asking for a substitute/extra academic position.

v. Duty leave may be combined with earned leave, half-pay leave or extra-ordinary leave.

Earned 5. i. Earned Leave admissible to a teacher shall be 1/30th of actual service **Leave** including vacation plus 1/3rd of the period, if any, during which he is required to perform duty during vacation.

For purposes of computation of period of actual service, all periods of leave except casual, special casual and duty leave shall be excluded.

¹Hkkx IIIμ[k.M 4^o

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

53

ii. Earned Leave of a teacher shall not accumulate beyond 300 days. The maximum earned leave that may be sanctioned at a time shall ordinarily not exceed 60 days. Earned leave exceeding 60 days may, however, be sanctioned in the case of higher study or training or leave on medical certificate or when the entire leave or a portion thereof is spent outside India.

Half-Pay 6. Half-pay leave admissible to a permanent teacher shall be 20 days for each **Leave** completed year of service. Such leave may be granted on medical certificate, private affairs or for academic purposes.

Note: A "completed year of service" means continuous service of specified duration under the University and includes periods spent on duty as well as leave including Extra-Ordinary Leave.

Commuted 7. Commuted leave not exceeding half the days of half-pay leave due shall be **Leave** granted on medical certificate to a permanent teacher subject to the following conditions:

i. Commuted leave during the entire service shall be limited to a maximum of 240 days.

ii. When commuted leave is granted, twice the amount of such leave shall be debited against the half-pay leave due; and

iii. The total duration of earned leave and commuted leave taken in conjunction shall not exceed 240 days at a time.

Provided that no commuted leave shall be granted under this Ordinance unless the authority competent to sanction leave has reason to believe that the teacher will return to duty on its expiry.

Extra-Ordinary Leave 8. i. A permanent teacher may be granted extra ordinary leave:
a. When no other leave is admissible; or
b. When other leave is admissible but a teacher applies in writing for the grant of extra-ordinary leave.
c. Extra-ordinary leave shall be granted to a teacher for holding a salaried appointment or a fellowship outside the University for more than three months at a time.
ii. This leave can be allowed only to a teacher who has been confirmed in the post held by him and has served the University for a period of at least three years.
Provided further that such leave shall not be granted unless a teacher has returned and served for the number of months/years for which extra-ordinary leave was granted earlier.

The application for such leave shall be sent through the Dean of the School concerned who shall give his recommendations taking into account the strength of the teaching staff in the Department. Except in very special cases, at no time more than 10% of the strength of the teachers in the Department shall be allowed to be absent on extra-ordinary leave, study leave and sabbatical leave.

In case of his failure to return to duty at the end of the period of leave sanctioned to him, the services of a teacher shall be liable to be terminated from the date of commencement of the period of leave granted to him. He shall also refund to the University, pay and allowances, if any, received by him during the leave (including other kinds of leave taken in continuation) sanctioned to him for the purpose.

- iii. a. The Executive Council may also grant, at its discretion, extra-ordinary leave to a permanent teacher who has been selected for a teaching or research assignment in a university, research institute or other similar important institution in India or abroad provided he has served the University for a period of at least three years and the application has been duly forwarded by the Dean;

b.

The leave in such cases shall not exceed a maximum period of two years;

- c. Notwithstanding any other leave which may be due to a teacher of the entire period for which the teacher holds the appointment outside the University shall be without pay; and

- d. The period so spent shall not be counted for increment but shall count for seniority. The period shall not also count for pensionary/ contributory provident fund benefits unless the pension / contributory provident fund contributions are paid by the teacher or the foreign employer.

- iv. The total amount of extra-ordinary leave granted to a teacher shall not exceed five years during his entire service.

- v. Extra-ordinary leave shall always be without pay.

- vi. Extra-ordinary leave may be combined with any other leave except casual leave and special casual leave provided that the total period of continuous absence from duty or leave (including periods of vacation) shall not exceed three years except in cases where leave is taken on medical ground. The total period of continuous absence from duty shall in no case exceed five years in all.

- vii. The authority empowered to grant leave may commute retrospectively period of absence without leave into extra-ordinary leave.

Leave-not- due 9.

- i. Leave not due may, at the discretion of the Vice-Chancellor, be granted to a permanent teacher for a period not exceeding 360 days during the entire service out of which not more than 90 days at a time and 180 days in all may otherwise be on medical certificate. Such leave may be debited against the half-pay leave earned by him subsequently.

Provided that the teachers who are appointed on probation against substantive posts be treated as 'Probationers' for the purpose of granting leave not due.

- ii. Leave not due shall not be granted unless the Vice-Chancellor is satisfied that the teacher will return to duty on the expiry of the leave and earn the leave granted.

- iii. A teacher to whom leave-not-due is granted shall not be permitted to tender resignation from service so long as the debit balance in his leave account is not covered by active service, or he refunds the amount paid to him as pay or allowances for the period not so earned. Where retirement is unavoidable on account of reason of ill-health incapacitating the teacher for further service, refund of leave salary for the period of leave to be earned may be waived by the Executive Council.

Provided that the Executive Council may waive, for reasons to be recorded, the refund of leave salary for the period of leave still to be earned.

Study Leave

10. i. The scheme of Study Leave provides an opportunity to avail of scholarships/fellowships awarded to the faculty who wish to acquire new knowledge and to improve analytical skills. When a teacher is awarded a scholarship or stipend (by whatever nomenclature used) for pursuing further studies leading to Ph.D / Post-doctoral qualification or for undertaking research project in a higher education institution abroad, the amount of the scholarship/ fellowship shall not be linked to the recipient's pay/ salary paid to her / him by his / her parent institution. The awardee shall be paid salary for the entire duration of fellowship/ scholarship, provided of course s/he does not take up any other remunerative jobs like teaching, in the host country.

ii. A teacher on Study Leave shall not take up, during the period of that leave, any regular or part-time appointment under an organisation in India or abroad. S/he may however be allowed to accept a fellowship or a research scholarship or an ad hoc teaching and research assignment with honorarium or any other form of assistance, other than regular employment in an institution either in India or abroad, provided that the Executive Council of his / her parent institution may, if it so desires, sanction study leave on reduced pay and allowances to the extent of any receipt in this regard, in lieu of teaching etc., which may be determined by his / her employer.

¹Hkkx IIIμ[k.M 4^o

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

55

iii. Study leave may be granted to entry-level appointees as Assistant professor /Assistant Librarian/Assistant Director of Physical Education and Sports/College DPE&S (other than an Associate Professor or Professor of a university/college/institution, who is otherwise eligible for sabbatical leave) after a minimum of three years of continuous service, to pursue a special line of study or research directly related to his / her work in the university/college/institution or to make a special study of the various aspects of university organization and methods of education giving full plan of work.

iv. Study Leave shall be granted by the Executive Council on the recommendation of the Head of the Department concerned. The leave shall not be granted for more than three years in one spell, save in very exceptional cases, in which the Executive Council is satisfied that such extension is unavoidable on academic grounds and necessary in the interest of the university/college/institution.

v. Study Leave shall not be granted to a teacher who is due to retire within five years of the date on which s/he is expected to return to duty after the expiry of study leave.

vi. Study Leave may be granted not more than twice during one's career.

However, under no circumstances, shall the maximum period of study leave admissible during the entire service exceed five years.

vii. Study Leave may be granted more than once provided that not less than five years have elapsed after the teacher returned to duty on completion of earlier spell of study leave. For subsequent spell of study leave, the teacher shall indicate the work done during the period of earlier leave as also give details of work to be done during the proposed spell of study leave.

viii. No teacher who has been granted Study Leave shall be permitted to alter substantially the course of study or the programme of research without the permission of the Executive council. In the event of the course of study falls short of study leave sanctioned, the teacher shall resume duty on the conclusion of the course of study unless the previous approval of the Executive Council to treat the period of short-fall as Extra-Ordinary Leave has been obtained.

ix. Subject to the maximum period of absence from duty on leave not exceeding three years, Study Leave may be combined with earned leave, half-pay-leave, extra-ordinary leave of vacation provided that the earned leave at the credit of

the teacher shall be availed of at the discretion of the teacher. When Study Leave is taken in continuation of vacation, the period of study leave shall be deemed to begin to run on the expiry of the vacation. A teacher, who is selected to a higher post during study leave, shall be placed in that position and shall get the higher scale only after joining the post.

- x. The period of Study Leave shall count as service for the purposes of retirement benefits (pension / contributory provident fund), provided that the teacher rejoins the university/college/institution on the expiry of his/her study leave, and serve for the period for which the bond has been executed.
- xi. Study Leave granted to a teacher shall be deemed to be cancelled in case it is not availed of within 12 months of its sanction, provided that where study leave granted has been so cancelled, the teacher may apply again for such leave.
- xii. A teacher availing herself / himself of study leave, shall undertake that s/he shall serve the university/college/institution for a continuous period of at least three years to be calculated from the date of his/her resuming duty on expiry of the study leave.
- xiii. A teacher-
 - a) who is unable to complete his / her studies within the period of study leave granted to him / her, or
 - b) who fails to rejoin the service of the university on the expiry of his / her study leave, or
 - c) who joins the service of the university but leaves the service without completing the prescribed period of service after rejoining the service, or
 - d) who within the said period is dismissed or removed from the service by the university shall be liable to refund to the university/college/institution, the amount of leave salary and allowances and other expenses, incurred on the teacher or paid to him/her or on his/her behalf in connection with the course of study.

EXPLANATION:

If a teacher asks for extension of Study Leave and is not granted the extension but does not rejoin duty on the expiry of the leave originally sanctioned, s/he shall be deemed to have failed to rejoin the service on the expiry of her/his leave for the purpose of recovery of dues under these guidelines.

Notwithstanding the above, the Executive Council may order that nothing in these guidelines shall apply to a teacher who, within three years of return to duty from study leave is permitted to retire from service on medical grounds, provided further that the Executive Council may, in any other exceptional case, waive or reduce, for reasons to be recorded, the amount refundable by a teacher under these guidelines.

- xiv. After the leave has been sanctioned, the teacher shall, before availing himself / herself of the leave, execute a bond in favour of the university/college/institution, binding himself/herself for the due fulfillment of the conditions laid down in para 11 above and give security of immovable property to the satisfaction of the Finance Officer or a fidelity bond of an insurance company or a guarantee by a scheduled bank or furnish security of two permanent teachers for the amount which might become refundable to the university/ college/institution in accordance with para 11 above.
- xv. The teacher on study leave shall submit to the Registrar/Principal of his/her parent university/college/institution six-monthly reports of progress in his/her studies from his / her supervisor or the Head of the institution. This report shall reach the Registrar/Principal within one month of the expiry of every six months of the study leave. If the report does not reach the Registrar/Principal within the specified time, the payment of leave salary may be deferred till the receipt of such report.
- xvi. The teacher on Study Leave shall submit a comprehensive report on the completion of the Study Leave period. A copy of the research document/

monograph/academic paper produced during the period of Study Leave shall be put in the public domain, preferably on the website of the university/college/institution.

xvii. With a view to enhancing knowledge and skills of faculty members, especially junior faculty, at the rank of Assistant Professor, the Heads of universities/colleges/institutions and their subordinate departments are enjoined to be generous in the award of Study Leave in the interest of faculty improvement, thereby impacting academic standards of universities/colleges/institutions in the long run.

Sabbatical 11. i. Permanent whole time teachers of the University who have completed six **Leave** years of service may be granted sabbatical leave to undertake study or research or other academic pursuits solely for the object of increasing their proficiency and usefulness to the University. This leave shall not be granted to a teacher who has less than three years of service in the University to retire.

ii. The duration of leave shall not exceed one year and shall be eligible for the leave again only after completion of six years in continuous service.

iii. The teacher shall execute a bond, with proper sureties as in the case of study leave, that after the expiry of sabbatical leave he will return to the service of the University and serve thereafter at least for three years, failing which he will refund to the University the leave salary and allowances and other expenses, if any, spent on him, or on his behalf plus such amount as may be decided by the Executive Council from time to time.

¹Hkkx IIIμ[k.M 4^o

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

57

Provided that the Executive Council may, in exceptional cases, waive or reduce, for reasons to be recorded, the amount refundable by a teacher under this Ordinance.

iv. A teacher shall, during the period of sabbatical leave, be paid full pay and allowances (subject to the prescribed conditions being fulfilled) at the rates applicable to him immediately prior to his proceeding on sabbatical leave. The University shall not, however, fill up the post or make other alternative arrangements involving additional expenditure.

v. A teacher on sabbatical leave shall not take up, during the period of that leave, any regular appointment under another organization in India or abroad. He may, however, be allowed to accept a fellowship or a research scholarship or ad-hoc teaching and research assignment with honorarium or any other form of assistance, other than a regular employment in an institution of advanced studies, provided that in such cases the Executive Council may, if it so desires, sanction sabbatical leave on reduced pay and allowances.

vi. During the period of sabbatical leave, the teacher shall be allowed to draw the increment on the due date. The period of leave shall also count as service for purposes of pension/contributory provident fund provided the teacher rejoins the University on the expiry of his leave. On return from leave, the teacher shall report to the University on the nature of studies, research or other work undertaken during the period of leave. He shall also present a resume of his work at a School-level seminar specially organized for the purpose by the Head of the Department.

Maternity 12. i. A woman teacher with less than two surviving children may be granted **Leave** Maternity Leave for a period of not exceeding 180 days, to be availed twice in the entire career. Maternity leave may also be granted in case of miscarriage including abortion subject to the condition that the leave applied for does not exceed 45 days in all and the application for leave is supported by a Medical Certificate.

ii. Maternity leave may be combined with earned leave, half pay leave or extraordinary leave but any leave applied for in continuation of maternity leave may be granted if the request is supported by a medical certificate.

- Paternity** 13. i. Paternity leave of 15 days may be granted to a male teacher during the **Leave** confinement of his wife, provided the limit is up to two children.
ii. Adoption leave may be granted as per the rules of the Central Government.
- Child Care** 14. Women teachers having minor children may be granted leave up to two years **Leave** for taking care of their minor children. Child care leave for a maximum period of two years (730 days) may be granted to the women teachers during entire service period in lines with Central Government women employees. In the cases where the child care leave is granted more than 45 days the University may appoint a part time/guest substitute teacher with intimation to the UGC.
- Vacation** 15. i. All teachers, except those posted in research departments, shall be entitled to vacation. Vacation may be taken in combination with any kind of leave except casual and special casual leave provided that vacation shall not be both prefixed and suffixed to leave.
ii. Except in special circumstances, vacation and earned leave taken together shall not extend beyond six months in an academic year.
iii. When vacation falls between two periods of leave so as to result in a continuous period of absence from duty during the entire period, such vacation shall be treated as part of the leave.
iv. For the vacation period, a teacher shall be entitled to the same pay as when on duty. A teacher shall, however, be entitled only to half of such pay if he has given notice of resignation and the period of such notice expires during the vacation or within one month from the last day thereof.

16. B. Teachers on Probation

A teacher appointed as a probationer against a substantive vacancy and with definite terms of probation shall, during the period of probation, be granted leave as admissible to a permanent teacher.

17. C. Temporary Teachers

A teacher appointed as a Temporary Teacher shall be granted leave as admissible to a permanent teacher subject to the following conditions:

- i. No half-pay leave may be granted to a temporary teacher unless the authority competent to sanction leave has reason to believe that the teacher will return to duty on the expiry of such leave.
- ii. Temporary teachers shall not be entitled to commute any portion of the half-pay leave.
- iii. In the case of a temporary teacher the duration of extra-ordinary leave on any occasion shall not exceed the following limits:
 - a. Threemonths at a time;
 - b. Six months where a teacher has completed three years' continuous service and the leave application is supported by a medical certificate;
 - c. Eighteen months where a teacher is undergoing treatment for tuberculosis, cancer or leprosy;
 - d.
 - i) Twenty-four months in cases where the leave is required for prosecuting studies, certified to be in the University's interest, provided that the teacher has completed three years' continuous service on the date of commencement of extraordinary leave. In cases where this condition is not satisfied, extra-ordinary leave to this extent may be sanctioned in commutation of any other kind of leave due and applied for (including three months extra-ordinary leave under (a) above) if the teacher completes three years' continuous service on the date of expiry of such leave.
 - ii) When a temporary teacher fails to resume duty on the expiry of the maximum period of extra-ordinary leave granted to him or where a teacher who is granted a lesser amount of leave remains absent from duty for any period which exceeds the limit up to which he could have been granted such leave under (a) above, he shall, unless the Executive Council in view of the exceptional circumstances of the

case otherwise determine, be deemed to have resigned and shall accordingly cease to be in the University employee.

- iv. Temporary teachers shall not be entitled to the grant of leave-not-due, study leave and sabbatical leave.
- v. A temporary teacher shall be entitled to pay for the following winter vacation only if he joined duty within two months of the beginning of the academic year and has worked continuously and satisfactorily from the date of joining up to the last working day of the session.
- vi. The vacation salary may be paid to a temporary teacher if his appointment continues for a part or whole of the next semester and the teacher joins on the opening day and has also served on the last working day before the vacation.

18. D. Teachers on Contract

Teachers appointed on contract shall be granted leave in accordance with the terms of the contract.

19. E. Honorary and Part-Time Teachers

Honorary and part-time teachers of the University shall be entitled to leave on the same terms as are applicable to whole-time temporary teachers of the University.

20. F. General

- i. Leave is earned by duty only. The period spent in foreign service counts as duty if contribution towards leave salary is paid for such period.

¹Hkkx IIIμ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

59

- ii. a) Leave cannot be claimed as a matter of right. Leave of any kind may be refused or revoked by the competent authority without assigning any reason, if such action is in the interest of the University.

- b) No leave shall be granted to a teacher when a competent authority has decided to dismiss, remove or compulsorily retire from service nor shall

Application

- iii. Leave should always be applied for in advance and the sanction of the competent authority obtained before it is availed except in cases of Rejoining of emergency and for satisfactory reasons.

Duty before the Expiry of leave

- iv. A teacher on leave may not return to duty before the expiry of the period of leave granted to him unless he is permitted to do so by the authority

Leave on sanctioning the leave to him.

medical

v. A teacher who applies for leave on medical grounds shall support his application with a medical certificate from the Medical Officer of the University or where no such Medical Officer has been appointed, from an Authorised Medical Practitioner. The authority competent to sanction leave may, however, require the applicant to appear before a Medical Board.

Rejoining duty on return from leave on medical

- Leave or extension of leave on medical certificate shall not be granted beyond the date a teacher is pronounced by a Medical Officer or Board to be permanently incapacitated for further service.

medical

vi. No teacher who has been granted leave (other than casual leave) on ground medical certificate shall be allowed to return to duty without producing a medical certificate of fitness.

Employment

vii. A teacher on leave shall not, without the written permission of the University, engage directly or indirectly in any trade or business to which any emolument or honorarium is attached but this prohibition shall not apply to work undertaken in connection with the examination of a University, Public Service Commission, Board of Education or similar bodies/institutions of any literary work or publication or radio or extension lectures or with the permission the Vice-Chancellor, to any other academic work.

The leave salary of a teacher who is permitted to take up any employment during leave shall be subject to such restrictions as the Executive Council may prescribe.

Absence

without leave overstayal Leave

- viii. A teacher who absents himself without leave or remains absent after the expiry of the leave granted to him, shall be entitled to no leave allowance or salary for the period of such absence. Such period shall be debited against of his leave account. Willful absence from duty may be treated as misconduct.

Increment ix. If the increment of pay falls during any leave, other than casual leave,

during Leave special casual leave, duty leave or sabbatical leave, the effect of increase of pay will be given from the date the teacher resumes duty without prejudice to the normal date of his increment, except in those cases where the leave does not count for increment.

Leave Year x. For the purpose of this Ordinance, unless otherwise specified, the term 'year' shall mean an academic year running from the commencement of the academic session to the end of the academic session.

21.

Authorities empowered Leave i. The Head of the Department shall have the powers to sanction Casual Leave and Special Casual Leave to teachers within the limits specified in to sanction relevant sections of this Ordinance.

Leave ii. The Deans of Schools shall have the powers to sanction Casual Leave and Special Casual Leave to Heads and I/Cs of Departments within the limits specified in relevant sections of this Ordinance.
iii. The Vice-Chancellor shall have the powers to sanction Casual Leave and Special Casual Leave to the Deans and all other kinds of leave to all employees of the University as permissible under this Ordinance.

OB-4

ON CAREER ADVANCEMENT

SCHEME

[Under Section 30 (p) of the SU Act, 2006]

1. There shall be a Career Advancement Scheme (CAS) for placement/promotion of teachers of the University from Assistant Professor Stage I to Stage II, III and IV/ Associate Professor, from Associate Professor (Stage IV) to Professor (Stage V) and from Stage V to Stage VI (HAG).
2. Selection Committees for CAS shall be as specified by the UGC from time to time.
3. The existing scheme of career advancement for other academic staff shall continue.
4. Qualification and requirements for promotion under CAS shall be as per the UGC Regulations adopted by the University from time to time.

OB-5

ON THE TERMS AND CONDITIONS OF THE SERVICE OF THE VICE-CHANCELLOR [Under Section 2 and 3 of the SU Statutes, 2006]

1. The Vice-Chancellor shall receive a salary as fixed by the Govt. of India/UGC from time to time plus such other allowances as admissible from time to time.
2. During the tenure of his office, the Vice-Chancellor shall be entitled to have a rent-free furnished residential accommodation maintained by the University.
3. The Vice-Chancellor shall be entitled to use a University vehicle for official purposes. He shall also be eligible to use the University vehicle for private purposes and for such journeys he will be liable to pay such charges as are prescribed by the government for private use of government vehicle by officers on the basis of kilometers involved in private use.
4. The Vice-Chancellor shall be eligible to opt for the General Provident Fund-Pension-Gratuity Scheme of the University if he has not attained the normal age of superannuation prior to commencement of his tenure and provided he has been eligible for pension scheme as an employee of the Central/State Government or a Central/State autonomous body or a Central/State University before joining as Vice-Chancellor. If he opts to join GPF-cum-Pension Gratuity Scheme of the University, the Vice-Chancellor shall be entitled to the benefit of combining his past services with the services as Vice-Chancellor up to the normal age of superannuation for the purpose of pension. For this purpose the University will receive the pension/contributory provident fund liability from the previous organizations. The period of service rendered by him in the University beyond the normal age of superannuation shall not qualify for the purpose of pensionary benefits. Pension-cum-gratuity benefits shall be payable on the date of normal superannuation. If the Vice-Chancellor assumes his office either after superannuation or superannuates during the tenure, he shall be entitled to join Contributory Provident Fund-Gratuity Scheme from the date of his joining the post if already superannuated or the date of his superannuation during the tenure as applicable.
5. i. The Vice-Chancellor shall be entitled to leave on full pay @30 days in a calendar year. The leave shall be credited to his account in advance in two half yearly installments of 15 days each on the first day of January and first day of July every year, provided that if the Vice-Chancellor

- assumes/relinquishes charge of the office of Vice-Chancellor during the currency of a half year, the leave shall be credited proportionately at the rate of 21/2 days for each completed month of service.
- ii. The leave at the credit of the Vice-Chancellor at the close of the previous half year shall be carried forward to the new half year, subject to the condition that the leave so carried forward does not exceed the maximum limit as prescribed by the Government of India from time to time.
 - iii. The Vice-Chancellor on relinquishing the charge of his office shall be entitled to receive a sum equivalent to the leave salary admissible for the number of days of leave on full pay due to him at the time of his relinquishment of charge subject to a maximum of the number of days as prescribed by the Government of India from time to time.
 - iv. The Vice-Chancellor shall also be entitled to half pay leave at the rate of 20 days for each completed year of service. This half pay leave may only be availed of as commuted leaves on full pay on medical certificate. When commuted leave is availed, twice the amount of half pay leave shall be debited against half pay leave due.
 - v. The Vice-Chancellor shall also be entitled to avail himself extra-ordinary leave without pay for a maximum period of three months during full term of five years on medical ground of otherwise.
6. The Vice-Chancellor shall be reimbursed the actual expenditure incurred while on official tour in addition to the TA/DA entitled as per rules.
 7. Further, if in case accommodation as per entitlement of the staff accompanying the Vice-Chancellor is not available, the Vice-Chancellor may provide them accommodation and other facilities which will be reimbursed to him and the staff shall be entitled to 1/4th DA only.
 8. In addition to the other staff allotted to the official residence of the Vice-Chancellor, the Vice-Chancellor shall be entitled to a personal orderly.
 9. The Vice-Chancellor shall be entitled to all other benefits such as medical attendance and Leave Travel Concession as admissible to other University employees.
 10. The Vice-Chancellor shall be entitled to Travelling Allowance on Transfer on his appointment as Vice-Chancellor and after relinquishment of his charge.

OB-6

ON THE TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE OF THE REGISTRAR [Under Section 6 of the SU Statutes, 2006]

This Ordinance shall be called the Ordinance on the Terms and Conditions of Service of the Registrar, Sikkim University.

1.
 - i. The Registrar shall be paid a monthly salary and allowances and perks as prescribed by the UGC/MHRD, Government of India and accepted by the University from time to time.
 - ii. All appointments to the post of Registrar shall be through advertisement and interview for a tenure of 5 years, which may be renewed on similar terms, except the appointment of the First Registrar who shall be appointed by the Visitor for a period of 3 years only.
2. The minimum qualification for the post of Registrar shall be as follows:
 - a. A Master's degree with at least 55% marks or its equivalent in any subject from any university recognized by the University.
 - b. At least 15 years' experience as Assistant Professor in a University or equivalent grade of which at least 8 years shall be in Associate Professor's grade along with experience in educational administration.
or
Comparable experience in establishments and other institutions of higher education.
or
15 years of administrative experience of which 8 years as Deputy Registrar or an equivalent post.

Note: The minimum requirement of 55% marks at (a) above shall be relaxed by 5% for SC/ST/OBC candidates or candidates already in the University system.
3. The Registrar shall be entitled to leave, leave-salary, allowances, provident fund and other benefits as prescribed by the University from time to time for employees of the University.

4. The University shall provide him with unfurnished residential accommodation for which he will pay rent at the rate fixed by the University from time to time.
5. Notwithstanding anything contained in these Ordinances, the Registrar shall be governed by such terms and conditions of service as the Executive Council may specify from time to time.

OB-7

ON THE TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE OF THE FINANCE

OFFICER [Under Section 7 of the SU Statutes, 2006]

1. This Ordinance may be called 'Ordinance on the Terms and Conditions of the Service of the Finance Officer, Sikkim University'.
2. The minimum qualification for the post of Finance Officer shall be as follows:
 - a. A Master's degree with at least 55% marks or its equivalent grade of 'B' in the UGC 7 point scale.
 - b. At least 15 years' experience as Assistant Professor in the AGP of Rs.7000 and above or with 8 years' of service in the AGP of Rs.8000 and above including as Associate Professor along with experience in educational administration.

or

Comparable experience in research establishment and/or other institutions of higher education.

or

15 years of administrative experience of which 8 years shall be as Deputy Registrar or an equivalent post.

Note: The minimum requirement of 55% marks at (a) above shall be relaxed by 5% for SC/ST/OBC candidates or candidates already in the University system.

3.
 - i. The Finance Officer shall be paid a monthly salary and allowances as prescribed by the UGC/MHRD, Government of India and accepted by the University from time to time.
 - ii. The Finance Officer shall be entitled to leave, leave salary, allowances, provident fund and other benefits as prescribed by the University from time to time for employees of the University.
Provided that, a person appointed as Finance Officer on deputation shall be entitled to the benefits under the usual deputation terms as contained in the Government of India rules from time to time.
 - iii. Appointment to the post of Finance Officer shall be through advertisement and shall require the following minimum qualifications:
 - (a) "Members of any of the Central Accounts Services in the same scale of pay or with 5 years' service in the next below grade, or
 - (b) A Chartered Accountant having minimum experience of 10 years as Chartered Accountant.

4. The University shall provide him with unfurnished residential accommodation for which he will pay rent at the rate fixed by the University from time to time.
5. The Finance Officer shall exercise his powers and discharge his duties under the immediate direction of the Vice-Chancellor.

OB-8

ON THE TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE OF THE CONTROLLER OF

EXAMINATIONS [Under Section 8 of the SU Statutes, 2006]

1. This Ordinance shall be called 'Ordinance on the Terms and Conditions of the Service of the Controller of Examinations, Sikkim University'.
2.
 - i. The Controller of Examinations shall be paid a monthly salary and allowances as prescribed by the UGC/MHRD, Government of India and accepted by the University from time to time.
 - ii. The Controller of Examinations shall be entitled to leave, leave salary, allowances, Provident Fund and other benefits as prescribed by the University from time to time for employees of the University.
 - iii. The University shall provide him with unfurnished residential accommodation for which he will pay rent at the usual rate.

iv. Appointment to the post of Controller of Examinations shall be through advertisement and selection for a tenure of 5 years which can be renewed on similar terms. The minimum qualifications should be read as follows:

1. Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

63

- a. A Master's degree with at least 55% marks or its equivalent grade.
- b. At least 15 years' experience as Assistant Professor in a University or Post Graduate College of which eight years shall be in the Associate Professor's grade along with experience in educational administration.

or

Comparable experience in research establishments and other institutions of higher education.

or

15 years of administrative experience of which 8 years as Deputy Registrar or an equivalent post.

Note: The minimum requirement of 55% marks at (a) above shall be relaxed by 5% for SC/ST/OBC candidates or candidates already in the University system.

3. Subject to the provisions of the Act, Statutes and Ordinances, the Controller of Examinations shall perform the duties concerning the conduct of the examinations and such duties and functions as may be assigned to him from time to time by the Executive Council.

4. The Controller of Examinations shall exercise his powers and discharge his duties under the immediate direction of the Vice-Chancellor.

OB-9

ON THE TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE OF THE LIBRARIAN [Under Section 24 of the SU Statutes, 2006]

1. This Ordinance shall be called 'Ordinance on the Terms and Conditions of the Service of the Librarian, Sikkim University'.
2. i. The Librarian shall be paid a monthly salary and allowances as prescribed by the UGC/MHRD, Government of India and accepted by the University from time to time. ii. The Librarian shall be entitled to leave, leave salary, allowances, Provident Fund and other benefits as prescribed by the University from time to time for employees of the University.
iii. The University shall provide him with unfurnished residential accommodation for which he will pay rent at the usual rate.
3. Subject to the provisions of the Act, Statutes and Ordinances, the Librarian shall perform the duties concerning the library and such duties and functions as may be assigned to him from time to time by the Executive Council.
4. The Librarian shall exercise his powers and discharge his duties under the immediate direction of the Vice-Chancellor.
5. The minimum qualification of a University Librarian shall be as follows:
 - i. Master's degree in library science/ information science / documentation with at least 55% marks or its equivalent grade and consistently good academic record. Relaxation of 5% for SC/ST/OBC candidates stands.
 - ii. At least 13 years as a Deputy Librarian in a university library or 18 years as a PG College Librarian.
 - iii. Evidence of innovative library service and organization and/or published work.
Desirable: MPhil/PhD degree in library science/information science/ documentation/ archives and manuscript keeping.

OB 10

ON THE SCALES OF PAY AND ALLOWANCES AND SERVICE CONDITIONS OF NON-TEACHING (OTHER THAN STATUTORY) EMPLOYEES OF THE UNIVERSITY FROM GROUP A TO C [Under Section 24 of the SU Statutes, 2006]

1. The scales of pay, allowances and service conditions of the Non-teaching (other than Statutory) employees of the University from Groups A, B, and C shall be the same as prescribed by the UGC/MHRD, Government of India and accepted by the University from time to time.
2. The date of retirement of such employees shall be the same as prescribed by the UGC/MHRD, Govt. of

India and accepted by the University from time to time.

3. They shall be entitled to such allowances and perks as may be prescribed by the Govt. of India/UGC/University from time to time.

4. The recruitment and promotion policy in relation to such posts shall be in accordance with the Government of India rule framed and adopted by the University from time to time.

5. The Recruitment and Promotion policy in relation to such posts shall be as framed and adopted by the University from time to time.

6. Other conditions of service such as leave, pay fixation, probation period, retirement benefits etc. of this category of employees shall be as prescribed by the Govt. of India from time to time.

7. The probation period shall be one year from the date of joining.

OB-11

ON THE MINIMUM QUALIFICATIONS FOR DIRECT RECRUITMENT TO THE POSTS OF DEPUTY LIBRARIAN, ASSISTANT LIBRARIAN, DEPUTY REGISTRAR, ASSISTANT REGISTRAR, DIRECTOR OF PHYSICAL EDUCATION, DEPUTY DIRECTOR AND ASSISTANT DIRECTOR OF PHYSICAL EDUCATION

[Under Section 24 of the SU Statutes, 2006]

University Deputy Librarian	1.	Minimum Qualifications: i. Master's degree in library science/ information science / documentation with at least 55% marks or its equivalent grade and consistently good academic record. Relaxation of 5% for SC/ST/OBC candidates stands. ii. Five years' experience as University Assistant Librarian / College Librarian. iii. Evidence of innovative library services, published work, professional commitment and computerization of library. Desirable: MPhil/PhD degree in library science/information science/ documentation/archives and manuscript keeping, computerization of library.
University Assistant Librarian/ College ii. Librarian/ Documentation Officer	2.	Minimum Qualification: i. PhD or qualifying in the national level-test conducted for the purpose by the UGC. Master's degree in library science/information science/ documentation or an equivalent professional degree with at least 55% marks or its equivalent grade. Relaxation of 5% for SC/ST/OBC candidates stands.
Deputy Registrar	3.	Minimum Qualification: i. A Master's degree with at least 55% marks or its equivalent grade. Relaxation of 5% for SC/ST/OBC candidates stands. ii. Eight years' experience as an Assistant Professor in a university or college with experience in educational administration. or Comparable experience in research establishment and / or other institutions of higher education. or Eight years of administrative experience as Assistant Registrar or in an equivalent post.
Assistant Registrar	4.	Minimum Qualification: Good academic record plus Master's degree with at least 55% marks or its

		equivalent grade. Relaxation of 5% for SC/ST/OBC candidates stands.	
¹ Hkkx IIIμ[k.M 4°		Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k	
University Assistant Director of Physical Education and Sports/College Professor's Scale)	5.	Minimum Qualification: i. Master's degree in Physical Education (two years' course) or Master's degree in Sports or an equivalent degree with at least 55% marks or its equivalent grade plus consistently good academic record. Relaxation of 5% for SC/ST/OBC candidates stands. ii. Record of having represented the University/College at the inter-DPEs university/inter-collegiate competitions or the state/national (Assistant championship. iii. Passed the physical fitness test. iv. PhD or certificate of having cleared in the national test conducted for the purpose by the UGC.	
University Assistant DPEs/College DPEs (Senior Scale)	6.	Minimum Qualification: i. Should have completed six years of service as University Assistant DPEs/College DPEs with a benefit of two years for PhD and one year for MPhil Degree holders. ii. Passed the physical fitness test. iii. Possesses satisfactory self-appraisal reports. iv. Should have attended at least one orientation and one refresher course of about three to four weeks' duration each with proper and well-defined evaluation procedure (exemption from one refresher course is granted to PhD degree holders).	
University Assistant DPEs/College DPEs (Selection)	7.	Minimum Qualification: i. Completed five years of service as University Assistant DPEs/College DPEs in the senior scale. ii. Has attended at least two refresher courses of about three-four weeks duration with proper and well-defined evaluation procedure after Grade placement in the senior scale. iii. Shown evidence of having produced good teams/athletes and of having organized and conducted coaching camps of at least two weeks' duration. iv. Passes the physical fitness test. v. Possesses satisfactory self-appraisal reports.	
University Deputy DPEs/College (Reader's Scale)	8.	Minimum Qualification: i. PhD in physical education. Candidates from outside the University system, in addition, shall also possess at least 55% marks or an DPEs equivalent grade at the Master's degree level. Relaxation of 5% for SC/ST/OBC candidates stands. ii. Five years' experience as University Assistant DPEs/College DPEs, with a benefit of two years and one year for PhD and MPhil degree holders respectively. iii. Evidence of organizing competitions and conducting coaching camps of at least two weeks' duration. iv. Evidence of having produced good performance team/athletes for competitions at state/national/inter-university/combined university level, etc. v. Passed the physical fitness test. vi. Possesses satisfactory self-appraisal reports.	
University DPEs Education.	9.	Minimum Qualification: i. PhD in Physical ii. Experience of at least 10 years as University deputy of 15 years as University Assistant DPEs/College/DPEs (selection grade) iii. Participation in at least two national/international seminars/conferences.	

- iv. Possesses satisfactory self-appraisal reports.
- v. Evidence of organizing competitions and conducting coaching camps of at least two weeks' duration.
- vi. Evidence of having produced good performance teams/athletes for competitions at stat/national/inter-University/combined University, etc.

OC SERIES ON STUDENTS

OC-1

ON THE ADMISSION OF STUDENTS TO THE UNIVERSITY INCLUDING ITS AFFILIATED COLLEGES

[Under Section 5(xx) of the SU Act, 2006]

1. Without prejudice to the provisions of the Act, Statutes, and Ordinances of the University a student shall be eligible for admission to any Under-Graduate, Integrated, Post-Graduate, MPhil or PhD programmes under the University if he has passed the qualifying examination or examinations with the subjects and minimum percentage of marks prescribed by the University for admission to the concerned course or programme.
2. The candidates seeking admission to a programme/course of study in the University, including its affiliated colleges, must satisfy the rules of the University.
3. Foreign students may be admitted to various programmes of study on extra-numerary basis, not exceeding 10% of the total seats, provided they are able to secure the required visa and are otherwise eligible for admission. They shall pay the same fees as paid by Indian students and shall be given the same facilities as provided for other Indian students.

OC-2

ON THE MEDIUM OF INSTRUCTION AND EXAMINATION [Under Section 5(xx) of the SU Act, 2006]

English shall be the medium of instruction and examination in the research and study programmes of the University. Provided that for certain subjects like Hindi, Chinese, Nepali, Lepcha, Bhutia and Limboo the medium of instruction and examination in the research and study programmes of the University may be the respective languages.

OC-3

ON FEES PAYABLE BY STUDENTS

[Under Section 5 (xxi) of the SU Act, 2006]

3. Students admitted to various programmes of study offered by the University on its campus shall pay the fees as specified below with 2% non-cumulative increase every year. The fees for college students shall be decided by the state government in case of government colleges and Governing Body in case of missionary/private colleges. The admitted college students shall however pay Registration Fee, Marksheet Fee, Certificate Fee, and Examination Fee to the University through their respective colleges.
2. A. To be paid one time only at the time of admission by all students.

Sl. No.	Type of Fees	UG (with lab)	UG (without lab)	PG (with lab)	PG (without lab)	MPhil/ PhD (All)	Cert/ Dip (All)
1	Admission	500	200	1000	500	1500	300
2	Marksheet	200	200	200	200	200	200
3	Certificate	300	300	300	300	300	300
4	Examination	2000	1000	2000	1000	8000	1000
5	Registration	200	200	200	200	200	200
6	Library	500	500	500	500	500	200
7	Medical Insurance	300	300	300	300	300	300
8	Students' Council	200	200	200	200	200	200
9	Identity Card	100	100	100	100	100	100
10	Hostel Admission	500	500	500	500	500	500
	Total	4800	3500	5300	3800	11800	3300

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

67

- B. To be paid in the beginning of every semester by all students.

Sl. No	Type of Fees	UG (with lab)	UG (without lab)	PG (with lab)	PG (without lab)	MPhil and PhD with lab	MPhil and PhD with-out lab	Cert/ Dip (with/out lab)
--------	--------------	---------------	------------------	---------------	------------------	------------------------	----------------------------	--------------------------

1	Tuition Fees for non-professional students	1000	600	1000	600	3000	1000	1200
2	Tuition Fees for professional students*	6000	4000	8000	6000	10,000	8,000	10,000
3	Hostel Accommodation (1/2/3/4 bedded)	1800/900/600/450	1800/900/600/450	1800/900/600/450	1800/900/600/450	1800/900/600/450	1800/900/600/450	1800/900/600/450

Note: The mess fees will be paid by the students as per rates agreed between the University and the caterer from time to time.

3. The following are categorized as Professional Courses* by SU:

- Bachelor of Education (B.Ed) and Master of Education (M.Ed)
- Bachelor of Law (B.A. LL.B) and Master of Law (LL.M)
- B.Sc. Nursing
- Bachelor of Business Administration (BBA) and Master of Business Administration (MBA)
- Bachelor of Computer Applications (BCA) and Master of Computer Applications (MCA) vi)

Bachelor and Master of Engineering

- Bachelor and Master of Medicines
- Bachelor and Master of Architecture
- Bachelor of Social Work (BSW) and Master of Social Work (MSW)
- Bachelor and Master of Horticulture
- Bachelor and Master of Tourism
- Bachelor and Master of Pharmacy

- The fees may be paid in cash in the designated bank(s) or by cheque/draft in the office of the Head of the Department at any time during the semester but positively before 30 days of the end-semester examination. The fees mentioned under A however must be paid at the time of admission and must be paid by all categories of students.
- Permission to appear in an examination shall be subject to clearance of all fees and at least 75% attendance, which may be condoned by the Principal/Dean concerned up to 5% shortage on production of documents that establish the reason for shortage of attendance.
- Tuition Fees shall be relaxed by 50% for SU employees, wards of SU employees and Yangang villagers. The same shall be relaxed by 100% for the Differently Abled students, the people of Yangang who sold their lands to the state government for the University campus, and the people belonging to the "Primitive Tribe" of Sikkim.
- If after having paid the fees, a candidate desires to withdraw his candidature before the starting of the course, he shall be refunded all fees and deposits after deducting Rs.1000/- as processing fee as per the UGC Public Notice in this regard dated 23rd April 2007.

OC-4

ON THE BACHELOR OF ARTS, SCIENCE, LAW, MEDICINE, EDUCATION, HOME SCIENCE, COMMERCE, VOCATIONAL AND PROFESSIONAL COURSES

(STAND ALONE AND INTEGRATED)

[Under Section 30 (b) of the SU Act, 2006]

There shall be courses of study leading to the Degrees of Bachelor of Arts, Bachelor of Science, Bachelor of Law, Bachelor of Medicine, Bachelor of Education, Bachelor of Home Science, Bachelor of Commerce, Bachelor of Vocation and Bachelor of Professional Courses (stand alone and integrated).

Eligibility

- Students who have passed Class XII examination from any recognised University/Board shall be eligible to seek admission to the first year of the Degree course. However, the candidates desiring to opt for Honours shall be required to have minimum 45% marks in the concerned subject or in the aggregate if that particular subject is not offered at Class XII or equivalent level.

Duration and

- The duration of the Degree courses with or without Honours shall **Structure** ordinarily be six semesters or three years. This may however vary in case of professional courses from three to five years. There shall be continuous evaluation of the progress of students throughout the semester in a manner approved by the Academic Council and an End-Term examination at the end of each semester.

Award of Degree with Class

3. The following classes shall be awarded according to the CGPA obtained by a student:
- Pass: 4.0 in Honours and 3.5 in Pass.
 - Second Class: 5.0-5.9
 - First Class: 6.0-6.9
 - First Class with Distinction: 7.0 and above

Further, First Class First and First Class Second in each subject shall be awarded Gold and Silver medals respectively.

Besides the above the marksheet and certificate shall also indicate the alphabetical grade and numerical grade point in a 10 point scale to facilitate the students.

Course

4. The distribution of papers shall be as follows: **Structure**

Table 1. Distribution of Papers for Bachelor of Arts, Commerce, Vocation, Science, Law, Home Science and other Professional Courses (Pass and Honours) etc.							
Semester/ Subject/Paper	Semester I					Semester VI	Total Marks
English	100	-	-	-	-	-	100
GFC	-	100	-	-	-	-	100
EH/HR/GS	-	-	100	-	-	-	100
Elective-I (Hons)	100	100	100	200	200	200	900
Elective-2	100	100	100	-	-	-	300
Elective-3	-	-	-	100	100	100	300
Total Marks	300	300	300	300	300	300	1800

Note: English and GFC shall be common for all UG courses. Elective-2 and Elective-3 shall be common for all UG students.

A student shall opt for a Pass or Honours (Elective) in a subject and any one of the Elective Subject Combination groups (A or B and not one each from both A and B) of the following:

Pass/Honours (Elective 1)	Group-A Elective 2 and 3	Group-B Elective 2 and 3
Chemistry	Physics, Mathematics	Botany, Zoology
Physics	Maths, Chemistry	Maths, Computer Sc
Mathematics	Physics, Chemistry	Physics, Commerce, Stats
Computer Science	Electronics, Physics	Physics, Maths, Stats
Economics	Maths, Commerce	History, Pol. Science
Earth Sciences	Physics, Mathematics	Chemistry, Mathematics
Geography	Chemistry, Physics	Sociology, History
Botany	Chemistry, Zoology	Geography, Tourism
Zoology	Chemistry, Botany	Geography, Anthro
English	El. Lang, Education	Pol. Science, History
Nepali	El. Lang, Education	History, Pol. Sc.
Lepcha	El. Lang, Education	History, Pol. Sc.
Limbu	El. Lang, Education	History, Pol. Sc.
Bhutia	El. Lang, Education	History, Pol. Sc.
Education	History, Pol Sc	El. Lang, Sociology

¹Hkkx IIIμ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vll/kj.k

69

History	Sociology, Political Sc.	El. Lang, Pol. Sc.
Political Science	El. Lang, Geography	History, Sociology
Economics	Pol. Sc, History	Pol. Sc., Sociology
Sociology	Economics, Pol. Sc	El. Lang, Geography
Commerce	Account & Finance group	Management group
Tourism	English, Geography	History, Geography
Physical Education	History, El. Lang.	Education, Geography
Journalism and Mass Communication	History, El. Lang	Education, Geography
Statistics	Mathematics, Economics	Physics, Chemistry
Microbiology	Botany, Zoology	Geography, Anthropology

Note: El. Lang refers to English, Nepali, Lepcha, Bhutia, and Limbu, provided that the same language cannot be taken as two elective papers. There shall be no Elective 2 or 3 for subjects like Horticulture, Music and Law, as they are self-contained courses.

OC-5

**ON THE MASTER'S DEGREE PROGRAMME IN ARTS, SCIENCE, LAW, MEDICINE, EDUCATION,
HOME SCIENCE, COMMERCE AND PROFESSIONAL COURSES (STAND ALONE AND
INTEGRATED) [Under Section 30(b) of the SU Act, 2006]**

The Master's Degree Programmes in Arts, Science, Law, Medicine, Education, Home Science, Commerce and Professional Courses (stand alone or integrated) under the University shall be full time courses of study spread over a period of four Semesters or two academic years.

1. i. A candidate seeking admission to any of the courses must possess the qualifications prescribed by the University for the same from time to time.
- ii. Admissions to different courses shall be made only in the first semester at the beginning of each academic year unless specifically decided for a course by the Academic Council.
- iii. Candidates who have taken the Bachelor's Degree (Honours or Integrated), of this University or any other recognised university shall be eligible to apply for admission to the courses offered by the Departments subject to provisions relating to prerequisites if any. The minimum marks and subjects qualifying for admission to the different courses shall be prescribed in the prospectus.
- iv. Admission to a course shall be made on the basis of a candidate's marks and subjects taken in the qualifying degree and admission test, if any, conducted by the concerned Department besides the Government of India rules and notifications issued from time to time.
2. i. Subject to the general guidance of the Dean, the instruction and routine in each course shall be under the control and direction of the Head of the Department concerned.
- ii. Each student, with respect to his work in the course as well as his general conduct in the University, shall remain under the control of the School and the discipline of the concerned Department.
3. Ordinarily, a student shall earn 64 credits during the period of four semesters. Out of this total 56 credits shall be earned from the core courses of the programme to which he is admitted. The balance 8 credits may be earned by the student from the courses offered by other departments during II (4 Credit) and III (4 Credit) semesters only. A student shall, however, earn 64 credits within a maximum period of six semesters.
4. A student must have attended a minimum of 75% of the lectures during a semester to be eligible to appear at the End Semester examination. A maximum of 5% shortage of attendance may be condoned by the concerned Dean on the recommendation of the HoD/IC of the department concerned and production of valid documents to prove that the shortage of attendance was for some genuine reasons.
5. The Dean of the School or Principal of a college may, on the recommendation of the Head of the Department concerned, condone the shortage of attendance up to 5% under exceptional cases.
6. A student who fails in one or all the courses in a given semester, for whatsoever reasons, may repeat the examination for those courses during the next academic year. If an SC/ST/OBC student does not pass all the core courses with a minimum of 50% within six semesters he may pray within the prescribed date for reevaluation of his answer scripts for those courses where he has scored less than 50% after paying the fees decided by the University but shall not be eligible for any awards, prizes, medals etc.
7. i. Each semester shall have at least 90 working days excluding examination days.
- ii. The dates of commencement and termination of each semester shall be fixed by the Academic Council.
8. Examiners for each course of study shall be appointed by the Controller of Examinations on the recommendation of the Board of Studies and from the panel approved by the Academic Council.
9. A candidate shall apply for admission to the End-Semester examination in the prescribed form to the Dean of the concerned School through the Head/IC of the Department who shall certify that:
 - i. The candidate has attended the minimum number of lectures etc. in respect of Core courses as well as Open courses in II and III semesters.
 - ii. All dues including prescribed examination fees have been deposited.
10. The End-Semester results shall be moderated by the Result Moderation Board chaired by the Vice-Chancellor and convened by the Controller of Examinations.
11. Successful candidates with the following CGPA shall be awarded the Degree under the following categories:
 - First Class: 6.0 and above
 - First Class with Distinction: 7.0 and above
 - Second Class: 5.0 to 5.9 Pass: 4.0 to 4.9
 Further, the candidate scoring the highest CGPA with a minimum of 6.0 shall be awarded a Gold

Medal and the candidate scoring the second highest with a minimum of 6.0 shall be awarded a Silver Medal.

Besides the above the marksheet and certificate shall also indicate the alphabetical grade and numerical grade point in a 10 point scale to facilitate the students.

OC-6
ON THE MASTER OF PHILOSOPHY
PROGRAMME

[Under Section 30(d) of the SU Act, 2006]

- | | |
|---------------------|---|
| Objectives | <p>1. i. The University shall have M.Phil. programme with the objective of providing deeper insight in the relevant subject, broadening horizons, emphasising the unity of all knowledge normally divided in numerous disciplines, equipping scholars with necessary tools and practical experience for further research in different fields. The M.Phil. degree shall be the first research degree of the University.</p> <p>ii. The M.Phil. programme shall consist of two parts: (a) course work, and (b) dissertation/project work, both the parts having equal weightage, i.e., 12 credits each.</p> |
| Coursework | <p>2. i. The coursework of one semester shall consist of three papers offered by the Department out of which one shall be on research methodology. A teacher of this University having M.Phil./PhD degree shall be eligible to teach M.Phil. courses. The coursework shall be for one semester only.</p> <p>ii. The M.Phil. scholars shall be required to attend and participate in seminars organised by the Department for the purpose of discussing new results, developments in the subject and/or interpretation of data.</p> <p style="padding-left: 40px;">Each scholar shall be required to present two seminars, one in the early phase of his dissertation/project work and the other just before submission of his thesis.</p> |
| Admission | <p>3. i. The admission to M.Phil. programme shall be done once in a year together with admission to other programmes of the University.</p> <p>ii. The candidates with at least 55% (50% in the case of candidates belonging to SC/ST/OBC) marks in the Master's Degree in the subject concerned or cognate subject shall be required to appear in a written test and an interview to be conducted by the Department. The candidates shall be selected according to merit determined after considering the following: (i) CGPA or percentage of marks in the Master's Degree or equivalent, (ii) performance in the admission test</p> <p style="padding-left: 40px;">and interview. The admission shall be finalised on the basis of the number of seats available and the performance of the candidates. A candidate shall be assigned a supervisor by the Department after successful completion of the coursework and securing the required CGPA in the same.</p> <p>iii. A candidate who has qualified UGC/CSIR (JRF) Examination/SLET/GATE/Teacher Fellowship shall be exempted from appearing in admission test but shall have to attend the interview.</p> |
| Registration | <p>4. A candidate shall apply through the Department's Board of Studies for registration along with the synopsis which shall be considered for approval by the School Board. The date of registration shall be the date of approval by the School Board.</p> |
| Duration | <p>5. i. A scholar shall normally complete his M.Phil. in not more than three semesters. An extension of only one semester shall be allowed in suitable cases on the recommendation of the supervisor. In the case of college teachers undertaking M.Phil. programme, one extra semester time may be given for completing the programme over and above that allowed for regular candidates.</p> <p>ii. If a candidate after clearing the course work of one semester, out of which at least one paper shall be on research methodology, discontinues his</p> |

¹Hkkx IIIμ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

71

dissertation work for some unforeseen reason, the School Board may condone a break of not more than two semesters and the candidate may be allowed to resume his work. If the break is for more than two semesters, the scholar shall seek fresh admission to the M.Phil. programme. The period of the break shall be computed from the date of publication of the course work result.

- | | | |
|-----------------------------------|------------|--|
| Attendance | 6. | An M.Phil. student is expected to attend all lectures pertaining to his coursework. The attendance of the candidate shall be at least 75% in each course. A maximum of 5% shortage may be condoned by the concerned Dean on the recommendation of the Hod/IC of the concerned department and production of some valid document to establish the reason for shortage of attendance. |
| Evaluation | 7. | <p>i. The evaluation of the coursework will be internal.</p> <p>of ii. The performance of the scholar shall be evaluated in the following coursework grades:</p> <p>‘O’ (outstanding), ‘A’ and ‘B’ with grade point valuation in the 10 point scale, i.e. 7.0-10.0 corresponding to ‘O’ grade, 6.0-6.9 corresponding to ‘A’ grade, 5.0 to 5.9 corresponding to ‘B’ grade. Those securing less than 5.0 points shall be graded as ‘C’. To clear a course, a candidate should secure at least grade ‘A’.</p> <p>The MPhil candidates shall also be awarded alphabetical grade and numerical grade point in a 10 point scale.</p> |
| Pre-Submission Seminar | 8. | When the supervisor is of the opinion that the dissertation is in the final stage of completion, the scholar shall be required to give a pre-submission seminar on his research findings. This seminar will be given in the presence of a committee of at least three faculty members, of which one will be from the allied department. The candidate may incorporate the recommendation of the committee in his dissertation. |
| Submission of Dissertation | 9. | <p>i. An M.Phil. candidate shall submit 1 soft copy in a CD/DVD and 3 hard copies of his dissertation duly recommended by the Supervisor and forwarded by the Department to the Controller of Examinations.</p> <p>ii. The dissertation shall contain a declaration from the candidate and his supervisor stating that the dissertation incorporates bonafide research of the student and that this has not been submitted for another degree of this or any other University.</p> <p>iii. They shall further certify that if the scholar has indulged in plagiarism his dissertation shall not be sent to the examiners for evaluation. Under such circumstances, a candidate will be given the opportunity to rewrite his thesis within a period of six months failing which his registration will be cancelled.</p> |
| Panel of | 10. | At least two months before the proposed date of submission of the Examiners dissertation, the supervisor shall present a panel of four names of examiners along with mobile numbers and email ids from the panel already approved by the Academic Council for necessary action by the Controller of Examinations. |
| Evaluation | 11. | <p>i. The dissertation will be examined by two examiners (one of them being the Supervisor) to be appointed by the Vice-Chancellor from the panel approved by the Academic Council and the Executive Council. At least one of the examiners should be from outside the state where the University is located.</p> <p>ii. However a supervisor shall not act as an examiner where a candidate is a wife or husband, son or daughter, brother or sister of the Supervisor. Where a candidate is related to the Supervisor, the dissertation submitted by a candidate for M.Phil. degree shall be sent to another examiner selected from the panel of examiners. In such cases, the panel of examiners will be submitted by the HoD/IC of the department and if the</p> |

		HoD/IC happens to be the supervisor the same will be submitted by the Dean of the School.
Award of the	12.	i. The dissertation work shall be accepted for the award of the M.Phil. Degree degree on the unanimous recommendation of both the examiners. ii. If there is a difference of opinion between the two examiners the matter shall be referred to a third examiner to be appointed by the Vice-Chancellor out of the panel already submitted. The third examiner will act as the adjudicator and his decision shall be final. iii. In case the examiner suggests some modifications for improvement of the dissertation or points out certain lacunae in the same, the candidate shall be asked to reply or to modify the dissertation on the suggested lines and resubmit the dissertation within a period of six months of the communication of the decision. iv. In the event of unanimous recommendation by both the examiners, the final grade point may be computed keeping in mind the average of both coursework and dissertation grade points. In the event of one of the examiners for dissertation not recommending, the final grade point may be computed keeping in mind the average of the course work and the grade point awarded to the candidate by the third examiner. v. All the reports of the examiners shall be submitted to the School Board, which, on being satisfied, may recommend to the Academic Council that the M. Phil. Degree may be awarded to the candidate. A copy of the recommendation of the School Board may be sent to the Controller of Examinations for declaration of the result.
Removal of Difficulties	13.	Notwithstanding anything contained in this Ordinance, the Vice-Chancellor may take such measures as may be necessary for removal of difficulties.
OC-7 ON THE DOCTOR OF PHILOSOPHY PROGRAMME [Under Section 30(d) of the SU Act, 2006]		
Admission	1.	The admission to the PhD Programme shall be in the beginning of each and academic year. The candidates with at least 55% (50% for SC/ST/OBC) Eligibility marks in their Master's Degree in the subject concerned or allied/cognate subject offered by the Departments shall be required to appear in a written test and interview to be conducted by the University. The candidates shall
¹ Hkkx IIIμ[k.M 4 ^o		Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k
		be selected according to merit determined after considering the following:
		v. Performance in the entrance test and interview.
		vi. Candidates with MPhil/NET/CSIR (JRF)/SLET/GATE/ Teacher Fellowship shall be exempted from appearing in admission test but shall have to face the interview.
Coursework	2.	Coursework of minimum one semester and 12 credits, out of which one shall be on research methodology, is compulsory except for those who have completed MPhil degree from any university recognized by the University.
Supervisor	3.	The Department shall appoint a supervisor. The supervisor shall be a Professor, Associate Professor or Assistant Professor of the University with PhD. The Department may, in addition and with the approval of the School Board, appoint one or two joint supervisors in which case the Supervisor shall be in overall charge of the supervision. A joint supervisor need not necessarily be a teacher of the University but should be a person recognised by the University as qualified and knowledgeable enough to supervise a doctoral work.
Registration	4.	The application for registration of PhD shall be made to the Department concerned in the proforma as may be prescribed by the University along with a detailed research proposal including the topic, statement of research, objectives, research questions, and research methodology. The Department

shall forward the research proposal to the School Board through the Board of Studies. The date on which the School Board accepts the proposal for registration shall be the date of registration of the scholar for the purpose of this Ordinance. However, the maximum permissible period between the date of admission and the date of registration for PhD programme shall be 3 semesters or 18 months.

Duration	5. A scholar shall be permitted to submit the thesis for the PhD degree if he has pursued research at the University for not less than two years from the date on which his synopsis has been registered. The name of a scholar shall be removed from the rolls of the University if he fails to submit his thesis within four years from the date of his registration. Provided in exceptional circumstances, the School Board, on the recommendation of the Board of Studies, may extend the date for submission of his thesis for a maximum period of one more year. If the candidate fails to submit his thesis within the extended period his registration shall lapse automatically.
Review of Progress	6. The Supervisor shall regularly monitor the progress of the research work of the candidate. If the Supervisor finds that the progress of the scholar's work is not satisfactory, a report to that effect shall be submitted to the School Board through the Department for appropriate action.
Pre-Submission Seminar	7. When the Supervisor is of the opinion that the thesis is in the final stage of completion, the scholar shall be required to give a pre-submission seminar on his research findings. This seminar will be given in the presence of an evaluation committee of at least three faculty members, of which one will be from outside the Department, who will be nominated by the Dean of the concerned School. The candidate may incorporate the recommendations of the Committee in the thesis.
Modification Title	8. If there is a need for modification of the title of research the candidate shall submit an application to the Dean through the Head/IC at least six months before the date of submission of the thesis for approval of the concerned boards.
Submission Thesis	9. - A candidate shall submit his thesis for PhD in which he may incorporate the text of any work which he may have published on the subject. But he shall not submit as his thesis any work for which a degree has already been conferred on him by this or any other university. - A PhD candidate shall publish at least one research paper in a refereed journal before the submission of his thesis, and produce evidence of the same in the form of acceptance letter or reprint. - The scholar shall satisfy that it is a piece of research work characterised either by discovery of new facts or by fresh interpretation of facts or theories. In either case it should evince his capacity for critical examination, original thinking and judgment. Its literary presentation should also be satisfactory. - The thesis shall include a certificate from the Supervisor and the declaration from the candidate that the thesis incorporates the student's bonafide research and that the same has not been submitted for award of any degree in this or any other university or institute of learning. - The application for submission of thesis shall be countersigned by the Head of the concerned Department. The Head of the Department shall forward the thesis together with the observations of the Evaluation Committee for pre-submission seminar to the Controller of Examinations for further necessary action. - If the office of the Controller of Examinations is convinced that plagiarism has been committed in the thesis the same shall not be sent to the examiners for evaluation. Such a candidate may be given six months to rewrite his thesis, failing which his registration shall stand cancelled.

Panel of Examiners	10.	The Supervisor shall submit a panel of six examiners, including his own name as Internal Examiner, with postal address, email id and mobile phone number, in the prescribed proforma to the School Board through the Head of the Department for approval and submission to the Controller of Examinations. The School Board shall also submit a copy of the panel of examiners to the Chairman of the Academic Council.
Evaluation	11.	The thesis submitted by the candidate for PhD shall be examined by at least three examiners from a panel approved by the Executive Council on the recommendation of the Academic Council. Two of the examiners shall be those who are not in the roll of the University and at least one of them shall be from outside the state, while the third examiner shall be the Supervisor. Provided that the Supervisor shall not serve as examiner where the candidate is a wife or husband, son or daughter, brother or sister. In such a situation the panel of experts shall be submitted by the HoD/IC of the department and if the supervisor happens to be holding such a position the same shall be submitted by the Dean of the School.
Examiner's and Viva-Voce	12.	i. Each examiner shall, after examining the thesis submit a report in a Report prescribed proforma to the University clearly stating that in his opinion (a) the thesis is recommended for the award of PhD Degree, or (b) the thesis should be modified/revised, or (c) the thesis may be rejected. ii. In case an examiner suggests some modifications/ improvements of the thesis or points out certain lacunae in the thesis, the candidate should be asked to reply or modify the thesis as suggested and resubmit the thesis to be forwarded to the concerned examiner within a period of one year from the date of intimation of the requirement of modification by the University. If the examiner is still not satisfied the matter shall be referred to a Committee of Experts to be appointed by the Vice-Chancellor. iii. A thesis shall be accepted for the award of the Degree of Doctor of Philosophy on unanimous recommendation of the examiners. If both the external examiners reject the thesis, no degree will be awarded. If there is a difference of opinion between the external examiners it should be referred to a fourth examiner to be nominated by the Vice-Chancellor out of the panel already approved by the Academic Council and the iv. If the reports are satisfactory he will undergo a viva voce examination which shall be openly defended.
Award of Degree	13.	Based on the reports of the examiners and the viva-voce the School Board shall recommend to the Executive Council through the Academic Council for the award of the degree or otherwise.
Removal of Difficulties	14.	Notwithstanding anything contained in the above Ordinance, the Vice-Chancellor may take such measures or make such regulations as may be necessary for removal of difficulties.

OC-8

ON THE AWARD OF DEGREES, DIPLOMAS AND CERTIFICATES [Under Section 5(2) of SU Act, 2006]

The following Degrees, Diplomas and Certificates in accordance with conditions, which may be laid down from time to time in each case by a Regulation or otherwise, shall be awarded by the University:

1. Research Degrees of Doctor of Philosophy, Doctor of Science, Doctor of Literature, Doctor of Law, and Doctor of Medicine;
2. Master's Degree in Arts, Sciences, Commerce, Education, Home Science, Law, Agriculture, Professional Courses, Management Studies, Pharmacology, Medicine and Engineering;
3. Bachelor's Degree (Pass and Honours) in Arts, Science, Commerce, Home Science, Pharmacology, Education, Agriculture, Professional Courses, Medicine, Engineering and Law;
4. Post Graduate Certificate and Diploma in special branches of learning or practical skills;
5. Diploma in Civil, Mechanical and Electrical Engineering, Electronics, Agriculture and such other fields as may be approved by the Academic Council from time to time;

6. Certificates and Diplomas in special branches of learning or practical skills, technical subjects, foreign languages, etc.;
7. Honorary Degrees; and
8. Degrees, diplomas and certificates in various professional courses introduced by the University from time to time.

OC-9

ON THE POWERS AND FUNCTIONS OF THE DEAN, STUDENTS' WELFARE [Under Section 30(p) of the SU Act, 2006]

The Dean, Students' Welfare shall:

1. Advise the Vice-Chancellor on the policies and procedures of the admissions to the various Undergraduate, Integrated and Postgraduate courses, research degrees, certificate/diploma courses, and other full-time and part-time courses as approved by the University from time to time.
2. Coordinate through the Provost the admission to hostels in the University.
3. Advise the Vice-Chancellor on the appointment of the Provost and Wardens and their powers and functions.
4. Deal with the matters of overall discipline and conditions of living in the halls of residence maintained by the University.
5. Advise the Vice-Chancellor on all matters related to students, including their association/council and activities.
6. Coordinate the elections of the Students' Association duly recognized by the University.
7. Advise the Vice-Chancellor on the nomination of student representatives to various bodies of the University.
8. Supervise and fund various co-curricular and sports activities of the students and Research Scholars.
9. Issue travel concession forms to the students and recommend educational tours/excursions of the students to various parts of India.
10. Supervise career guidance and counseling activities for the welfare of the students.
11. Organise such programmes and activities which shall strengthen the student-teacher, student-administration and student-society relationships.
12. Undertake such other activities that are desirable for the welfare of the students, or as directed by the Vice-Chancellor from time to time.

OC-10

ON THE AWARD OF FELLOWSHIPS, SCHOLARSHIPS, STUDENTSHIPS, MEDALS AND PRIZES [Under Section 5(xiii) of the SU Act, 2006]

- | | |
|--------------------|--|
| Objective | 1. To prevent hardship to poor and meritorious students who are pursuing their studies at this University in various Departments. |
| Eligibility | 2. Students who have secured 55% (50% for SC/ST/OBC) at the qualifying examinations for admission to various Departments of the University are eligible for consideration of the award of SU Fellowships, Scholarships, and Studentships.

Those who secure First Class First and First Class Second in each programme shall be awarded, on the Convocation Day, Gold and Silver medals respectively and such other prizes as the University may decide from time to time. |
| Selection | 3. Selection for the award of SU Fellowships, Scholarships and Studentships shall be made by a committee to be appointed by the Vice-Chancellor consisting of not less than three persons including the Dean of Students' Welfare who shall be the Chairman thereof. The selection by the Committee shall be on the basis of merit and income, and shall be subject to the approval of the Vice-Chancellor. |
| Renewal | 4. The SU Fellowships, Scholarships and Studentships may be renewed provided the student secures at least 50% marks in I and II Semester examinations and maintains an all round satisfactory record of work and attendance, to be certified by the Head of the Department concerned. |
| Value | 5. The value of the SU Fellowships, Scholarships and Studentships shall be as determined from time to time by the University. |

**Conditions of
Award**

6. The selected students for SU Fellowships, Scholarships and Studentships shall not accept or hold any appointment, paid or otherwise, and will not receive any Fellowships, Scholarships and Studentships from any other source during the tenure. The offer may be suspended on grounds of indiscipline or negligence of study.



Application **7.** Applications in the prescribed



form duly completed by the candidates along **for Award** with relevant enclosures should reach the Dean, Students' Welfare within the date to be notified by the University.

¹Hkkx IIIμ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

77

OC-11

ON THE CONDITIONS OF RESIDENCE OF THE STUDENTS [Under Section 5(xxii) of the SU Act, 2006]

- | | |
|---|--|
| Objectives | <p>1. The objectives of establishing halls of residence for students are as follows :</p> <ul style="list-style-type: none"> i. To provide to the students of the University a congenial atmosphere to live so that they can devote themselves to the pursuit of higher learning; ii. To provide enlightened guardianship to the students during an impressionable age when they are living away from their parents/guardians; iii. To ensure that students coming from different backgrounds have an opportunity to live together, imbibe a spirit of cooperation and goodwill and acquire broader societal frame of mind; iv. To provide opportunities for co-curricular and extra-curricular activities for all round development of individual personality and for giving expression to their artistic and creative talent; and v. To develop in the students the capacity to govern their own affairs. |
| Halls of Residence | <p>2. i. The University shall maintain such hostels as may be necessary to fulfill the objectives of residence;</p> <ul style="list-style-type: none"> ii. There shall be separate halls of residence for girls and boys; iii. Every hostel shall have a name as the University may assign to it; and iv. Each hostel shall be under the charge of one Warden. |
| Supervision Control | <p>3. The supervision and control of the residence of all students is vested in the and Dean of Students' Welfare who shall be assisted by the Provost and Wardens in performing his function. The Wardens in turn shall be assisted by Prefects.</p> |
| Admission | <p>4. i. Students desirous of residing in the University hostel may apply in the prescribed form after admission to the academic departments.</p> <ul style="list-style-type: none"> ii. The Heads of the Departments may forward all hostel applications of admitted candidates to the Dean, Students' Welfare. The applications shall be scrutinised by a committee headed by the Provost who shall allot seats in the hostel. iii. Students from distant places shall be given preference for hostel accommodation. iv. Hostel accommodation shall be allotted for one academic year at a time. Every student shall submit a fresh application for admission to the hostel in every subsequent year of study. The applications should reach the office of the Dean, Students' Welfare at least 15 days before the commencement of the classes for the III, V, VII, or IX semester. Re-admission will be permitted only after the resident furnishes proof of having paid all hostel/tuition dues. v. The students must vacate their rooms within one week from the end of their last semester examination. They may stay in the dormitory or as guest if they need to come again for appearing in any examination held in the University. vi. The students shall sign an affidavit on Anti-Ragging and submit the same to the office of the Dean of Students' Welfare. |
| Appointments, and Functions of Wardens | <p>5. i. Wardens of Hostels shall be appointed by the Vice-Chancellor on the Powers recommendation of the Dean, Students' Welfare for a period of three years and they shall be eligible for reappointment.</p> <ul style="list-style-type: none"> ii. The Wardens of Hostels shall perform such duties as are assigned to them by the Vice-Chancellor from time to time and they shall function in consultation with the Provost and Dean, Students' Welfare. iii. The Warden shall allot rooms to the students as per the list given by the Provost, maintain a list of students along with permanent addresses of |

guardians and such other information as may be required for emergency purposes, and maintain discipline among them.

- iv. Maintain daily record of the resident students such as students present each day, students absent from the Hall together with reasons for absence;
- v. Oversee health, hygiene and general life of the students in the hostels and to ensure that the students observe discipline;
- vi. Report to the Dean, Students' Welfare all cases of misbehaviour, indiscipline and illness of students residing in his/her hostel;
- vii. Safe custody and maintenance of such properties of the concerned hostel as are entrusted to him and for their repairs within the funds allotted and norms laid down by the University authorities for the same;
- viii. The Dean of Students' Welfare, Provost and Wardens shall have the right to inspect hostel rooms and shall have administrative control over the staff assigned to the hostel;
- ix. Free unfurnished residential accommodation with free local telephone facilities will be provided to a Warden on rent-free basis for the period of his wardenship.

**Appointments,
Powers and
Functions of
Prefects**

- 6. i. Each hall of residence shall have Prefect(s) appointed by the Provost, in consultation with the concerned Warden;
- ii. Choice of the Prefect(s) shall be from the senior-most batch of students;
- iii. Appointment shall be made for one year and may be extended if duly recommended by the Warden;
- iv. A Prefect shall look after the health, hygiene and general welfare in the hostel; assist the Warden in roll calls and ensuring discipline; and monitor catering facilities in the mess;
- v. The Prefect shall be entitled to a free single room during the tenure of his appointment but he will have to pay the hostel admission fees and mess fees.

**OC-12
ON THE MAINTENANCE OF
DISCIPLINE**

[Under Section 29 of the SU Statutes, 2006]

1. During the entire period of their study, the students, including research scholars, shall maintain discipline in the hostels, classrooms, examination halls, laboratories, libraries, on campus as well as off campus and behave in a manner expected of the students of the University.
2. The students shall be in the overall control and guidance of the Wardens, the Provost, the Dean of Students' Welfare, the Heads of the Departments and the Deans of the School, depending on the nature of their activities.
3. In case of any complaint against any student from any source, the complaint shall be addressed to the Dean of Students' Welfare who shall ask the Provost to examine the veracity of the complaint against a student.
4. If the student is prima facie found guilty of breach of discipline, the Dean of Students' Welfare may take necessary action at his own level either by reprimanding the guilty student, imposing a fine, or issuing a warning. If the nature of breach of discipline is serious in his opinion the matter shall be referred to the University Disciplinary Committee consisting of the following members of which three must be present to form the quorum:

	a. The Dean, Students' Welfare	Chairman
	b. The Provost	Member-Secretary
	c. The Dean of the concerned School	Member
	d. The Head of the concerned Department	
Member	e. The Warden of the concerned	
Hostel	f. Any other person the Vice-Chancellor may like to nominate depending on the nature of breach of discipline.	
5. The University Disciplinary Committee shall submit its report to the Registrar of the University who shall place the same before the Vice-Chancellor with his comments on the report.

6. The Vice-Chancellor shall have the powers to take such punitive action as he deems fit and bring the matter for ratification in the Executive Council at the earliest.
7. The student shall have the right to appeal before the Executive Council against the decision of the Vice-Chancellor.

OD SERIES ON AFFILIATED COLLEGES

OD-1

ON THE ADMISSION OF COLLEGES AND INSTITUTIONS TO THE PRIVILEGES OF THE UNIVERSITY

[Under Section 5(xvii) of the SU Act, 2006]

Definition	For the purpose of this Ordinance, colleges/institutions mean colleges/institutions imparting education at UG or PG level in various subjects/courses of study; the word “subjects” refer to subjects like History, Economics, and Geography; the word “courses” refer to Pass, Honours and Professional courses; and the word “programme” refers to Bachelor’s, Integrated, Master’s, MPhil and PhD programmes (stand alone or integrated).		
Affiliation Committee	1.	The Academic Council shall constitute an Affiliation Committee for Colleges/ Institutions/Subjects/Courses under the University. The composition of the Committee shall be as follows:	
		i. Vice-Chancellor or Chairman Pro-Vice-Chancellor	
		ii. Director of Public Instruction/ Higher Education or his nominee	Member
		iii. Two nominees of the Academic Council	Members
		iv. Controller of Examinations	Member
		v. Director, College Development Council	Member-
Secretary			
Powers and Functions	2.	The Affiliation Committee shall scrutinize the applications for affiliation and recommend to the Academic Council affiliation of Colleges/ Institutions/ Subjects/Courses. Withdrawal of affiliation, if any, of Colleges/Institutions/ Subjects/Courses, shall also be recommended by the Affiliation Committee.	
Meetings	3.	The Affiliation Committee shall meet as and when necessary.	
Quorum	4.	The Quorum for the meeting of the Committee shall be one-third of its total members.	
Degree College/ Institution Admission to the Privileges of the University	5.	The college/institution for the purpose of this Ordinance shall be UG/ PG college/institution providing instructions in subjects for relevant degrees.	
	6.	Admission of a college/institution to the privileges of the University shall of mean affiliation for the purposes of this Ordinance.	
	7.	Admission to the privileges of the University of various courses (Pass/ Honours/Professional) leading to relevant degrees shall mean affiliation and shall be granted as per this Ordinance.	
Affiliation of a Subject/ Course of Study	8.	Affiliation of a college/institution/subjects/courses of study as per the Stages of provisions of this Ordinance shall be granted in two stages: (i) temporary affiliation and (ii) permanent affiliation.	
affiliation of a college/course study		When it is proposed to start a new college/institution/subject/course of of study, the sponsoring body, or in the case of a Government College/ Starting a	
New	9.	Institution the authority concerned, shall submit an application to the Course/ Registrar on the prescribed proforma on or before 15 th of August of the year	
Subject/			

College/ Institution	prior to which it is intended to start the college/ institution/subject/course of study.
Initial Screening of Application	10. On receipt of the application, the Affiliation Committee shall scrutinize the application and may seek further clarification, if necessary, from the the applicant concerned in writing. If the Committee is satisfied with the project report and having found that there is a prima facie case for starting a new college/institution, then it shall recommend constitution of an inspection team.
Inspection Team	11. The inspection team shall be constituted in a manner instructed by the UGC from time to time.
Inspection	12. The Inspection Team shall submit its report, within 7 days of the visit, to the Director, College Development Council. The Inspection Team shall report on suitability of the site, feasibility of the plan, adequacy of human, physical and financial resources, library/laboratory facilities and other requirements as prescribed by the UGC from time to time. If the Affiliation Committee is satisfied with the report, it shall recommend to the Academic Council starting the college/institution/subject/course of study. The Academic Council shall send its recommendations to the Executive Council for grant of permission.
Preliminary Steps by the Sponsoring Agency/ Authority for Temporary Affiliation	13. On receipt of permission to open a college/institution/subject/course of study, the applicant shall deposit the fees approved by the Authorities of the University from time to time and other such documents that the University may seek such as the evidence of fixed deposits for amounts prescribed by the UGC from time to time for Arts, Science, Commerce and Professional Courses. On completion of this the college/institution/subject/course of study is considered as temporarily affiliated and such affiliation shall remain valid for one year only. The application for renewal of affiliation must be made at least one semester before the termination of the temporary affiliation.
Grant of Renewal	14. The Chairman of the Affiliation Committee shall constitute an Inspection Team to inspect the college/institution for renewal. The Inspection Team shall submit its report, within 7 days of the visit, to the Director, College Development Council. The Affiliation Committee after receiving the report shall forward the same to the Academic Council along with its comments and observations. If the Academic Council is satisfied with the report, it may recommend to the Executive Council for the renewal of temporary affiliation for a period of another one year.
Permanent Affiliation	15. A college/institution which has been granted provisional affiliation for five years and fulfills such other conditions as prescribed by the UGC for the purpose from time to time, may apply for permanent affiliation to the Director, College Development Council, on the prescribed proforma with the required fee.
Grant of Permanent Affiliation	16. The Chairman of the Affiliation Committee shall constitute an Inspection Team to inspect the college/institution for permanent affiliation of the college/institution or subject/course of study or both. The Inspection Team shall submit its report, within 7 days of the visit, to the Director, College Development Council. The Affiliation Committee, after receiving the report, shall forward the same to the Academic Council along with its comments and observations. If the Academic Council is satisfied with the report, it may recommend to the Executive Council for grant of permanent affiliation to a college/institution or subject/course within it. The grant of permanent affiliation to a college/institution does not entitle it to claim, ipso facto, permanent affiliation to a subject/course of study and vice versa.

- Power to lay New Conditions** 17. The Executive Council may, on the recommendation of the Academic Council, lay down new conditions for affiliation from time to time, which shall be binding on the college/institution admitted to the privileges of the University.
- Admission of Students** 18. No student shall be admitted to any college/ institution/subject/ course of study before expressed permission is granted by the University. Breach of this rule may invite refusal of affiliation to the college/institution.
- Power to withdraw Permission of Affiliation** 19. The Executive Council shall have the powers to withdraw any affiliation from a college/institution if, in its opinion, the college/institution has failed to comply with the Ordinances on Affiliation or any other directives of the University.
- Fees** 20. The following shall be the fees to be paid by the affiliated colleges with 2% non-cumulative increase every year from the date of adoption of this Ordinance:
- Removal of Difficulties** 21.

81

Sl. No	Nature of Affiliation applied for	Amount of Fees to be paid in Rs.
1	Temporary Affiliation of Institution	10,000
2	Permanent Affiliation of Institution	50,000
3	Temporary Affiliation of UG Pass Subject	5,000
4	Permanent Affiliation of UG Pass Subject	25,000
5	Temporary Affiliation of UG Honours Subject	8,000
6	Permanent Affiliation of UG Honours Subject	40,000
7	Temporary Affiliation of UG Professional Subject	10,000
8	Permanent Affiliation of UG Professional Subject	50,000
9	Temporary Affiliation of Certificate Course	3,000
10	Permanent Affiliation of Certificate Course	15,000
11	Temporary Affiliation of Diploma Course	5,000
12	Permanent Affiliation of Diploma Course	25,000
13	Temporary Affiliation of PG Subject	5,000
14	Permanent Affiliation of PG Subject	25000
15	Fixed Deposit for starting UG Programmes in Arts, Commerce and Science	15 lakhs or as prescribed by UGC
16	Fixed Deposit for UG Programmes in Professional Courses	35 lakhs or as prescribed by UGC

Any difficulty arising in interpretation of or giving effect to any provisions of this Ordinance, shall be referred to the Vice-Chancellor, whose interpretation or decision thereon shall be final.

OD-2

ON THE COLLEGE DEVELOPMENT COUNCIL

[Under Section 24 of the SU Act, 2006]

A College Development Council, to be known as the “Council” hereinafter, shall be established by Sikkim University.

- Without prejudice to the generality of the provisions of the Act, the Statutes and the Ordinances of the University, the objects of the Council shall be to provide a leadership role and generally extend help, guidance and advice to the Colleges admitted to the privileges of the University.
- The Council shall be the Principal Advisory Body to the Academic Council in all matters relating to the affiliated colleges/institutions.
- Composition of the Council shall be as under:

- | | | |
|-------|---|----------------------|
| i. | Vice-Chancellor | Chairman Ex-Officio |
| ii. | Pro-Vice-Chancellor (if any) | Member " |
| iii. | Two teachers of the Postgraduate Departments, of which one shall be from Sciences and another from Humanities and Social Sciences, to be nominated by the Vice-Chancellor | Members |
| iv. | Two Principals of affiliated colleges, of which one shall be from government college and one from private/missionary college by rotation in order of the date of establishment of a college | Members |
| v. | Two teachers of the affiliated to be nominated by the Vice-Chancellor | Members |
| vi. | Director of Public Instruction/Higher & Technical Education of the State | Member Ex-Officio |
| vii. | The Dean of Students' Welfare | -do- " |
| viii. | The Finance Officer | -do- " |
| ix. | The Controller of Examinations | -do- " |
| x. | The Librarian | -do- " |
| xi. | Registrar | Secretary " |
4. The term of office of members, other than ex-officio, shall be three years.
5. Any vacancy arising due to illness, death or resignation or otherwise, shall be filled up as soon as possible and the member(s) so appointed shall continue in office for the residual term.
6. One-third of the actual members of the Council shall form the quorum for the meetings of the Council.
7. The Council shall meet at least twice in an academic year and meetings shall be convened by the Registrar in consultation with the Vice-Chancellor. A special meeting of the Council may be convened if a request to that effect is received by the Vice-Chancellor in writing from not less than six members of the Council giving a notice of at least 21 days.
8. It shall be the duty of the Registrar to keep record of the proceedings of the Council meetings and generally look after the day to day business of the Council.
9. The Council shall have the following functions:
- To provide a forum for consideration of various aspects of education in the affiliated colleges/institutions of the University with a view to continuously improve the general educational standards in the colleges;
 - To help the affiliated colleges prepare developmental projects which may be financed by the state government or other funding agencies such as University Grants Commission;
 - To assess periodically the physical facilities in the affiliated colleges with reference to the number of students and the subjects taught and make recommendations to the UGC or state government for their improvement;
 - To review the academic performance of affiliated colleges from time to time and make suggestions for improvement;
 - To review the examination systems and suggest innovations and improvement from time to time;
 - To take action on the Inspection Reports on various colleges/institutions;
 - To prepare and maintain an up-to-date profile on each college/institution/subject/courses of study affiliated to the University, revising the existing facilities and identifying the needs and gaps that need to be filled for their development; and
10. The Office of the Council shall be located at SU campus.
11. Any difficulty arising in giving effect to or interpreting any of the provisions of this Ordinance shall be referred to the Vice-Chancellor whose decision thereon shall be final.

OD-3

ON THE PG DEPARTMENTS IN COLLEGES AFFILIATED TO THE UNIVERSITY

[Under Section 5(xvii) of the SU Act, 2006]

An affiliated college/institution may be granted the permission to teach PG courses in selected subjects on

fulfillment of the criteria laid down in this Ordinance.

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

83

- Application** 1. The application shall be made in the proforma, as prescribed by the Affiliation Committee and made available by the Director, College Development Council, after approval of the Academic Council. The application shall include the details specified by the UGC from time to time, including the following:
- The subject(s) proposed to be started stating Pass or Honours or Professional;
 - Justification (in about 500 words) for starting the proposed subject(s);
 - Adequate classroom, library books in the concerned subject(s), laboratory facilities, and minimum number of staff prescribed for the proposed course.
 - Enclose a non-refundable application fee as per OD-1, Section 20, payable by cheque/draft in favour of Sikkim University.
- Number of Seats** 2. As recommended by the Inspection Team and approved by the Academic Council.
- Admission** 3. The colleges may have their own admission criteria but the same shall be implemented only with prior approval of the Academic Council of the University.
- Syllabus** 4. Syllabi shall be prepared by the concerned college, recommended by the Board of Studies and School Board, and approved by the Academic Council.
- Fees** 5. Fees shall be specified and collected by the colleges concerned. However, half of the examination fees and 100% of marksheet, registration and certificate fees, as prescribed by the University from time to time and paid by the students shall be deposited with the University.
- Qualifications Number of Teachers** 6. The qualification and number teachers shall be as prescribed by the UGC and from time to time.
- Work Load** 7. The academic workload for every faculty member shall not be less than 90 teaching days per semester, as in the University PG departments.
- Removal of Difficulty** 8. Any difficulty arising out of giving effect to or interpreting any of the provisions of this Ordinance shall be referred to the Vice-Chancellor whose decision thereon shall be final and binding.

OE SERIES ON MISCELLANEOUS SUBJECTS

OE-1

ON ACADEMIC CALENDAR OF THE UNIVERSITY

[Under Section 30(p) of the SU Act, 2006]

- The University shall have at least 90 days of actual teaching in a semester.
- The University shall have the following calendar:

Table 1. Calendar for Sikkim University		
	Academic Activity	Date/Period
1	Admission to Semester I	July 16 to 30
2	Commencement and end of the classes for Odd Semesters (Semesters I, III and V)	August 1-November 21 (Nov 22 - 30 Preparatory for Students, which period may be used for completion/revision of courses.)
3	Examinations of Odd Semesters	December 1 - 15
4	Commencement and end of Winter Vacation	December 16 – February 15
5	Commencement and end of the classes for Even Semesters (Semesters: II, IV and VI)	February 16 – June 24 (June 25 - July 4 Preparatory for Students, which period may be used for completion/revision of the courses.)
7	Examinations of Even Semesters	July 5 - 19

8	Semester Break/Varsity Week	July 20-30
9	Publication of Results of IV Semester	August 15

NB. If the first day for classes and examinations is a holiday it will start on the next working day. The Semester Break is neither vacation nor holiday.

Table 2. Calendar for Colleges/Institutions affiliated with the University	
Academic Activity	Date
1. Examination of Odd Semesters	November 15 – 30
2. Examination of Even Semesters	June 5 – 20
3. College Week for Extra-Curricular Activities	June 21 – 30

OE-2

ON THE SCHEDULE OF MEETINGS

[Under Section 10(1) of the SU Statutes, 2006]

Names of the Authorities	Date for meeting
Board of Studies	May 1 st week and October 1 st week
School Board	May 2 nd week and October 2 nd week
Finance Committee	February 4 th week, May 4 th week, and October 4 th week
College Development Council	May 3 rd week and October 3 rd week
Academic Council	May 4 th week and October 4 th week
Executive Council	June 1 st week and November 1 st week
Court and Convocation	November 3 rd week

OE-3

ON THE CONVOCATION

[Under Section 32 of the SU Statutes, 2006]

- Convocation** 1. i. A Convocation for the purpose of conferring degrees shall ordinarily be held once in a year on such date and place as may be fixed by the Vice-Chancellor with prior approval of the Chancellor.
- ii. The Convocation fees shall be as decided by the University from time to time.
- iii. The Chancellor shall, if present, preside over the Convocation of the University for conferring degrees. In the absence of the Chancellor, the Vice-Chancellor shall preside over the convocation.
- Notice** 2. i. Not less than three weeks' notice shall be given by the Registrar for the Convocation.
- ii. The candidates who have passed their examinations before the year in which the Convocation is held shall be eligible to be admitted to the Convocation. If the Convocation is not held for some years, the Vice-Chancellor shall be competent to authorise admission of successful candidates in the previous years to their respective degrees in absentia and issue the degrees on payment of prescribed fees.
- Application** 3. i. A candidate for the degree must submit to the Registrar his application at least 7 days before the date prescribed for admission to the degree at the Convocation in person along with the prescribed fees.
- ii. The candidates who are unable to present themselves in person at the Convocation shall be admitted to the degree in absentia by the Chancellor or in his absence by the Vice-Chancellor and their certificates shall be given by the Registrar on payment of the prescribed fees.
- Fees** 4. The fees for admission to the degree at the Convocation in person shall be decided by the University from time to time.
- Honorary Degree** 5. i. Honorary degree shall be conferred only at a Convocation and may be taken only in person.
- ii. The presentation of the person(s) at the Convocation on whom honorary degrees are to be conferred shall be made by the Vice-Chancellor or in his absence the senior-most Dean of the University.
- iii. Candidates at the Convocation shall wear gowns and hoods appropriate to their respective degrees. No candidate shall be admitted to the

¹Hkkx IIIμ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

85

**Convocation
procedure**

Convocation who is not in proper convocation dress prescribed by the University.

6. i. For the award of degree at the Convocation, candidates present shall be formally presented to the Chancellor/Vice-Chancellor for admission to their respective degrees. The Deans of respective Schools shall present the Master students of their Schools. The Principals of the affiliated colleges, nominated for the purpose by the Vice-Chancellor, shall present the undergraduate candidates for various degrees. The names of the recipients of medals and prizes shall be read out by the Registrar who shall also present the candidates for their degrees in absentia for admission to their respective degrees.
- ii. The Chancellor, the Chief Rector, the Chief Guest, the Vice-Chancellor, the Pro-Vice-Chancellor (if any), the Registrar, the Finance Officer, the Deans of Schools and the members of the University authorities shall wear their special robes prescribed by the University and shall walk in procession in the following order to the convocation hall:
 - a. The Registrar with the University flag
 - b. Members of the Authorities
 - c. The Court Members
 - d. The Academic Council Members
 - e. The Executive Council Members
 - f. The Members of School Boards
 - g. The Deans of Schools
 - h. The Librarian
 - i. The Controller of Examinations
 - j. The Finance Officer
 - k. The Pro Vice-Chancellor
 - l. The Vice-Chancellor
 - m. The Chief Guest
 - n. The Chief Rector
 - o. The Chancellor
- iii. The Chancellor, the Chief Rector, the Chief Guest, the Vice-Chancellor, the Pro-Vice-Chancellor (if any), the Registrar, the Deans, the Finance Officer, and the Members of University Authorities shall take their seats in places reserved for them.
- iv. When the procession enters the Convocation Hall, the candidates and the audience shall rise and remain standing until the members of the procession have taken their seats.
- v. When the Chancellor and the Chief Guest are present, the Vice-Chancellor will welcome them.
- vi. The Convocation address will be delivered by the appointed speaker.
- vii. Having obtained the permission of the Chancellor/Vice-Chancellor, the Registrar shall declare the convocation open. The Chancellor/Vice-Chancellor shall then say, "Let the candidates be presented".
- viii. The persons appointed for the purpose of presentation of candidates for their respective degrees shall present in the manner prescribed in the following form. The candidates when presented shall rise and remain in standing position they have been admitted.
 "Madam Chancellor/Vice-Chancellor or Chancellor/Vice-Chancellor Sir, I present to you ...(No)... candidates who have been examined and found qualified for the Degree of ...(Bachelor/Master of...in...)...to which I pray that they may now be admitted".
 The Chancellor/Vice-Chancellor will admit the candidates to the degree in the following words:
 "By virtue of the powers vested in me as the Chancellor/Vice-Chancellor of Sikkim University, I admit you to the Degree of and I charge you that ever in your life and conversation you show yourselves worthy of the same".

The candidates will then take their seat.

- ix. The Registrar or the person appointed for the purpose shall then request the Chancellor/Vice-Chancellor to admit the candidates in absentia to the various Degrees in the following words:

“Madam Chancellor/Vice-Chancellor or Chancellor/Vice-Chancellor Sir, on behalf of the other..... candidates who have been examined and found qualified for the Degree of and have been permitted to receive their Degrees in absentia, I pray that they be admitted to their respective degrees”.

The Chancellor/Vice-Chancellor shall admit those candidates to their respective degrees in the following words:

“By virtue of the powers vested in me as the Chancellor/Vice-Chancellor of Sikkim University, I admit the candidates to their respective degrees in absentia”.

- x. When all candidates have been admitted to their degrees, medals and prizes the Registrar shall propose a vote of thanks. After this the Registrar shall, with the permission of the Chancellor/Vice-Chancellor, declare the Convocation Closed.
- xi. The procession shall then leave the Convocation Hall in the reverse order, while the graduates and the audience keep standing.

OE-4

ON THE WOMEN'S CELL

[Under Section 30(o) of the SU Act,
2006]

1. A Women's Cell shall be set up in the University to assist the Vice-Chancellor in realising the following aims and objectives.

- i. Gender sensitization.
- ii. Create awareness about the rights of women.
- iii. Prevention of discrimination on the basis of gender in job and career opportunities.
- iv. Prevention of sexual harassment in the University.
- v. Mediation and redressal as may be necessary following any case of discrimination or harassment on the basis of gender.

Explanatory Note: “Sexual harassment” includes such unwelcome sexual behaviours as the following:

- a. Physical contacts and advances
- b. Demand for sexual favours
- c. Sexually coloured remarks
- d. Showing pornography
- e. Any other unwelcome physical, verbal or non-verbal conduct of sexual nature which directly or impliedly humiliates or intimidates women or harasses them psychologically.

2. The Women's Cell shall be constituted as under:

- i. A Chairperson to be nominated by the Vice-Chancellor from amongst senior women employees not below the rank of an Associate Professor or Deputy Registrar.
- ii. Dean, Students' Welfare as Ex-Officio member.
- iii. Two women belonging to the students' community to be nominated by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Dean, Students' Welfare.
- iv. Four persons belonging to the employees' community — two representing the non-teaching community and two representing the teaching community to be nominated by the Vice-Chancellor provided at least one shall be a woman.

¹Hkkx IIIμ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

87

- v. One legal expert with expertise in handling cases of women's issues to be nominated by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Chairperson of the Cell.
- vi. Two Social Workers working in the relevant field to be nominated by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Chairperson of the Cell, one of whom should be a woman.

- vii. Any other member(s) to be co-opted by the Cell as and when necessary with the approval of the Vice-Chancellor.
3. The terms of the members except ex-officio members shall be three years.
4. The powers and functions of the Women's Cell shall be:
- To organise seminars, workshops, lectures, awareness camps and such other activities necessary to sensitise the University community on issues of gender justice and sexual harassment.
 - To recommend to the Chairman, Executive Council, measures for creation of a secure and cordial learning/working atmosphere between men and women.
 - To examine complaints against sexual harassment or sexual discrimination and take necessary remedial measures wherever possible or submit its findings along with recommendations to the Chairman, Executive Council.
 - To pursue time-bound treatment of the complaints, wherever necessary.
 - To engage qualified counsellors to the victim as and when necessary.
 - To report to the Chairman, Executive Council, if there is a prima-facie case for legal or disciplinary action against the perpetrator of the crime and to pursue the case to its logical end.
 - To suggest measures and ensure protection of the general welfare of the women in the University community.
5. Modalities of Functioning:
- Complaints shall be lodged with the Chairperson of the Cell by the victim concerned not later than 30 days from the date of occurrence of the incident of sexual harassment or sex discrimination.
Complaints may also be lodged by a third party or any member of the University community about any undesirable situation which directly or indirectly affects the women of the University community in general.
 - The Cell should have a regular office space with the necessary infrastructure to be provided by the University to facilitate meetings with the complainants and to provide expert/professional counselling, when necessary.
 - The Cell should meet at least two times a year. Emergency meetings may also be held on any occasion.
 - The Cell should maintain due confidentiality while dealing with complaints of sexual harassment if it is convinced that transparency would directly or indirectly humiliate the parties concerned.
6. Conduct of Meetings:
- Quorum: One third of the total members, subject to a minimum of four members of the Cell, shall make the quorum for a meeting of the Cell.
 - The Chairperson shall preside over all the meetings of the Cell. In the absence of the Chairperson, the senior-most woman member of the Cell shall preside over the meetings.
 - The Women's Cell shall, as far as possible, try to arrive at a consensus on cases decided. However, should there be a division resulting in a tie, the Chairperson shall have the casting vote.

OE-5

ON THE ALUMNI ASSOCIATION

[Under Section 38 of the SU Statutes, 2006]

- There shall be an Alumni Association coordinated by the Dean of Students' Welfare.
- The objectives of this Association shall be as follows:
 - To create a bridge between the past and present students of the University,
 - To enable the past students to interact with and guide the present students,
 - To enable the present students to benefit personally, academically and professionally from their contacts with the past students, and
 - To enable the alumni students to contribute academically, financially and administratively to build the University, as they have a permanent stake in the reputation of the same.
- The University shall create the necessary facilities for the Association to function smoothly. The Dean of Students' Welfare shall create and maintain data bank on permanent addresses, telephone numbers, email ids and current employment status of the past students.

OE-6

ON THE REDRESSAL OF GRIEVANCES

[Under Section 30(o) of the SU Act, 2006]

1. Any employee or student of the University who is aggrieved by a decision of any authority or officer of the University may represent to the Registrar through proper channel within 7 days of receipt of such orders or copy of such resolution clearly stating how he is affected by such a decision along with any documentary evidence on the matter supporting the representation.
2. The Registrar upon scrutiny of the representation shall forward the same to the Grievance Redressal Cell within 7 days of receipt of the representation.
3. The Grievance Redressal Cell shall submit its recommendations on the representation to the Registrar within 15 days of receipt of such a reference.
4. The report of the Grievance Redressal Cell may be placed before the next meeting of the Executive Council whose decision on the matter shall be final.
5. The Cell shall constitute a committee as follows after receiving a representation from the Registrar:
 - i. Chairman - Coordinator & Convener,
 - Grievance Redressal Cell ii. Nominee of the Association to which the Appellant belongs -
 - Member iii. Nominee of the Appellant
 - Member iv. Senior-most Dean - Member v.
 - One SC/ST/OBC officer not connected with the case to be - Member
 - Nominated by the Vice-Chancellor.

OE-7

ON RESEARCH PROJECTS

[Under Section 5 (xv) of the SU Act,
2006]

1. A 'research project' is defined hereunder as a 'scheme' or 'project' funded by government, semi-government, autonomous body, public sector undertaking, public/private limited company, private trust/foundation and registered body. Such project funding shall be for the following purposes:
 - a. Academic investigations,
 - b. Development of technology,
 - c. Monitoring and evaluation work,
 - d. Training & development activities,
 - e. Extension activities including action research, and
 - f. Carrying out surveys and documentation.
 2. A teacher desirous of seeking financial support (referred to hereafter as Principal Investigator or PI or such other designation as may be given by the funding agency) from an external organisation shall prepare the project proposal as per the requirements of the funding/sponsoring organisation concerned.
 3. The project shall be forwarded by the Head/IC of the Department (or Dean if the PI happens to be the Head/IC), and in case of Deans the Vice-Chancellor/Registrar shall forward it if it has been duly certified by the applicant that it is possible to carry out the project in the Department if it is funded ultimately.
 4. The Registrar shall send the proposal to the funding agency with a forwarding letter on his office stationery.
 5. When securing a major project, if the funding agency stipulates execution of a Memorandum of Understanding or such other instruments the University shall consider signing it after due scrutiny by the Legal Cell of the University.
- 89
6. The University shall claim Overhead Charges as admissible by the funding agency. The PI shall be entitled to claim a sum not exceeding 50% of the overhead amount which shall be used for purchase of furniture and office stationery for the project.
 7. The University shall have separate bank accounts for each sponsored project. Transactions pertaining to individual projects shall be closely monitored and final settlement of accounts, including auditor's report and utilization certificate, submitted to the funding organization on submission of the project report. On acceptance of the final project account, the bank account shall be closed under intimation to the funding organization.
 8. The Principal Investigator and the Drawing and Disbursing Officer shall ensure that all periodical reports and returns are forwarded to the sponsoring agency within the stipulated time.
 9. Anything not covered under the above provisions of this Ordinance shall be referred to the Vice-Chancellor whose decision on the matter shall be final.

T. K. KAUL, Registrar

[ADVT.-III/4/Exty./443/16]

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064

and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

ALOK

Digitally
by

signed

ALOK KUMAR

KUMAR

15:28:07 +05'30'

Date: 2017.03.16

